Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 11 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-192

अयोध्या में ताबड़तोड़ जमीनें खरीद रहे नेता, पूंजीपति और नौकरशाह

वोट से अयोध्या हार गई भाजपा, नोट से अयोध्या जीत रहे भाजपाई

अयोध्या, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में भाजपा वोट से अयोध्या हार गई। लेकिन भाजपाई नोट से अयोध्या जीतने में लगे हुए हैं। नौकरशाह भी अयोध्या में जमीन खरीदने की रेस में पिले पड़े हैं। राम मंदिर के उद्घाटन के बाद बड़े पैमाने पर सार्वजनिक-निजी विकास पैकेज ने अयोध्या के इर्द-गिर्द की भूमि को प्रमुख रियल एस्टेट में बदल दिया है। नवंबर 2019 में राम मंदिर निर्माण की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से लेकर मार्च 2024 तक हुई भूमि रजिस्ट्री को देखने से पता चलता है कि अयोध्या और आसपास के जिले गोंडा और बस्ती के करीब 25 उन गांवों में भूमि लेनदेन की संख्या में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जो मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। इनमें से कई सौदे परिवार के सदस्यों या विभिन्न दलों के राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों से करीबी तौर पर जुड़े लोगों द्वारा किए गए हैं। अयोध्या और आसपास जमीन खरीदने वालों में डिप्टी सीएम से लेकर कई बड़े उद्योगपति भी शामिल हैं।

अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मीन के दोनों बेटे चौ कान सेंग मीन और आदित्य मीन ने सितंबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच अयोध्या और गोंडा को अलग करने वाली सरयू नदी के पार महेशपुर (गोंडा) में मंदिर से 8 किलोमीटर दूर 3.99 हेक्टेयर जमीन 3.72 करोड़ रुपए में खरीदी। 25 अप्रैल 2023 को उन्होंने 0.768 हेक्टेयर जमीन 98 लाख रुपए में बेची। आदित्य मीन ने कहा, हमने पर्यटन विकास के लिए जमीन खरीदी है। हम एक होटल बनाएंगे और कुछ लैंडस्केपिंग भी करेंगे। इस साल जून में मीन ने नए अरुणाचल मंत्रिमंडल में फिर से उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

तेलंगाना समेत कई राज्यों की कंपनियों ने खरीदी हैं जमीनें

भाजपा के पूर्व सांसद बृज भूषण सिंह के बेटे करण भूषण नंदिनी इंफ्रास्ट्रक्चर के मालिक हैं। उन्होंने राम मंदिर से 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.97 हेक्टेयर जमीन जनवरी 2023 में 1.15 करोड़ रुपए में खरीदी। इसके बाद उन्होंने जुलाई 2023 में 635.72 वर्ग मीटर जमीन 60.96 लाख रुपए में बेच दी। जून 2024 में करण भूषण कैसरगंज के नए भाजपा सांसद चुने गए।

उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के प्रमुख एडिशनल डीजीपी अमिताभ यश (आईपीएस) की मां गीता सिंह ने फरवरी 2022 से 2 फरवरी 2024 के बीच महेशपुर और दुर्गागंज (गोंडा) और मऊ यदुवंशपुर (अयोध्या) में मंदिर से 8-13 किलोमीटर दूर 9.955 हेक्टेयर कृषि भूमि 4.04 करोड़ रुपए में खरीदी। इनमें से उन्होंने 16 अगस्त 2023 को महेशपुर में 0.505 हेक्टेयर जमीन 20.40 लाख रुपए में बेची। अमिताभ यश से जब इस संबंध में टिप्पणी के लिए अनुरोध किया गया तो उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया।

▶10पर

रूस में दिखा मोदी का जलवा तो अमेरिका भी हुआ मुरीद

भारत खत्म करा सकता है रूस-यूक्रेन युद्ध: अमेरिका

आतंकवाद की पसंदीदा परिभाषा नहीं हो सकती: पीएम मोदी

भारत ऑस्ट्रिया ने कहा, आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं

ऑस्ट्रिया के चांसलर नेहमार ने सोशल मीडिया पर साझा की सेल्फी

वियना, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के बाद अमेरिका ने भी भारतीय विदेश नीति का लोहा मान लिया है। अमेरिका ने कहा है कि भारत रूस के साथ अपनी पुरानी दोस्ती के सहारे यूक्रेन-रूस संघर्ष खत्म करा सकता है। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने यह आधिकारिक टिप्पणी जारी की है। अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव जीन पियरे ने मीडिया से कहा, भारत हमारा रणनीतिक साझीदार है और --हम उसके साथ सभी मुद्दों पर एकदम खुलेपन से बात करते हैं। इन मुद्दों में उसके रूस के साथ रिश्ते भी शामिल हैं। हमने इस मामले पर पहले भी बातचीत की है। हमें लगता है कि यह जरूरी है कि भारत समेत सभी देश यूक्रेन के मामले में स्थायी शांति हासिल करने के प्रयासों को समर्थन दें। जीन पियरे ने कहा, अमेरिका ने भारत से इस मामले में सहयोग करने का आग्रह किया है। भारत के रूस के साथ उसके पुराने रिश्ते भारत को यह क्षमता भी देते हैं कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन से युद्ध हो खत्म करने की बात कह सके। अमेरिका ने कहा कि युद्ध रूस द्वारा चालू किया गया था ▶10पर

विश्व मीडिया में सुर्खियों में छाए रहे पीएम मोदी

चीन की एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में भी पीएम मोदी की इस यात्रा को अमेरिका के लिए एक निराशाजनक कदम बताया है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में विश्लेषकों का कहना है कि रूस और भारत के बीच घनिष्ठ संबंधों का मतलब है कि यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद से रूस को रोकने और अलग-थलग करने के अमेरिका के निरंतर प्रयास विफल हो गए हैं। हालांकि, भारत की संतुलित कूटनीति न केवल अपने हितों के अनुरूप है, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन में भी योगदान देती है, जिसे लंबे समय से अमेरिकी नेतृत्व से चुनौती मिली है। ▶10पर

मोदी-पुतिन की अंतरंगता देख कर चिढ़ गया चीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रूस यात्रा से विश्व की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है। कोई इस यात्रा को अमेरिका के लिए चिंताजनक बता रहा तो कोई चीन के लिए। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने के बाद यह मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। परंपरागत रूप से पीएम मोदी ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत के पड़ोसी देशों रूस और ऑस्ट्रिया को चुना है, जिसमें भारत के पड़ोस को विदेश नीति की प्राथमिकता के रूप में महत्व दिया गया है। ▶10पर

रायबरेली की जनता ने राहुल गांधी से पूछा

किस धर्म के हो स्पष्ट करो

रायबरेली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे थे। उनके आगमन पर शहर में विभिन्न जगहों पर राहुल गांधी जवाब दो, अपना धर्म स्पष्ट करो के पोस्टर लगाए गए थे। पोस्टर में राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं पर दिए गए बयान का उल्लेख किया गया है और उनके धर्म पर भी सवाल खड़े किए गए थे।

रायबरेली में मंगलवार को शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन चौराहा सहित अन्य चौराहा के पास जिस रास्ते से राहुल गांधी अपने सांसद आवास भुएमऊ गेस्ट हाउस पहुंचे, उन रास्तों पर ये पोस्टर पटे पड़े थे। पोस्टर में लिखा था, राहुल गांधी जवाब दो, अपना धर्म स्पष्ट करो। आपको अपना अमूल्य मत देने वाला रायबरेली का हिंदू मतदाता क्या हिंसक है? आप किस धर्म के हो स्पष्ट करो। आप हिंदू धर्म को मानते हो या नहीं, रायबरेली का हिंदू मतदाता आपको क्या भविष्य में गाली खाने के लिए वोट देगा? पोस्टर में संसद भवन में राहुल गांधी की बोलते हुए समय की तस्वीर भी लगाई गई थी।

रायबरेली में जगह-जगह लगे पोस्टर, हिंदू विरोधी बयान की निंदा

हिंदू हिंसक है तो सिर तन से जुदा करने का नारा कौन लगाता है?

उल्लेखनीय है कि संसद में भाषण देते हुए राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रमाणित कर दिया था कि हिंदुओं के प्रति उनके मन कलुष भरा हुआ है। हिंदू समाज पर विष उगलते हुए, हिंदुओं पर चौबीस घंटा हिंसा, हिंसा, हिंसा। नफरत, नफरत, नफरत करने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी से पूरा देश यह पूछ रहा है कि भारत की खंडित आजादी किन लोगों के द्वारा किए गए डायरेक्ट एक्शन और कत्लेआम का परिणाम थी? और जब देश के दो टुकड़े हो गए तो भारत और पाकिस्तान, इन दोनों देशों में हिंदू और मुस्लिम जनसंख्या का क्या अनुपात था? और आज क्या अनुपात रह गया? यह एक गंभीर प्रश्न है जो सारे उत्तर स्वत: ही दे देता है कि हिंसा कौन करता है और कौन हिंसा का भुक्तभोगी है। यह राहुल गांधी को समझ में क्यों नहीं आ रहा है? 1947 में पूर्वी पाकिस्तान, जो बाद में बांग्लादेश बना, वहां हिंदू आबादी 33 प्रतिशत थी। आज वह 7 प्रतिशत पर सिमट गई है। ▶10पर

खालिस्तानियों ने भाजपा नेताओं को दी खुली धमकी

भाजपा छोड़ो, नहीं तो मारे जाओगे

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

पंजाब में कट्टरपंथियों और अलगाववादियों की सक्रियता काफी बढ़ गई है। कुछ दिन पहले लुधियाना में क्रांतिकारी सुखदेव के रिश्तेदार शिवसेना नेता संदीप थापर पर तीन निहंगों द्वारा हमला किए जाने के बाद अब भाजपा नेताओं को पार्टी छोड़ने की धमकी दी जा रही है। भाजपा नेताओं से कहा जा रहा है कि पार्टी छोड़ो या दुनिया छोड़ने को तैयार रहो। पंजाब भाजपा के चार बड़े नेताओं को जान से मारने की धमकी दी गई है। एक प्लास्टिक थैली में धमकी भरा पत्र चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय पहुंचा। इस थैली में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा सिख समन्वय समिति और राष्ट्रीय रेलवे कमेटी के सदस्य तेजिंदर सिंह सरां और भाजपा महासचिव परमिंदर बराड़ को जान से मारने की धमकी वाला पत्र मिला। ▶10पर

तेलंगाना के इंजीनियर ने किया सनसनीखेज खुलासा

चीनी जालसाजों की कैद में हैं 3000 भारतीय

हैदराबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

तीन हजार से अधिक भारतीय इंजीनियर और आईटी विशेषज्ञ चीनी जालसाजों की कैद में हैं। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें चीनी माफिया ने बंधक बना कर रखा है और उन्हें न्यूड वीडियो कॉल करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फोन और वीडियो सेक्स का धंधा करा रहे हैं। भारतीय दूतावास के हस्तक्षेप से 10 भारतीय चीनियों की कैद से छूट पाए हैं। इनमें तेलंगाना का एक इंजीनियर भी शामिल है। उसने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। चीनी माफिया ने भारतीयों और कुछ अन्य देश के युवकों को दक्षिण एशियाई दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में अलग-अलग स्थान पर कैद कर रखा है। इनमें प्रमुख रूप से कम्बोडिया और म्यांमार शामिल हैं।

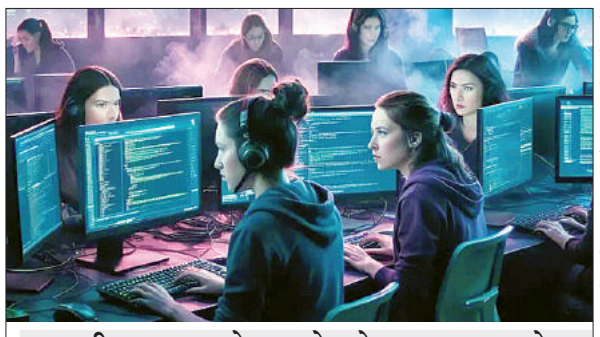

भारतीय दूतावास के हस्तक्षेप से छूट पाए 10 लोग

बंधक बनीं महिलाओं से कराते हैं न्यूड वीडियो कॉल

तेलंगाना के एक इंजीनियर ने दावा किया है कि चीन के साइबर अपराधियों के चक्कर में कई भारतीय कम्बोडिया में गुलाम बना कर रखे गए हैं। इन पीड़ितों की तादाद लगभग 3000 के आसपास बताई गई है, जिसमें कई महिलाएं शामिल हैं। इन महिलाओं का प्रयोग हनीट्रैप जैसी घटनाओं में न्यूड कॉल तक के लिए किया जा रहा है। ▶10पर

हैदराबाद हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

मुस्लिम महिलाओं को भी पति से मिलेगा गुजारा भत्ता

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने तलाकशुदा महिलाओं को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का कानूनी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के लिए अर्जी दाखिल कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह धारा सभी महिलाओं पर लागू होती है, चाहे वह किसी भी धर्म की हो। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने यह फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि देश में सेकुलर कानून ही चलेगा। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

पहली बार किसी भारतीय को मिला रूस का सर्वोच्च सम्मान

यह सम्पूर्ण भारतवासियों का सम्मान है : योगी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया। यह रूस का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार है। नरेंद्र मोदी को यह सम्मान देने की घोषणा वर्ष 2019 में की गई थी। नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए यह सम्मान भारत की जनता को समर्पित किया। रूस के इस सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान की शुरुआत 300 साल पहले हुई थी और पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय नेता हैं।

रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से पहले भी कई देशों ने नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दिया है। ▶10पर

विभिन्न देशों में पीएम मोदी को मिले सम्मान

01) जून 2023 में मिस्र द्वारा ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित
02) मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित
03) मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी पुरस्कार से सम्मानित
04) मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार से सम्मानित
05) 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो पुरस्कार से सम्मानित
06) 2020 में अमेरिकी सरकार द्वारा लीजन ऑफ मेरिट पुरस्कार से सम्मानित
07) 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां पुरस्कार से सम्मानित
08) 2019 में मालदीव द्वारा ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन से सम्मानित
09) 2019 में रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू पुरस्कार से सम्मानित
10) 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद अवॉर्ड से सम्मानित
11) 2018 में ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन अवॉर्ड से सम्मानित
12) 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान से सम्मानित
13) 2016 में सउदी अरब द्वारा ऑर्डर ऑफ अब्दुलअजीज अल सऊद से सम्मानित

TIBCON CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

रूसी राजनयिक ने पीएम मोदी को दौरे को बताया महत्वपूर्ण कहा- यह ऐतिहासिक और खेल बदलने वाला था

मॉस्को, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के दो दिवसीय दौरे के बाद अब ऑस्ट्रिया पहुंच गए। पीएम मोदी के रूस दौरे को लेकर रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक ऐतिहासिक और खेल बदलने वाला था। रूसी राजनयिक ने बताया कि पीएम मोदी का रूस दौरा पूरे विश्व ने देखा और इससे यह साबित होता है कि उनका यह दौरे कितना महत्वपूर्ण था। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच वार्ता के एक दिन बाद रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मॉस्को दौरा पूरे विश्व ने देखा था और यह इस बात का सबूत है कि यह दौरा कितना महत्वपूर्ण था। उन्होंने आगे बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत-रूस के व्यापार और आर्खित संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत के परिणामों पर प्रकाश डालते हुए रोमन बाबुश्किन ने कहा, भारत और रूस ने राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय भुगतान प्रणाली को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। भारत की मांग पर रूस अपनी सेना में भर्ती किए भारतीय नागरिकों को वापस भेजने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस मामले में हम भारत के साथ है। हमें उम्मीद है कि इसे जल्द सुलझा लिया जाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष रूसी सेना में भारतीयों के फंसे होने का मुद्दा उठाए जाने के बाद रूस ने रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि कई भारतीयों को धोखा देकर रूसी सेना में भर्ती करने का खुलासा हुआ था। दर्जनों भारतीय रूसी सेना में फंसे हैं और कई भारतीय रूस-यूक्रेन युद्ध में मोर्चे पर तैनात हैं। पीएम मोदी का रूस दौरा पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर मॉस्को पहुंचे। रूस के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से पीएम मोदी की यह रूस की पहली यात्रा है। रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने हवाई अड्डे पर पीएम मोदी स्वागत किया। प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर उनसे मुलाकात की। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भाग लिए और मॉस्को में 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की परेशानी बढ़ी, अदालत ने दंगा मामले में अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कीं

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब यहां कि एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने खान की नौ मई को भड़की हिंसा के तीन मामलों में अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान पर पिछले साल नौ मई को लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस जिसे जिन्ना हाउस, अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस स्टेशन के नाम से जाना जाता है, पर हमलों के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दरअसल, उनके समर्थकों ने पिछले साल मई में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था। अमेरिका के इस हमले से की तुलना एटीसी लाहौर के न्यायाधीश खालिद अरशद ने खान को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया और तीन मामलों में उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष ने नौ मई की हिंसा की तुलना 2021 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा किए गए हमलों से की।अभियोजन पक्ष ने कहा कि पुलिस को तीनों मामलों की जांच पूरी करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया जाना जरूरी है। 200 से अधिक केस दर्ज बता दें, क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह पिछले साल अगस्त से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं। आएगा पूरा फैसला एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश अरशद ने शाम सात बजे एक आदेश सुनाया, जिसे उन्होंने अभियोजन और याचिकाकर्ता के वकीलों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद छह जुलाई को सुरक्षित रख लिया था। खान की कानूनी टीम के अदालत में मौजूद नहीं होने के कारण न्यायाधीश ने फैसला किया कि अदालत एक संक्षिप्त आदेश सुनाएगी।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वॉशिंगटन। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। इसे उत्तर-

उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया। तूफान के बाद क्षतिग्रस्त विद्युत ग्रिडों के कारण टेक्सास में लगभग 2.2 मिलियन घरों में बिजली नहीं थी। वहीं लुइसियाना में भी 14,000 घरों में बिजली नहीं थी। निवासियों के लिए वातानुकूलित आश्रय स्थल स्थापित किए गए, हालांकि कर्मचारी सेवाएं दुरुस्त करने में लगे रहे। अलग-अलग स्थानों पर हुई मौतें 2.3 मिलियन की आबादी वाला विशाल शहर ह्यूस्टन, तूफानी हवाओं और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हैरिस काउंटी के शेरिफ एड गोंजालेज ने बताया कि घरों पर पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 53 वर्षीय पुरुष और 74 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वॉशिंगटन। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया।

उपराष्ट्रपति हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप कहा- वह लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार ट्रंप अमेरिकी लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देंगे।

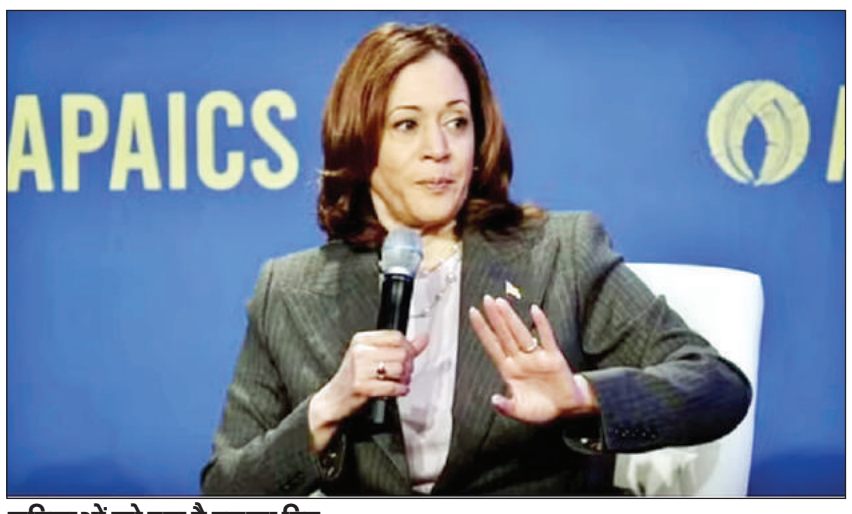

एएएनएसपीआई किया लॉन्च

हैरिस ने लास वेगास में बाइडन-हैरिस के लिए एक एएएनएसपीआई लॉन्च किया है। यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो देश भर में एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप समूह (एएनएसपीआई) मतदाताओं, समुदायों और नेताओं को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

इस दौरान उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रंप हमारे लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मूल रूप से घोषणा की है कि वह इससे बच सकते हैं।

ट्रंप लगाए गंभीर आरोप

हैरिस ने आरोप लगाया कि ट्रंप के सलाहकारों ने 900 पन्नों का एक खाका तैयार किया है। इसे प्रोजेक्ट 2025 बताया जा रहा है। इसमें दूसरे कार्यकाल में उनके द्वारा की जाने वाली अन्य सभी योजनाओं का ब्योरा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा में कटौती, इंसुलिन पर 35 अमेरिकी डॉलर की सीमा को हटाना, शिक्षा विभाग और हेड स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है।

उन्होंने आगे कहा, प्रोजेक्ट 2025 में गर्भनिरोधक तक पहुंच को सीमित करने और संसद के एक अधिनियम के साथ या उसके बिना देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार की गई है। यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह योजना डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रजनन स्वतंत्रता पर नया हमला होगा।

महिलाओं को पता है उनका हित

उपराष्ट्रपति ने लोगों की तालियों की गूंज के बीच कहा, कोई गलती न करें, अगर ट्रंप को मौका मिलता है तो वह हर एक राज्य में गर्भपात को गैरकानूनी घोषित करने के लिए राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि हम महिलाओं पर भरोसा करते हैं। हम जानते हैं कि महिलाएं जानती हैं कि उनके अपने हित में क्या है और उन्हें सरकार द्वारा यह बताए जाने की जरूरत नहीं है कि उन्हें अपने शरीर के साथ क्या करना है।

अपनी मां से जुड़ा किस्सा बताया

उन्होंने कहा, मेरी मां उस समय भारत से अमेरिका आई थीं, जब मैं महज 19 साल की थीं। वह और मेरे पिता नागरिक अधिकार आंदोलन में सक्रिय होने के दौरान मिले थे। वास्तव में, जब मैं छोटी थी तो मेरे माता-पिता मुझे स्ट्रोलर में मार्च में ले जाते थे। मेरी मां के जीवन में दो लक्ष्य थे। एक अपनी दो बेटियों मैं और मेरी बहन माया को बड़ा करना और दूसरा स्तन कैंसर को समाप्त करना। वह एक स्तन कैंसर शोधकर्ता थीं। अगर मैं सच कहूं तो मेरी मां ने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी किसी की अनुमति नहीं मांगी।

हैरिस ने बताया कि उनकी मां की लंबाई पांच फीट थीं। हालांकि, अगर आप उनसे मिलते तो आपको लगता कि वह 10 फीट लंबी हैं। यह उनके चरित्र, ताकत और दृढ़ संकल्प के कारण ही मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में आपके सामने खड़ी हूं।

चुनाव में 118 दिन बाकी

उन्होंने कहा कि यह हमारी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा, चुनाव में 118 दिन रह गए हैं। हममें से कई हर चार साल में इन चुनावों में शामिल होते हैं और लगभग हर बार हम कहते हैं, यही वह चुनाव है। खैर, यह हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। अब, हम हमेशा जानते थे कि यह चुनाव कठिन होगा। पिछले कुछ दिन याद दिलाते रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए दौड़ना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन एक बात जो हम अपने राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जानते हैं, वह यह है कि वह एक योद्धा हैं।

निक्की हेली के समर्थक रिपब्लिकन प्रतिनिधि अब ट्रंप का देंगे साथ मजबूत होगा पूर्व राष्ट्रपति का दावा

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कई दर्जन प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) की सूची जारी की है। भारतीय-अमेरिकी नेता ने इनका समर्थन इस साल की शुरुआत में पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनावों के दौरान संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए जुटाया था।

जुलाई में होगा रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन

हेली का यह कदम विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) से पहले आया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं

रिपब्लिकन नेता ने कहा, नामांकन सम्मेलन रिपब्लिकन एकता का समय है। जो बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं हैं। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे। अगर उनकी जगह कमला हैरिस आती हैं तो अमेरिका के लिए यह एक आपदा होगी।

एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता...

उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता है जो हमारे दुश्मनों को जवाबदेह ठहराए, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करे, हमारे कर्ज में कटौती करे और हमारी अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाए। मैं अपने प्रतिनिधियों को अगले सप्ताह मिल्वौकी में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। किसने कितना समर्थन जुटाया निक्की हेली ने 97 डेलीगेट का समर्थन हासिल किया था, जबकि बाइडन को 2,265 डेलीगेट मिले थे। राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 1,215 प्रतिनिधियों के समर्थन की जरूरत है। उन्होंने मार्च में अपना प्रचार अभियान स्थगित कर दिया था। हेली आरएनसी में नहीं होंगी शामिल संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर हेली आरएनसी में शामिल नहीं हो रही हैं। उनके प्रवक्ता चेनी डेंटन का कहना है कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। वह इस फैसले के साथ ठीक है।

अमेरिका में भारत दिवस की परेड में पहली बार दिखेगी राम मंदिर की झलक

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक परेड होने वाली है। न्यूयॉर्क में भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में लोगों को एक खास झांकी देखने को मिलेगी। दरअसल, इसमें राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। इसमें शहर और उसके आसपास से हजारों भारतीय-अमेरिकी शामिल होंगे। प्रवासी भारतीयों की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन एनवाई-एनजे-सीटी-एनई (एफआईए) ने यहां भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 18 अगस्त को होने वाली 42वीं वार्षिक भारत दिवस परेड में विशेष राम मंदिर की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। एफआईए ने बताया कि प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता पंकज त्रिपाठी परेड में मुख्य अतिथि होंगे। यह परेड न्यूयॉर्क शहर के लोकप्रिय मैडिसन एवेन्यू से होकर गुजरेगी और इसमें हजारों भारतीय प्रवासी शामिल होंगे। क्या है भारत दिवस परेड भारत दिवस परेड का आयोजन हर साल फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन की ओर से आयोजित किया जाता

है। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह भारत से बाहर होने वाला बड़ा आयोजन माना जाता है। इस परेड में विभिन्न भारतीय-अमेरिकी समुदायों और संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली दर्जनों झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखी जाती हैं। इस दौरान भारतीय लोग झांकियों का सड़क पर स्वागत करते हैं और तिरंगा लहराते हैं। भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि वाणिज्य दूतावास परेड का समर्थन करेगा और न्यूयॉर्क तथा अमेरिका में भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन करेगा। इतनी लंबी होगी प्रतिकृति एफआईए के अध्यक्ष डॉ. अविनाश गुप्ता ने बताया कि इस बार परेड की थीम वसुधैव कुटुम्बकम है।

नाटो सम्मेलन में बाइडन ने की यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण देने की घोषणा, कहा- रूस युद्ध में विफल हो रहा

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन शुरू हो गया। इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की सहायता के लिए एक नई घोषणा की। रूस-यूक्रेन के संघर्ष के बीच उन्होंने यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण दान में देने की घोषणा करते हुए कहा कि रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है। नाटो शिखर सम्मेलन के 75वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति बाइडन ने बताया कि अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड, रोमानिया और इटली यूक्रेन को पांच अतिरिक्त रणनीतिक वायु-रक्षा प्रणालियों के लिए उपकरण प्रदान करेंगे।

राष्ट्रपति बाइडन का यूक्रेन को समर्थन

शिखर सम्मेलन में नाटो सदस्यों का स्वागत करते हुए जो बाइडन ने कहा कि आने वाले महीनों में अमेरिका और उसके साझेदार यूक्रेन को दर्जनों अतिरिक्त वायु-रक्षा प्रणालियां प्रदान करेंगे। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा, जब हम महत्वपूर्ण वायु-रक्षा इंटरसेप्टर निर्यात करेंगे तो युद्ध में यूक्रेन

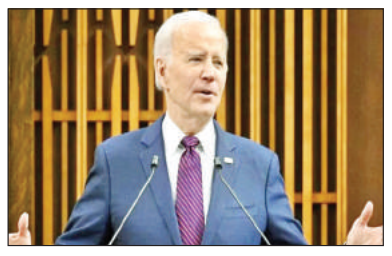

आगे निकल जाएगा। किसी अन्य को मिलने से पहले उन्हें यह सहायता मिलेंगी। अगले साल तक यूक्रेन को सैकड़ों अतिरिक्त इंटरसेप्टर मिलेंगे। इससे यूक्रेनी सैनिक रूसी हमलों का डटकर जवाब दे सकेंगे। बाइडन ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा, रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है। इस युद्ध में दो से अधिक वर्ष हो गए। इस युद्ध में रूस की हार चौंका देने वाली है। 350,000 से ज्यादा रूसी सैनिक या तो मारे गए या फिर घायल हो गए। दस लाख से भी अधिक रूसी नागरिक, जिनमें ज्यादातर युवा थे, रूस छोड़कर भाग गए। इसका कारण यह है कि वे रूस में अपना भविष्य नहीं देखना चाहते थे। उन्होंने रूस पर तंज कसते हुए आगे कहा, दोस्तों क्या आपको याद है, कीव को दो दिनों के भीतर गिराने की बात की गई थी, लेकिन दो से ढाई साल बाद भी वह वहीं है। सभी साझेदारों को यह लगता था कि इस युद्ध से पहले नाटो टूट जाएगा। आज इतिहास में नाटो सबसे ज्यादा मजबूत है। जब इस युद्ध की शुरुआत हुई थी तब यूक्रेन एक मुक्त राष्ट्र था और आज भी वह एक मुक्त राष्ट्र ही है। रूस के राष्ट्रपति पर साधा निशाना राष्ट्रपति बाइडन ने रूस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधा। बाइडन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति यूक्रेन को नष्ट करना चाहते हैं। वह इसकी संस्कृति, और लोकतंत्र को मिट्टी में मिलाना चाहते हैं और देश को नक्शे से हटाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें मालूम है कि पुतिन केवल यूक्रेन पर नहीं रुकेंगे। बिना कोई गलती किए यूक्रेन पुतिन को रोक सकता है और रोकेगा। उन्होंने यूक्रेन पर भरोसा जताते हुए कहा कि यूक्रेन इस युद्ध को एक मुक्त राष्ट्र के तौर पर ही खत्म करेगा।

सिंगापुर में दो भारतवंशियों को सजा, 50 कंपनियों के जरिए लोगों से ठगे थे लाखों डॉलर

सिंगापुर, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

दो भारतीय मूल के सिंगापुरी नागरिकों को ठगी के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों के जरिए पैसे लूटे। इनमें से दो कंपनियों के जरिए चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। पिछले चार-पांच सालों से ये लोग कंपनियों के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे।

34 वर्षीय ईशान शर्मा और 36 वर्षीय कंधीबन लेचुमननसामी को अमेरिका में पीड़ितों को ठगने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। ईशान को चार सप्ताह की सजा और कंधीबन को एक सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ही कंपनी अधिनियम के तहत दो आरोपों में दोषी पाए गए। आरोप था कि दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों से पैसे प्राप्त किए थे, जिनमें से दो कंपनियों ने चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था।

ईशान ने अपने दोस्त कंधीबन लेचुमननसामी को उचित परिश्रम न करने के लिए उकसाया था, जबकि वह दोनों फर्मों में निदेशक था। कंधीबन ने कंपनियों के मामलों पर कोई निगरानी रखने में विफल रहने के बाद अपने को दोषी स्वीकार किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदालती दस्तावेजों में यह नहीं बताया गया है कि अपराध कैसे सामने आए। वहीं उप लोक अभियोजक मैथ्यू चू ने अदालत में कहा कि इस सब में मास्टर माइंड ईशान था। उन्होंने कहा कि अपराधी ने उन दो कंपनियों के जरिए घपला कर कुल 12,000 सिंगापुरी डॉलर कमाए। 2019 और 2020 के बीच अपराधों के समय ईशान एक चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। 2017 में, उन्हें पता चला कि कंधीबन बेरोजगार थे और उन्होंने वृद्ध व्यक्ति को कार्मिक सर्किल नामक एक फर्म में 500 सिंगापुरी डॉलर के मासिक वेतन पर नौकरी की पेशकश की। कंधीबन को

निगमित कंपनियों के निदेशक रखा जाना था। वह इस सौदे के लिए सहमत हो गए।

डीपीपी चू ने कहा: कंधीबन समझ रहे थे कि उन्हें एक मूक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका कंपनियों के संचालन और गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं था। ईशान के साथ अपनी व्यवस्था के कारण, कंधीबन 2019 और 2020 के बीच 50 से अधिक कंपनियों के सूचीबद्ध निदेशक बन गए। फिर जून 2019 से कुछ समय पहले आशीष नंदा नामक एक व्यक्ति ने ईशान को भारतीय नागरिक राहुल बत्रा से मिलवाया। आशीष ने ईशान को बताया कि राहुल सिंगापुर में एक कंपनी बनाना चाहता है।

इसके बाद ईशान ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के लिए आगे बढ़ने से पहले राहुल से दो बार फोन पर संपर्क किया। अभियोक्ता ने कहा, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के बाद जून 2019 में ईशान और कंधीबन ने राहुल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। जहां राहुल ने ईशान को दी गई सेवाओं और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के कॉर्पोरेट खाते खोलने के लिए नकद में 6,000 सिंगापुरी डॉलर का भुगतान किया।

इसके बाद कंधीबन ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नामित निदेशक बनने के लिए राहुल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में एक खंड में कहा गया था कि कंधीबन को फर्म के प्रबंधन और संचालन में शामिल नहीं होना चाहिए। क्वार्ट्ज रिसोर्सेज को 7 जून, 2019 को शामिल किया गया था, और ईशान के घर को इसके पंजीकृत कार्यालय के पते के रूप में दर्ज किया गया था। वहीं कंधीबन और राहुल को इसके निदेशक के रूप में जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उस महीने के अंत में, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नाम से तीन कॉर्पोरेट बैंक खाते खोले गए, जिसमें राहुल उनके एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थे। डीपीपी ने कहा कि कंधीबन के पास बैंक स्टेटमेंट तक पहुंच नहीं थी, उसने स्टेटमेंट का अनुरोध नहीं किया और खातों के माध्यम से किए गए लेन-देन की समीक्षा भी नहीं की।

क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के दो बैंक खातों में बाद में पांच घोटाले के पीड़ितों से 583,000 सिंगापुरी से अधिक प्राप्त हुए। ईशान और कंधीबन ने किओरा वर्ल्डवाइड से जुड़े इसी तरह के कई अपराध किए। जिसे 3 नवंबर, 2019 को शामिल किया गया था। इस मामले में अदालत बताया गया कि नवंबर 2019 से कुछ समय पहले, आशीष ने ईशान को एक अन्य भारतीय नागरिक वधावन सुचित से मिलवाया। ईशान ने वधावन से व्यक्तिगत रूप से नवंबर 2019 में किओरा वर्ल्डवाइड के शामिल होने के बाद ही मुलाकात की। वधावन ने उन्हें सेवाओं सहित अन्य मदों के लिए नकद में 6,000 सिंगापुर डॉलर का भुगतान किया।

कांधीबन और वधावन को किओरा वर्ल्डवाइड के निदेशक के रूप में रखा गया। जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में रखा गया। किओरा वर्ल्डवाइड के दो बैंक खातों में बाद में तीन घोटाले के पीड़ितों से लगभग 480,000 अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। किओरा वर्ल्डवाइड और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के बैंक खातों में प्राप्त धन को चीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित देशों में अन्य कंपनियों के खातों में भेज दिया गया। घोटाले की आय वापस नहीं मिली।

बांग्लादेशियों को ही बेची जाती थी बांग्लादेशियों की किडनी

- ***राजधानी दिल्ली में चल रहा था किडनी का काला कारोबार***
- ***अमानवीय धंधे में शामिल थे बड़े-बड़े डॉक्टर और अस्पताल***

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक नामी महिला डॉक्टर समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला डॉक्टर एक बड़े अस्पताल में काम करती है। आरोपी डोनर को साढ़े तीन लाख रुपए देते थे और प्राप्तकर्ता से 20 से 22 लाख रुपए लेते थे। बताया जा रहा है कि किडनी रैकेट तीन वर्ष से ज्यादा समय से चल रहा था। चलिए आपको हम बताते हैं कि यह पूरा गिरोह किस तरह से काम करता था।

किडनी का गैरकानूनी धंधा बांग्लादेश और भारत में बड़े पैमाने पर फैला हुआ है। गिरोह चार साल में करीब 500 लोगों की किडनी गैरकानूनी तरीके से प्रत्यारोपित कर चुके हैं। इसका खुलासा किडनी रैकेट के पर्दाफाश के बाद हुआ। किडनी बदलने के दौरान चार लोगों की जान भी जा चुकी है। किडनी प्रत्यारोपण अधिकतर नोएडा के यथार्थ और अपोलो अस्पताल में हुए हैं। दिल्ली के एक बड़े प्रतिष्ठित अस्पताल में केवल टेस्ट और जांच होती थी। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह बांग्लादेश में ज्यादा सक्रिय था। गिरोह के सदस्य गरीब लोगों को भारत में नौकरी दिलाने के बहाने दिल्ली ले आते थे। भारत में उन्हें जसोला में किराए पर मकान लेकर या फिर गेस्ट हाउस में रखते थे। इसके बाद ये उन लोगों का पासपोर्ट जब्त कर लेते थे। इसके बाद गरीब बांग्लादेशियों पर किडनी डोनेट करने का दबाव बनाते थे। उनसे कहा जाता था कि नौकरी तभी मिलेगी जब आप किडनी बेचोगे। इसके एवज में उन्हें पैसे का भी लालच दिया जाता था।

मजबूरन पीड़ित किडनी देने को तैयार हो जाता था। दूसरी तरफ ये बांग्लादेशियों के डायलिसिस अस्पतालों पर नजर रखते थे। वहां जरूरतमंदों से संपर्क साधते थे। ये किडनी प्राप्तकर्ता को भारत ले आते थे। गिरोह के सदस्य किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के नकली कागजात किराये के मकान में तैयार करते थे। ये किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के बीच आपस में रिश्तेदार होने के कागजात बनाते थे। कागजात तैयार होने के बाद किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के दिल्ली के प्रतिष्ठित प्राइवेट अस्पताल में टेस्ट होते थे। टेस्ट होने के बाद ये नोएडा के अस्पतालों में प्रत्यारोपण कराते थे। किडनी प्रत्यारोपण के करीब-करीब सभी ऑपरेशन इन्हीं दोनों अस्पतालों में हुए हैं।

अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों के अनुसार नोएडा के इन दोनों की अस्पतालों में किडनी प्रत्यारोपण डॉ. डी विजया कुमारी ने किए हैं। वह अपने सहायक विक्रम के जरिए ही इस गिरोह के संपर्क में आई थी। वह पिछले चार साल से इस गिरोह के लिए काम कर रहे हैं। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि किडनी डोनर को मात्र 4.5 लाख टका (बांग्लादेशी मुद्रा) दिया जाता था। किडनी प्राप्तकर्ता से 25 से 30 लाख रुपए लिए जाते थे। 4 लाख रुपए डॉ. डी विजया कुमारी की टीम को मिलते थे। प्रति किडनी प्रत्यारोपण की फीस के बतौर 1 लाख रुपए खुद डॉ. डी विजया कुमारी लेती थी। 4 लाख रुपए उस अस्पताल को दिए जाते थे जिनमें किडनी बदली जाती थी। 10 लाख रुपए गिरोह के लोग अपने पास रख लेते थे।

दिल्ली के एक नामचीन निजी अस्पताल में कंस्लटेंट रही डॉ. डी विजया कुमारी का पैसे लेने का तरीका भी अलग था। पुलिस ने उसके दो बैंक खातों का पता लगाया है। पीएनबी के खाते में 10 लाख रुपए से ज्यादा और दूसरे खाते में दो लाख रुपए से ज्यादा मिले हैं। दिल्ली पुलिस डॉ. डी विजया कुमारी के दोनों बैंक खातों की पिछले कई सालों की डिटेल खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नोएडा के एक अस्पताल से उसके सहायक विक्रम के बैंक खाते में पैसे आते थे। डॉक्टर के बैंक खाते में 90 हजार से एक लाख रुपए आते थे, जबकि नोएडा के ही दूसरे अस्पताल में वह मरीज से खुद पैसे लेती थी। इसके बाद वह सभी को पैसे बांटती थी। वह अपनी पूरी टीम के साढ़े तीन लाख से चार लाख रुपए रख लेती थी। अस्पताल को एक किडनी प्रत्यारोपण का चार लाख रुपए दिया जाता था।

आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि गिरोह के सदस्य बांग्लादेश में डायलिसिस केंद्रों पर जाकर किडनी की बीमारी से पीड़ितों को निशाना बनाते थे। ये किडनी डोनर भी बांग्लादेश में ही ढूंढ़ते थे। डोनर को भारत लाया जाता था और फिर पासपोर्ट जब्त कर उन्हें किडनी देने के लिए मजबूर किया जाता था। इसके बाद आरोपी रसेल और इफ्ति अपने सहयोगियों मोहम्मद सुमन मियां, मोहम्मद रोकन उर्फ राहुल सरकार और रतेश पाल के माध्यम से प्राप्तकर्ताओं/डोनर के बीच संबंध दिखाने के लिए जाली दस्तावेज तैयार करते थे। जाली दस्तावेज के आधार पर अस्पतालों से प्रारंभिक चिकित्सा जांच कराते थे। इसके बाद दिल्ली व नोएडा के अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट करवाते थे।

जांच के दौरान यह पाया गया कि डॉ. डी. विजया राजकुमारी का निजी सहायक विक्रम सिंह रोगियों की फाइलें तैयार करने में सहायता करता थे और रोगी और डोनर का हलफनामा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। विक्रम सिंह आरोपियों से प्रति मरीज 20000 लेता था। रसेल ने अपने एक सहयोगी के रूप में मोहम्मद शारिक का नाम भी बताया। मोहम्मद शारिक डॉ. डी. विजया राजकुमारी से मरीजों का अपॉइंटमेंट लेता था और पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाता था और डॉक्टर की टीम से संपर्क करता था। मोहम्मद शारिक प्रति मरीज 5000 से 60000 लेता था। दो आरोपी व्यक्तियों विक्रम सिंह और मोहम्मद शारिक को 23 जून को गिरफ्तार कर लिया।

मूलरूप से बांग्लादेश निवासी रसेल 2019 में भारत आया और एक बांग्लादेशी मरीज को अपनी किडनी दान की थी। किडनी देने के बाद उसने यह रैकेट शुरू किया। वह इस रैकेट का किंगपिन है और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय करता है। उसने बांग्लादेश के संभावित किडनी दाताओं और किडनी प्राप्तकर्ताओं के बीच संपर्क स्थापित किया। वह बांग्लादेश में रहने वाले इफ्ति नामक व्यक्ति से डोनर मंगवाता था। प्रत्यारोपण पूरा होने पर उसे आमतौर पर इस कंपनी से 20-25 फीसदी तक कमीशन मिलता है।

मूलरूप से बांग्लादेश निवासी आरोपी मोहम्मद सुमन मियां, आरोपी रसेल का साला है और वर्ष 2024 में भारत आया था। तब से वह रसेल के साथ उसकी अवैध गतिविधि में शामिल है। वह किडनी रोगियों की पैथोलॉजिकल जांच का काम देखता है। रसेल उसे प्रत्येक मरीज/दाता के लिए 20,000 का भुगतान करता था। मोहम्मद रोकोन उर्फ राहुल सरकार उर्फ बिजय मंडल-बांग्लादेश निवासी मोहम्मद रसेल के निर्देश पर किडनी दानकर्ताओं और किडनी प्राप्तकर्ताओं के फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। रसेल उसे प्रत्येक मरीज/दाता के लिए 30,000 का भुगतान करता था। उसने 2019 में एक बांग्लादेशी नागरिक को अपनी किडनी भी दान की थी। त्रिपुरा निवासी रतेश पाल को रसेल उसे प्रत्येक मरीज/दाता के लिए 20,000 का भुगतान करता था। गिरोह के सदस्य शरीक ने बीएससी मेडिकल लैब टेक्नीशियन तक की पढ़ाई की है। वह यूपी का रहने वाला है। वह मरीजों और दाताओं की प्रत्यारोपण फाइलों की प्रोसेसिंग के संबंध में निजी सहायक विक्रम और डॉ. विजया राजकुमारी के साथ समन्वय करता था। उत्तराखंड का रहने वाला विक्रम वर्तमान में वह फरीदाबाद, हरियाणा में रहता है। आरोपी डॉ. डी. विजया राजकुमारी का सहायक है।

डॉ. विजया राजकुमारी किडनी सर्जन और दो अस्पतालों में विजिटिंग कंसल्टेंट हैं। फिलहाल उसे अपोलो अस्पताल से निलंबित किया हुआ है। तीन आरोपी मरीज हैं। इस कारण उन्हें गिरफ्तार करने के बजाय बाउन-डाउन किया गया है। इन लोगों के पास से अलग-अलग प्रमुखों यानी डॉक्टर, नोटरी पब्लिक, एडवोकेट आदि की 23 मोहरें, किडनी मरीजों और दाताओं की छह जाली फाइलें, अस्पतालों के जाली दस्तावेज, जाली आधार कार्ड, जाली स्टिकर, खाली स्टाम्प पेपर, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, दो लैपटॉप जिसमें आपत्तिजनक डेटा है, आठ मोबाइल फोन और 1800 यूएस डॉलर बरामद किए गए हैं।

उन्नाव में भीषण सड़क हादसा

बस और टैंकर की भिड़ंत में 18 यात्रियों की मौत

राष्ट्रपति, पीएम समेत कई नेताओं ने जताया दुख

उन्नाव, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

उन्नाव जिले में एक डबल डेकर बस के दूध के टैंकर से टकराने के कारण 18 लोगों की मौत हो गई। 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा आज सुबह करीब पांच बजे हुआ। इस दर्दनाक हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने उन्नाव में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार, डबल डेकर बस (यूपी 95 टी 4720) बिहार के शिवगढ़ से राजधानी दिल्ली जा रही थी। जैसे ही स्लीपर बस लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बेहटा मुजावर थाना इलाके में हवाई पट्टी पर पहुंची तो दूध से भरे टैंकर से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां लाशों का अंबार लग गया।

सड़क पर लाश ही लाश दिखाई दे रही थी। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक बच्चे और महिलाओं समेत 18 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 20 यात्री गंभीर रूप से जख्मी हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतकों में 2 महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। वहीं 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बिहार के शिवगढ़ से दिल्ली जा रही स्लीपर बस बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में हवाई पट्टी पर टैंकर में भिड़ गई। हादसा इतना भीषण था कि बस से परखचे उड़ गए।

पुलिस के मुताबिक बिहार के सीतामढ़ी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस को दूध के एक टैंकर ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी बीच दोनों में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बस दो हिस्सों में फट गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसपी और डीएम पहुंचे।

हादसे में मारे गए लोगों में लालबाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, रामप्रवेश कुमार निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, भरत भूषण कुमार पुत्र लाल बहादुर दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, बाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, चांदनी पत्नी मो. शमशाद निवासी शिवोली, मुलहारी, मो. शफीक पुत्र अब्दुल बसीर निवासी शिवोली, मुलहारी, मुन्नी खातून पत्नी अब्दुल बसीक निवासी शिवोली, मुलहारी, मो. सद्दाम पुत्र पुत्र मो. बशीर निवासी गमरोली थाना शिवहर, बिहार, दिलशाद (22) पुत्र अशफाक निवासी थाना मोदीपुरम, मेरठ, बीटू (9) पुत्र राजेन्द्र निवासी थाना भादूर, शिवहर, बिहार, रजनीश पुत्र रामविलास निवासी जनपद सीवान, बिहार, नगमा पुत्री मो. शहजाद निवासी भजनपुरा, दिल्ली, शबाना पत्नी मो. शहजाद निवासी भजनपुरा, दिल्ली, तौफीक आलम पुत्र अब्दुल बसीर निवासी शिवोली, मुलहारी समेत चार अन्य अज्ञात शामिल हैं।

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद भाजपा में शामिल

छतरपुर विधायक ने भी छोड़ा आम आदमी पार्टी का साथ

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके आम आदमी पार्टी के नेता राजकुमार आनंद आज भाजपा में शामिल हो गए। लोकसभा चुनाव से पहले मंत्री पद से इस्तीफा देकर वे बसपा में शामिल हुए थे। आनंद के अलावा आपा के छतरपुर से विधायक करतार सिंह तंवर और आपा के पार्षद उमेद सिंह फोगाट भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

आपा के पूर्व विधायक वीणा आनंद, आपा नेता रत्नेश गुप्ता और सचिन राय भी भाजपा में शामिल हुए। भाजपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद सचदेवा ने उन्हें भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

राजकुमार आनंद ने हाल में हुए लोकसभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने जीत दर्ज की थी। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में सामाजिक कल्याण मंत्री थे। उन्होंने दिल्ली सरकार पर अनुसूचित जाति विरोधी बताते हुए मंत्री पद के साथ ही आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर बसपा का दामन थाम लिया था।

सभी हमलों आतंकियों ने अपनाई एक जैसी रणनीति

एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफलों का कर रहे इस्तेमाल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 जुलाई।

पिछले तीन साल में जम्मू संभाग के लगभग सभी जिलों को सैनिकों के खून से लहूलुहान करने वाले आतंकियों ने इन सभी हमलों में एक जैसी रणनीति अपनाई है। इस रणनीति में पहले उन्होंने हमले वाली जगहों की रेकी करने में स्थानीय गाइडों का सहारा लिया और फिर हथगोलों की बरसात कर एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफलों से जानें ली।

पिछले तीन साल में जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, भद्रवाह, किश्तवाड़, रियासी और कठुआ के मच्छेड़ी में सैन्य वाहनों को निशाना बना 51 सैनिकों को मौत के घाट उतारने के मामलों

की जांच अब एनआईए के हवाले है। इसजांच में जुटे अधिकारी सकते में हैं कि तीन साल पहले आतंकियों ने जिस रणनीति को अपनाया था वे अभी भी उसी को अपनाते हुए जानलेवा साबित हो रहे हैं पर सुरक्षाबल उसका तोड़ नहीं निकाल पा रहे हैं। इन जिलों में हुए आतंकी हमलों में आतंकियों ने अधिकतर में सैन्य वाहनों को उन स्थानों पर अपना निशाना बनाया जो सुनसान थे या तीखे मोड़ों पर थे। हालांकि अभी इसके प्रति स्पष्टता नहीं है कि इन हमजलों में मदद करने वाले आतंकियों के स्थानीय समर्थकों और गाइडों को भी आतंकियों ने साथ रखा था या नहीं। लेकिन यह जानकारी अब बाहर आ रही है कि इन हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तानी मूल के आतंकियों ने उन स्थानीय आतंकियें की मदद जरूर ली थी जो हाल ही में बरास्ता नेपाल से वापस प्रदेश में लौटे हैं या फिर जो सरेंडर करने के बाद रिहा हो चुके हैं।

अधिकारियों ने माना है कि मच्छेड़ी के ताजा हमले में भी इसी प्रकार की रणनीतियां अपनाई गई और वैसे ही हथियारों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि मच्छेड़ी हमले में प्रयुक्त एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफल अभी तक बरामद नहीं की जा सकी है, पर जिस वाहन पर हमला हुआ उसके साथ चल रहे दूसरे सैन्य वाहन पर सवार सैनिकों का दावा था कि आतंकियों ने स्नाइपर राइफल से दोनों वाहनों के चालकों को सबसे पहले निशाना बनाने के बाद दोनों पर हथगोले दागे थे। यह बात अलग थी कि दूसरे वाहन पर दागा गया हथगोला फूटा नहीं था और उसमें सवार जवानों ने आतंकियों का मुकाबला किया था जो कुछ देर बाद परिदृश्य से गायब हो गए थे। नतीजतन सुरक्षाधिकारी अब इस रणनीति का तोड़ ढूंढने की कोशिश में तो लगे हुए हैं पर स्थानीय गाइडों द्वारा मिल रहे समर्थन और भौगौलिक परिस्थितियों के कारण वे अधिक कुछ न कर पाने को मजबूर हैं।

11 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने की अमरनाथ यात्रा

जम्मू, 10 जुलाई (ब्यूरो)।

इस बार की अमरनाथ यात्रा ने 11 दिनों में ही 2 लाख का आंकड़ा पार कर एक नया रिकार्ड बनाया है। ऐसे में उम्मीद यह की जा रही है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा आज तक का सबसे बड़ा आंकड़े का रिकार्ड कायम करेगी अगर सब कुछ सामान्य तौर पर चलता रहा। हालांकि अमरनाथ यात्रा के प्रति एक रिकार्ड सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने का वर्ष 2011 की यात्रा में बना था जब रिकार्ड तोड़ 6.35 लाख श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में शिरकत की थी। हालांकि अब जम्मू संभाग में आतंकी हमलों के उपरांत प्रशासन को अमरनाथ श्रद्धालुओं की चिंता

इसलिए सताने लगी है क्योंकि अब खुफिया अधिकारी भी चेताने लगे हैं कि अमरनाथ यात्रा आतंकी हमलों से दो चार हो सकती है।

वैसे मौसम इस बार अमरनाथ यात्रा में उम्मीद से अधिक मेहरबान है जिस कारण प्रशासन का एक ही टारगेट है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु शिरकत करें। वैसे प्रशासन प्रतिदिन 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए रवाना कर गुफा के बाहर जबरदस्त भीड़ एकत्र किए हुए है। वैसे इस बार की यात्रा 52 दिनों की है और अभी यात्रा समाप्त होने में 41 दिन बाकी हैं। और प्रशासन की चिंता 41 दिनों तक इसमें उत्साह बरकरार रखने की भी है क्योंकि अक्सर देखा गया है कि अमरनाथ यात्रा के प्रतिक हिमलिंग के पिघलने के बाद से ही यात्रा हमेशा ही ढलान पर आ जाती है। और चिंता का विषय यह भी है कि इस बार भी भक्तों की सांसों की गर्मी से हिमलिंग कब का पिघल चुका है।

जानकारी के लिए वर्ष 2007 से लेकर वर्ष 2019 के आंकड़ों पर अगर एक नजर दौड़ाएं तो वर्ष 2016 में, जब हिज्बुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्याय बुरहान वानी की मौत हुई थी, सबसे कम 2.20 लाख श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए थे।

जबकि चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2008 में जब अमरनाथ भूमि आंदोलन को लेकर जम्मू में दो माह तक लगातार आंदोलन, हड़ताल और कर्फ्यू लागू रहा था तब भी सरकारी रिकार्ड के मुताबिक, 5.50 लाख श्रद्धालुओं ने 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बनने वाले हिमलिंग के दर्शन किए थे। हालांकि इस आंकड़े पर आज भी संदेह व्यक्त किया जाता रहा है।

2007 से लेकर 2019 तक के आंकड़ों में इस साल के 11 दिनों के आंकड़े ने पिछले चार साल का रिकार्ड जरूर तोड़ दिया है। जबकि अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर सब सकुशलता से चलता रहा तो इस बार यात्रा एक नया रिकार्ड बनाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 तथा 2018 में क्रमशः 2.63, 5.50, 3.75, 4.59, 6.35, 6.20, 3.53, 3.72, 2.20, 2.60 तथा 2.85 लाख श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी।

लद्दाख में 108 किलो सोना बरामद, दो गिरफ्तार

जम्मू, 10 जुलाई (ब्यूरो)।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने लद्दाख में 108 किलोग्राम से अधिक वजन के 108 सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। लद्दाख सेक्टर में दो लोगों के कब्जे से तस्करी का सोना जब्त किया गया। आईटीबीपी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की और कहा कि आईटीबीपी के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी है। पूछताछ के बाद दोनों संदिग्धों को सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया जाएगा।

आईटीबीपी ने बताया कि सब-सेक्टर लद्दाख के इलाकों में

गश्त के दौरान सेरिगाप्ले इलाके में दो संदिग्धों को देखा गया, जिन्होंने पूछताछ में दावा किया कि वे औषधीय पौधे एकत्र कर रहे थे। आईटीबीपी के जवानों ने उनके टेंट की तलाशी ली तो वहां सोने के 108 बिस्किट पाए गए। उनके पास से एक दूरबीन, कुछ चाकू, चाइनीज खाना, दो टट्टू और दो सेल फोन भी जब्त किए गए। दोनों की पहचान तेनजिंग टार्गे (40) और चेरिंग चंबा (69) के रूप में हुई, जो लद्दाख के हेनले गांव के निवासी हैं। तलाशी अभियान आईटीबीपी की 21वीं बटालियन द्वारा लद्दाख और श्रीनगर सेक्टर के सहयोग से शुरू किया गया था। संदिग्ध व्यक्तियों ने चकमा देकर भागने की भी कोशिश की, लेकिन गश्ती दल ने उन्हें दबोच लिया।

भजनलाल सरकार ने अपना पहला पूर्ण बजट किया पेश

जयपुर,10 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने आज अपना पहला पूर्ण बजट पेश किया। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री दीया कुमारी में 2 घंटे 50 मिनट में बजट भाषण पढ़ा। 10 संकल्पों के साथ दीया कुमारी ने बजट भाषण की शुरुआत की और प्रदेश को कई सौगात दी। यह बजट विकसित राजस्थान 2047 की थीम पर रहा। सरकार की ओर से बजट में राजस्थान की सबसे बड़ी समस्या पेयजल को लेकर कई योजनाओं की शुरुआत की गई। इसके अलवा बिजली और बेहतर यातायात सुविधा के लिए सड़क पर भी विशेष फोकस किया गया। आइए, इस रिपोर्ट में जानते हैं इन क्षेत्रों को लेकर बजट में दी गईं सुविधाओं के बारे में...।

शिक्षा के क्षेत्र के लिए हुए ये एलान

वित्त मंत्री दिया कुमारी ने ऐलान किया कि आठवीं, दसवीं और बारहवीं में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को टैबलेट दिए जाएंगे, जिनमें फ्री इंटरनेट भी रहेगा। इसके अलावा, प्रदेश में नई आईटीआई कॉलेज खोले जाने की भी घोषणा की गई है। दीया कुमारी ने एलान किया कि प्रदेश में बालिकाओं के पुलिस और सैनिक में भर्ती दिलाने के लिए संभागों में बालिका सैनिक स्कूल खोले जाएंगे।

राजस्थान में इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को लेकर 300 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके तहत भरतपुर, बीकानेर, अजमेर में कॉलेज को विकसित किया जाएगा इसके साथ ही प्रदेश के शहरी क्षेत्र में 150 करोड़ की लागत से शहरी क्षेत्र में लाइब्रेरी और वाई-फाई कनेक्शन दिए जाएंगे।

रोजगार और खेल के लिए घोषणाएं

राजस्थान बजट में प्रदेश में पुलिस के 5500 नए पद को सृजित करने की घोषणा की गई। इसके साथ ही बजट में पुलिस की सुविधा में भी विस्तार किया गया है। बजट में प्रदेश में 1500 डॉक्टरों और 400 नर्सिंग कर्मियों के नए पदों का एलान किया गया है। खेलो इंडिया की तर्ज पर हर साल प्रदेश में खेलो राजस्थान का एलान, 50 करोड़ खर्च किए जाएंगे। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार की तरह राजस्थान यूथ आइकन अवार्ड दिया जाएगा। इस बार के बजट में रोडवेज में 1650 कर्मचारियों की भर्ती की भी घोषणा की गई है।

दीया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में युवाओं के लिए हमने अगले 5 सालों में 4 लाख सरकारी भर्तियां करने का संकल्प लिया है, वहीं इस साल 1 लाख से अधिक पदों पर सरकारी भर्तियां की जानी प्रस्तावित है। इसके अलावा, युवाओं के सर्वांगीण विकास और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए युवा नीति 2024 लाने की घोषणा की गई।

स्टाम्प ड्यूटी घटाई

स्टाम्प ड्यूटी में किसानों को फायदा पहुंचाते हुए वित्त मंत्री ने संयुक्त स्वामित्व वाली गैर कृषि भूमि पर स्टाम्प ड्यूटी 6 से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी है।

अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स की प्रक्रिया में स्टाम्प ड्यूटी पूरी तरह माफ कर दी गई है और इसके विक्रय पर स्टाम्प ड्यूटी 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी गई है।

शहीदों को मिलने वाले घर और फ्लैट पर पूरा पंजीयन शुल्क माफ रहेगा।

हाउसिंग लोन के डेट असाइनमेंट पर भी स्टाम्प ड्यूटी की अधिकतम सीमा में घटोतरी की गई है।

सीएनजी और एविएशन फ्यूल सस्ता

प्रदेश में सीएनजी और एविएशन फ्यूल पर लगने वाले वैट को कम करके इसकी कीमतों में कमी लाने के प्रयास किए गए हैं।

किसानों के लिए – राजस्थान इरिगेशन वाटर ग्रिड मिशन शुरू किया जाएगा। सभी जिलों में पानी बचाने और सिंचाई के लिए 50 करोड़ खर्च होंगे।

31 मार्च 2024 तक लंबित बिजली कनेक्शन की पेंडिंग को समाप्त करने के लिए एक लाख 45 हजार कृषि कनेक्शन दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास बोर्ड की घोषणा।

5 लाख नए किसानों को ब्याज मुक्त ऋण। इस साल 3500 करोड़ के शॉर्ट टर्म लोन बांटे जाएंगे।

समय पर फसली कर्ज चुकाने वाले किसानों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा।

गरीबों के लिए –एसएसी एसटी एवं टीएसपी फंड को 1000 से बढ़ाकर 1500 करोड़ किया

– प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए 10 हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांवों में बाबा साहेब अंबेडकर ग्राम विकास योजना, इसके लिए 200 करोड़ का प्रावधान

– प्रदेश में टीएसपी में गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्र विकास योजना शुरू होगी। इस पर 75 करोड़ रुपये व्यय होंगे। इनमें वन क्षेत्र में सामुदायिक पट्टे वितरित किए जाएंगे।

– शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट वेंडर्स व अन्य जरूरतमंद लोगों के लिए मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना

– प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के लोगों को 25 हजार रुपये का अतिरिक्त अनुदान

4 लाख नई भर्तियों की घोषणा

सरकार ने अगले पांच साल में 4 लाख नई भर्तियों की घोषणा की है। प्रत्येक वर्ष एक लाख से ज्यादा भर्ती की जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त युवाओं के लिए सरकार नई नीति की लाएगी, जिसमें 10 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है।

सरकार ने काशी विश्वनाथ की तर्ज पर खाटूश्याम कॉरिडोर बनाना प्रस्तावित किया है जिस पर सरकार 100 करोड़ रुपयों का निवेश करेगी।

युवाओं के लिए नए इंटर्नशिप प्रोग्रामों के जरिए डेढ़ लाख से ज्यादा युवाओं को स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। साथ ही प्रत्येक जिले में खेल अकादमी स्थापित की जाएगी।

अटल उद्यमी योजना के तहत स्टार्टअप के लिए 25 करोड़ रुपये के विशेष प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। साथ ही कॉलेजों में बिजनेस इनोवेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा।

पेयजल सुविधा को लेकर सरकार की तैयारी

पेयजल सुविधा को लेकर दिया कुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'जल जीवन मिशन' योजना राजस्थान के लिए वरदान साबित हो सकती है। लेकिन, पहले की कांग्रेस सरकार की उदासीनता और लापरवाही के कारण इस योजना में प्रदेश पिछड़ गया। अब इस मिशन को गति दी गई है, इस साल हमने 15 हजार करोड़ रुपये के खर्च से 25 लाख ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

जल जीवन मिशन योजना के तहत प्रदेश के 5 हजार 846 अतिरिक्त गांवों को सतही जल के माध्यम से पेयजल उपल्बध कराने का निर्णय किया। इसके लिए 20 हजार 370 करोड़ की लागत से छह वृहद पेयजल परियोजनाओं की घोषणा की गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे।

आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में गम का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई-बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह-शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता,षडयंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 11 जुलाई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 10:05 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 01:04 तक
योग : वरियान रात्रि 04:08 तक
करण : बालव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 07:50 तक
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी , विश्व जन संख्या दिवस , सांई टेऊराम जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाई-बहन का रिश्ता हुआ शर्मसार

पड़ोसी भाई ने पांच साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

अजमेर,10 जुलाई (एजेंसियां)।

केकड़ी जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक 5 साल की बच्ची को रिश्ते में भाई लगने वाले युवक ने अपनी हवस का शिकार बनाया। वह बच्ची को जंगल में लेकर गया था। परिजनों को बच्ची खून से लथपथ सड़क किनारे रोते हुए मिली, अस्पताल ले जाने पर बच्ची के साथ दुष्कर्म होने का पता चला। फिलहाल बच्ची अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती है, जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मासूम बच्ची के पिता ने बताया कि सोमवार शाम को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान उसका पड़ोसी रिश्तेदार बच्ची को बहला-फुसलाकर नहाने की बात कहकर जंगल में हैंडपंप पर ले गया, शाम तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर जब परिजनों ने बच्ची की तलाश की तो वह खून से लथपथ हालत में सड़क किनारे रोती हुई मिली।

परिजन उसे केकड़ी हॉस्पिटल लेकर गए, वहां से बच्ची को अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रैफर कर दिया गया। हॉस्पिटल में बच्ची से डॉक्टरों ने पूछताछ की। इस दौरान बच्ची ने घटना के बारे में बताया। वहीं केकड़ी राजकीय जिला हॉस्पिटल के पीएमओ डॉक्टर नवीन कुमार जांगिड़ ने कहा कि सोमवार रात बच्ची को भर्ती कराया गया था। बच्ची के प्राइवेट पार्ट में चोट लगी थी। पीडियाट्रिक सर्जरी की वजह से स्टेबल हालत में अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रैफर किया गया था। परिजनों ने चोट लगने की बात कहते हुए पुलिस कार्रवाई से मना कर दिया था, लेकिन बच्ची के साथ हुई रेप की घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, घायल बच्ची का अस्पताल में इलाज जारी है।

फायरिंग कर भाग रहे दस हजार के दो इनामी बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

करौली,10 जुलाई (एजेंसियां)।

पुलिस पर फ़ायरिंग कर भाग रहे 10 हजार के इनामी बदमाश सहित दो बदमाशों को कुड़गाव थाना पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों पर जवाबी फायरिंग की और पीछा कर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से दो देसी कट्टे, एक पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। साथ ही लग्जरी कार को जब्त किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।

पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि गंगापुर सिटी पुलिस द्वारा बदमाशों के सपोटरा जाने की सूचना मिली। सूचना पर सपोटरा डीएसपी हरिराम मीणा और कुड़गांव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर को सूचित किया गया। कुड़गांव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर ने टीम के साथ गंगापुर सपोटरा मार्ग पर नाकाबंदी कराई।

नाकाबंदी के दौरान थार गाड़ी में बैठे बदमाशों ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार भागने की कोशिश की साथ ही पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में कुड़गांव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर ने

फायरिंग की जिससे कार सड़क के नीचे खेतों में उतर गई। गाड़ी के सड़क से नीचे उतरने के बाद भी बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस टीम में शामिल जबानों ने साहस का परिचय देते हुए दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस ने 10 हजार के इनामी बदमाश विवके उर्फ उधम सिंह पुत्र श्यामलाल गुर्जर उम्र 23 साल निवासी बिनौरा थाना बाटोदा जिला गंगापुर सिटी व धर्मेंद्र उर्फ कल्लू पुत्र दौलत राम गुर्जर उम्र 23 साल निवासी बिनौरा थाना बाटोदा जिला गंगापुर सिटी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध देसी कट्टे, एक पिस्टल व 6 जिंदा कारतूस के साथ ही पुलिस पर फायर किए दो खाली खोल भी बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से थार गाड़ी को भी जप्त किया है।

इनामी बदमाश पर गंगापुर सिटी में हत्या का प्रकरण दर्ज है। जिसमें आरोपी फरार चल रहा है। कुड़गाव थाना पुलिस की कार्रवाई के बाद एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय भी कुड़गाव थाना पहुंचे। एसपी ने कुड़गाव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर सहित उनकी टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक हरकेश, हेड कांस्टेबल नरेंद्र, श्रीनिवास, कांस्टेबल भूर सिंह, हरि सिंह व पुरुषोत्तम को साहस का परिचय देने पर उनकी हौसलाफजाई की।

बोरी में बंधा मिला अज्ञात महिला का शव

नारनौंद,10 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के हिसार जिले के बास क्षेत्र में पुट्ठी माईनर में बोरी में बंधी एक अज्ञात महिला का शव मिला है। वहीं अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस महिला की पहचान कराने में काफी कोशिश कर रही है लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हुई है। बाद में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। बास थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हांसी के नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। महिला के शव को पहचान के लिए हांसी नागरिक अस्पताल के डेड हाउस में रखवा दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बड़छप्पर के पास मालवी स्मैण माइनर में एक बोरी पड़ी हुई मिली। खेतों में जा रहे ग्रामीणों ने बुधवार को माइनर में एक बोरी पड़ी हुई देखी और उसमें बदबू आ रही थी।

मुठभेड़ में जबरा गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र,10 जुलाई (एजेंसियां)।

कुरुक्षेत्र में सीआईए-1 की टीम ने सेक्टर-10 में एक निर्माणाधीन इमारत में छुपे जबरा गैंग के चार बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के टांग में गोली भी लगी है, जिसे उपचार के लिए एलए-नजेपी अस्पताल भर्ती कराया गया है। आरोपी अंकित निवासी भगवानपुर जिला सहारनपुर, सोनू निवासी सिरसल जिला कैथल, लक्ष्य व सोनू निवासी गोंदर जिला करनाल के कब्जे से तीन पिस्टल, दो देसी कट्टे, पांच मैगजीन और 28 कारतूस बरामद हुए। चारों बदमाश लाडवा गैंग के निर्मल भूल्लर की हत्या करने के फिराक में सेक्टर-10 में छुपे हुए थे।

पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि चारों बदमाश निर्मल भुल्लर की हत्या करने के लिए आए थे। उन्होंने अदालत में पेशी के दौरान भुल्लर की हत्या करने की योजना बनाई थी। इसके लिए बदमाश पिछले कई दिन से अदालत परिसर में रेकी कर रहे थे।

मंगलवार रात करीब नौ बजे सूचना पर सीआईए-एक की टीम ने मौके पर दबिश दी तो बदमाशों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम की जवाबी कार्रवाई में एक गोली बदमाश अंकित की टांग में लग गई। लक्ष्य ने भी टीम पर फायर किया था। बाद में पुलिस ने चारों को काबू कर लिया। आरोपियों के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं। सोनू के खिलाफ 2017 में अदालत परिसर करनाल में एक आरोपी पर गोली चलने का मामला दर्ज है। लक्ष्य के खिलाफ शस्त्र अधिनियम व लडाई झगड़े का मामला दर्ज है। आरोपियों को अदालत में पेश करके रिमांड पर लिया जाएगा।

जबरा एनकाउंटर के बाद बढ़ी दुश्मनी

सीआईए-एक के प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जबरा एनकाउंटर के बाद उसके गैंग के गुर्गे निर्मल भुल्लर लाडवा को अपना दुश्मन मानते थे। आरोपियों के मन में रंजिश है कि जबरा एनकाउंटर में निर्मल भुल्लर का हाथ है। उसी ने पुलिस को जबरा के बारे में जानकारी दी थी। ज्ञात हो करीब पांच साल पहले सीआईए करनाल ने बड़ागांव के जंगल में जबर उर्फ जबरा निवासी लाडवा का एनकाउंटर किया था। जबरा पर हत्या, हत्या का प्रयास समेत एक दर्जन मामले दर्ज थे। उस पर पांच लाख रुपये का इनाम रखा गया था।

हांसी में जजपा नेता की हत्या

बदमाशों ने सरेआम बरसायीं गोलियां, धरपकड़ के लिए शहर में हुई नाकाबंदी

हिसार,10 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के हिसार के हांसी में बुधवार को अज्ञात बदमाशों ने हीरो एजेंसी के मालिक व जजपा नेता की गोलियां मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने उनकी एजेंसी पर आकर 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं। इसी दौरान एजेंसी मालिक रविन्द्र सैनी को गोली लगी। हरियाणा के हिसार के हांसी में बुधवार को अज्ञात बदमाशों ने हीरो एजेंसी के मालिक व जजपा नेता की गोलियां मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने उनकी एजेंसी पर आकर 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं। इसी दौरान एजेंसी मालिक रविन्द्र सैनी को गोली लगी।

हिसार में 15 दिन में वाहन एजेंसी पर गोलीबारी की ये दूसरी वारदात है। इससे पहले इनेलो नेता के महिंद्रा शोरूम में फायरिंग हुई थी। बुधवार शाम को 6 बजे के करीब 2 युवक बाइक पर आए। उनमें से एक युवक ने गोलियों चलानी शुरू कर दी। इसी बीच गोली रविंद्र सैनी को भी लगी। फायर कर युवक अपने दूसरे साथी के साथ बैठ कर फरार हो गया। पुलिस के अधिकारी मौके पर जांच में लगे हैं।

नवरात्र का पांचवां दिन मां छिन्नमस्ता को समर्पित

गुप्त नवरात्र के पांचवें दिन मां छिन्नमस्ता की पूजा की जाती है। 10 महाविद्याओं में मां छिन्नमस्ता का 5वां स्थान है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां छिन्नमस्ता व्यक्ति की सभी चिंताओं को दूर कर उसकी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। इनकी पूजा करने से व्यक्ति को अकाल मृत्यु का डर नहीं सताता है।

देवी छिन्नमस्ता की उत्पत्ति

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार मां भगवती अपनी सखियों के साथ मंदाकिनी नदी में स्नान-ध्यान कर रही थीं। उसी समय माता की सहेलियां को बहुत भूख लगने लगी। भूख की पीड़ा के कारण दोनों साथियों के चेहरे पीले पड़ गए। चूंकि, उन दोनों को खाने के लिए कुछ नहीं मिला, इसलिए उन्होंने माता से भोजन उपलब्ध कराने के लिए कहा। अपनी सखियों की विनती सुनकर माता ने कहा- हे सखियों! कृपया थोड़ा धैर्य रखें। स्नान के बाद ही खाना बनेगा।

हालांकि, दोनों सखियों ने भोजन की तत्काल व्यवस्था करने का अनुरोध किया। मां भगवती ने तुरंत अपनी तलवार निकाली और अपना सिर काट लिया। तुरंत ही मां भगवती का कटा हुआ सिर उनके बाएं हाथ में आ गिरा। इससे रक्त की तीन धाराएं निकल पड़ीं।

सखियों ने दो धाराओं से भोजन करना शुरू कर दिया। माता स्वयं तीसरी धारा से रक्त पान करने लगीं। उसी समय मां छिन्नमस्तिका का प्रादुर्भाव हुआ।

जानिए कैसे हुई देवी की उत्पत्ति

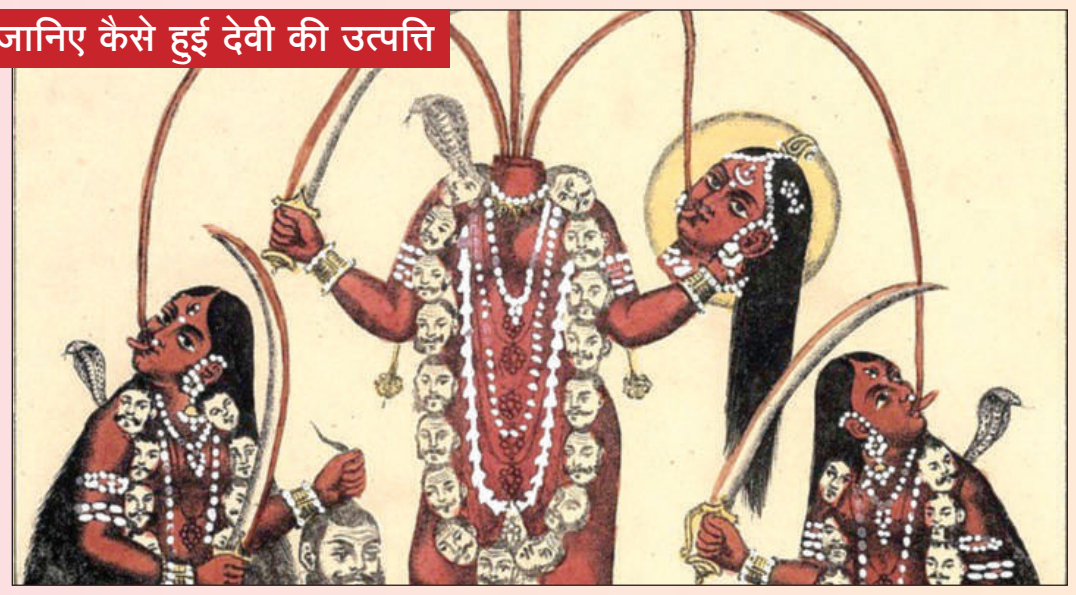

मां छिन्नमस्ता का महत्व

* देवी छिन्नमस्ता को भगवती त्रिपुर सुंदरी का उग्र रूप माना जाता है।
* तंत्र-मंत्र सीखने वाले साधकों के लिए गुप्त नवरात्र का विशेष महत्व होता है।
* मां को चिंतपूर्णी भी कहा जाता है। इसका अर्थ यह है कि मां चिंताएं दूर कर देती हैं।
* जो भक्त सच्ची आस्था और भक्ति के साथ मां के दरबार में आते हैं, उनकी मनोकामनाएं अवश्य पूरी होती हैं।
* शिव पुराण में उल्लेखित है कि देवी छिन्नमस्ता ने राक्षसों का वध करके देवताओं को उनसे मुक्त कराया था।

13 को मनाई जाएगी गुप्त नवरात्रि की अष्टमी, ऐसे करें मां दुर्गा को प्रसन्न

इन दिनों गुप्त नवरात्रि चल रही है। इस दौरान मां दुर्गा के पूजन का विशेष महत्व है, साथ ही साधक सिद्धि पाने के लिए व्रत रखते हैं। इससे मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की विशेष पूजा की जाती है। इससे न सिर्फ शुभ फलों की प्राप्ति होती है, बल्कि भक्तों पर आने वाले संकट भी टल जाते हैं और उनके यश और सम्मान में वृद्धि होती है। यहां आपको गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि बताते हैं।

अष्टमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि की शुरुआत 13 जुलाई को दोपहर 3 बजकर 5 मिनट पर होगी और अगले दिन शाम 5 बजकर 52 मिनट पर इसका समापन होगी। उदयाकाल के अनुसार अष्टमी तिथि 14 जुलाई को ही मनाई जाएगी।

ऐसे करें मां दुर्गा का पूजन

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि व नित्यकर्मों से निवृत्त हो जाएं।

अष्टमी पर लाल रंग के वस्त्र धारण करना शुभ माना गया है।

पूजा स्थल पर चौकी लगाएं अथवा लाल रंग का वस्त्र बिछाएं।

चौकी पर मां दुर्गा की प्रतिमा अथवा तस्वीर स्थापित करें।

मां दुर्गा को लाल फूल, फल और श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करें।

मां दुर्गा को हलवा-पूरी और श्रीफल का भोग लगाना चाहिए।

पूजा के समय दुर्गा चालीसा का पाठ करना शुभ माना गया है।

पूजा के समापन के बाद परिवार सहित मां दुर्गा की आरती करें।

19 अगस्त को रक्षाबंधन

क्यों मनाई जाती है राखी

हिंदू धर्म में रक्षाबंधन का खास महत्व है। भाई-बहनों के प्यार का प्रतीक यह त्योहार हर साल सावन महीने की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधती हैं। भगवान से अपने भाई के सुख और सौभाग्य की प्रार्थना करती हैं। इस अवसर पर भाई भी अपनी बहनों को जीवनभर खुशियां देने और रक्षा करने का वचन देते हैं। आइए जानते हैं इस बार राखी का त्योहार कब है, किस मुहूर्त में राखी बांधी जाएगी। इस त्योहार का महत्व क्या है और इसका इतिहास।

* हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल रक्षा बंधन का त्योहार सोमवार, 19 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा।
* रक्षाबंधन धागा समारोह- दोपहर 01.30 बजे से रात 09.08 बजे तक
* रक्षाबंधन मुहूर्त- दोपहर 01.43 बजे से लेकर शाम 04:20 बजे तक
* प्रदोष समय रक्षाबंधन मुहूर्त- शाम 06.56 बजे से लेकर रात 09:08 बजे तक
* रक्षाबंधन भद्रा समाप्ति- दोपहर 01.30 बजे
* रक्षाबंधन भद्रा पुंछा- सुबह 09.51 बजे से लेकर सुबह 10.53 बजे तक
* रक्षाबंधन भद्रा मुख- सुबह 10.53 बजे से लेकर दोपहर 12.37 बजे तक
* पूर्णिमा तिथि- 19 अगस्त 2024 की सुबह 03.04 बजे से लेकर रात में 11.55 बजे तक

क्यों मनाई जाती है राखी

रक्षाबंधन का जिक्र प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों और महाकाव्यों में भी है। एक प्रचलित कथा के अनुसार, महाभारत में जब भगवान कृष्ण की उंगली कट गई थी, तब द्रौपदी ने खून को रोकने के लिए अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर बांधा था। जिसके बाद कृष्ण ने उनकी रक्षा करने का वादा किया था। माना जाता है कि यहीं से राखी के त्योहार की शुरुआत हुई थी।

रक्षाबंधन का महत्व

हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में राखी का त्योहार काफी महत्व रखता है। यह त्योहार भाई-बहनों में प्यार और स्नेह का प्रतीक है। इस दिन बहन-भाई पारंपरिक पोशाक पहनते हैं। बहनें राखी, रोली, चावल के दाने, मिठाई, दीया और रक्षा सूत्र की थाली तैयार करती हैं। बहनें भाई की आरती करके उनके माथे पर तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधती हैं। भाई बहन को प्यार से उपहार और पैसे देते हैं। राखी सुरक्षा, देखभाल और सम्मान को दिखाता है। यह एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास दिलाता है।

ऐसे हुई थी मंगला गौरी व्रत की शुरुआत पढ़िए इससे जुड़ी पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सावन का महीना 22 जुलाई सोमवार से शुरू हो रहा है। सावन महीने का सोमवार बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, सावन महीने के मंगलवार का भी खास महत्व है। यह दिन माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखती हैं। इस बार सावन के पहले दिन भोलेनाथ और दूसरे दिन गौरी माता की विधि-विधान से पूजा की जाएगी।

इस दिन रखा जाएगा मंगला गौरी व्रत

सावन शुरू होने के अगले दिन 23 जुलाई से मंगला गौरी व्रत शुरू होगा। इस दिन पहला मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा।

इसके बाद दूसरा मंगला गौरी व्रत 30 जुलाई को रखा जाएगा, दूसरा 6 अगस्त को और चौथा और अंतिम मंगला गौरी व्रत 13 अगस्त को मनाया जाएगा।

इन सभी दिनों में मां पार्वती की विशेष पूजा की जाएगी। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना के लिए और अविवाहित लड़कियां अच्छे पति की कामना से यह व्रत रखती हैं।

मंगला गौरी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में धर्मपाल नाम का एक व्यापारी था, जिसके पास धन की कोई कमी नहीं थी। वे स्वयं सभी गुणों से सम्पन्न थे। वह देवों के देव महादेव के भक्त थे। बाद में सेठ धर्मपाल का विवाह एक प्रतिभाशाली दुल्हन से हो गया। हालांकि, उनकी शादी के बाद कई सालों तक उनकी कोई संतान नहीं हुई। इससे व्यापारी चिंतित हो गया।

वह सोचने लगा कि यदि उसकी कोई संतान नहीं होगी, तो उसके व्यवसाय का उत्तराधिकारी कौन होगा? एक दिन सेठ धर्मपाल की पत्नी ने उन्हें बच्चे के संबंध में किसी बड़े पंडित से संपर्क करने की सलाह दी। अपनी पत्नी की सलाह पर व्यापारी शहर के सबसे प्रसिद्ध पंडित से मिलने गया। उस समय गुरु ने व्यापारी दंपति को भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने की सलाह दी।

देवी पार्वती ने दिया था आशीर्वाद

बाद में व्यापारी की पत्नी ने विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की। व्यापारी धर्मपाल की पत्नी की भक्ति से प्रसन्न होकर एक दिन देवी पार्वती प्रकट हुईं और बोलीं - हे देवी! मैं तुम्हारी भक्ति से बहुत प्रसन्न हूं, जो उपहार चाहो मांग लो। आपकी हर इच्छा अवश्य पूरी होगी। उस समय धर्मपाल की पत्नी को संतान चाहिए थी। देवी पार्वती ने उन्हें पुत्र प्राप्ति का आशीर्वाद दिया। हालांकि, संतान अल्पायु था।

एक साल बाद धर्मपाल की पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। जब पुत्र का नामकरण हुआ, तो धर्मपाल ने ज्योतिषी को देवी पार्वती के वचन के बारे में बताया। तब ज्योतिषी ने धर्मपाल को अपने पुत्र का विवाह मंगला गौरी व्रत करने वाली कन्या से करने की सलाह दी। ज्योतिषी की सलाह के अनुसार, सेठ धर्मपाल ने अपने पुत्र का विवाह मंगला गौरी व्रत करने वाली कन्या से किया। लड़की के पुण्य प्रताप से धर्मपाल का बेटा मौत के चंगुल से मुक्त हो गया।

प्रदोष व्रत के दिन इस समय करें भगवान शिव का रुद्राभिषेक, प्रसन्न होंगे भोलेनाथ

हर महीने प्रदोष व्रत पड़ता है। यह व्रत भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित होता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को दूसरा प्रदोष व्रत पड़ रहा है। इस दिन गुरुवार होने के कारण यह गुरु प्रदोष व्रत कहलाएगा। यह गुरु प्रदोष इस महीने का अंतिम प्रदोष व्रत होगा। साथ ही आषाढ़ मास का भी ये अंतिम प्रदोष व्रत होगा। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया जाता है। इस दिन सूर्यास्त के बाद पूजा की जाती है।

रुद्राभिषेक के लिए शुभ समय

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 18 जुलाई को रात 8 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी।

इसका समापन 19 जुलाई को शाम 7.41 बजे होगा। गुरु प्रदोष व्रत के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा के लिए केवल 39 मिनट का शुभ समय होगा।

शिव पूजा का शुभ समय रात 8.44 बजे से 9.23 बजे तक है। प्रदोष काल के पूजा मुहूर्त के आधार पर गुरु प्रदोष व्रत 18 जुलाई को रखा जाने वाला है।

गुरु प्रदोष व्रत भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए बहुत उत्तम है। इस दिन सुबह से लेकर रात 08:44 बजे तक शिव वास कैलाश पर रहेगा। इसके बाद वह नंदी पर वास करेंगे।

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सबसे पहले स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनें।

शिव परिवार सहित सभी देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा करें।

व्रत का संकल्प लेने के लिए हाथ में पवित्र जल, फूल और अक्षत लें।

शाम के समय घर के मंदिर में दीपक जलाएं।

फिर शिव मंदिर में या घर पर ही भगवान शिव का अभिषेक करें।

शिव परिवार की विधिवत पूजा करें।

पूजा के बाद प्रदोष व्रत की कथा सुनें।

इसके बाद भगवान शिव की आरती करें।

अंत में ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

सावन में हरा रंग पहनना माना जाता है बेहद शुभ

क्या हैं इसके कारण?

सावन के महीने को बहुत खास माना जाता है। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। सावन माह में भगवान शिव की आराधना करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। इस दौरान पड़ने वाले सावन का भी बहुत महत्व माना जाता है। इस महीने हरा रंग प्रमुख माना जाता है। इस दौरान प्रकृति भी हरी-भरी हो जाती है। यह रंग सौभाग्य का प्रतीक है। सावन में महिलाएं हरे रंग के वस्त्र और हरी चूड़ियां पहनती हैं। आइए, जानते हैं कि इस माह हरे रंग का क्या महत्व है।

कब से शुरू हो रहा है सावन

सावन का महीना 22 जुलाई 2024 सोमवार से शुरू होगा और 19 अगस्त 2024 को खत्म होगा। इस बार सावन महीने में पांच सोमवार होंगे पड़ रहे हैं।

22 जुलाई को सावन शुरू होते ही सुबह 5.37 बजे से रात 10.21 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा।

प्रीति योग 21 जुलाई को रात 9.11 बजे शुरू होगा और 22 जुलाई को शाम 5.58 बजे समाप्त होगा।

तीसरा आयुष्मान योग है, जो शाम 5.58 बजे शुरू होगा और 23 जुलाई को दोपहर 2.36 बजे समाप्त होगा।

सावन में हरे रंग का क्या महत्व है?

महिलाएं इस दौरान हरे कंगन और हरे रंग की पोशाक पहनती हैं।

सावन के दौरान लगाई जाने वाली मेहंदी भी हरे रंग की होती है। यह शुभता प्रतीक माना जाता है।

हरे रंग का संबंध विवाह से भी माना जाता है।

सौभाग्य की प्राप्ति के लिए और भगवान शिव से आशीर्वाद लेने के लिए इस दौरान हरी चूड़ियां और वस्त्र पहने जाते हैं।

हरा रंग देवता भी प्रसन्न होते हैं। भगवान शिव हरियाली के बीच अपने ध्यान के प्रेम के लिए जाने जाते हैं। यह भी कहा जाता है कि हरा रंग भगवान विष्णु को भी प्रसन्न करता है।

फिल्म बैड न्यूज का नया गीत जानम हुआ रिलीज

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी संग हुए रोमांटिक

विक्की कौशल, एमी विर्क और तृप्ति डिमरी की बैड न्यूज सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म रिलीज से कुछ ही दिनों की दूरी पर है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। वहीं, कुछ दिन पहले तौबा तौबा गाना रिलीज हुआ था, जिसमें विक्की के डांस मूव्ज ने वाहवाही लूटी और अब फिल्म का सबसे बोल्ड सॉन्ग जानम रिलीज हो चुका है।विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी ने हॉटनेस से भरे सीन जानम सॉन्ग के लिए दिए हैं। दोनों के इस सॉन्ग में कई इंटीमेट सीन हैं। तृप्ति डिमरी ने विक्की के साथ ऐसे सीन दिए हैं, जिसे देखते ही लोग घायल हो जाएं। दोनों हद से ज्यादा बोल्ड अवतार में नजर आ रहे हैं। इनकी हॉटनेस देख यूजर्स ने कमेंट किया है कि अब कटरीना का क्या होगा।तृप्ति डिमरी ने फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ जमकर बोल्ड

सीन दिए थे। फिल्म से उनका न्यूड सीन काफी वायरल हुआ था। एनिमल के बाद अब तृप्ति डिमरी ने विक्की कौशल के साथ हद से ज्यादा बोल्ड सीन दिए हैं। कभी स्विमिंग पूल में, कभी बिकनी में तृप्ति हुस्न की बिजलियां गिराती नजर आई हैं। विक्की के साथ उनका ये अंदाज देख लोगों के पसीने छूट गए हैं।विक्की को तृप्ति के साथ हॉटनेस से भरे मूव्ज देकर लोगों ने कई तरह के कमेंट किए हैं। कुछ ने उनकी चुटकी भी ली है। एक ने लिखा, आपको कटरीना कैफ का खौफ नहीं? एक अन्य ने कमेंट किया, कटरीना कैफ बड़ा पछताओगे गाने की घर पर प्रैक्टिस कर रही होंगी।एमी विर्क और विक्की कौशल के साथ तृप्ति की ये फिल्म 19 जुलाई को वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है।

सीरत कपूर ने अपनी मनमोहक मुस्कान से सबको किया मंत्रमुग्ध

सीरत कपूर अपनी आकर्षक मुस्कान से सभी को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। सीरत कपूर इस अगस्त में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगी – अपनी प्रतिभा और करिश्मा से दर्शकों को लुभाने का एक दशक। 2014 में रन राजा रन से अपनी शुरुआत करने के बाद से, सीरत ने लगातार यादगार प्रदर्शन किए हैं, जिससे फिल्म उद्योग में एक बहुमुखी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है।इस जून में रिलीज़ हुई मानमे में अपने डेब्यू को-स्टार शारवानंद के साथ उनकी हालिया मुलाकात ने प्रशंसकों के उत्साह को फिर से जगा दिया है और उनकी बढ़ती सफलता को और मजबूत किया है। सीरत का सफर सिल्वर स्क्रीन से आगे तक फैला हुआ है, जिसमें विवेल, एंगेज कोलोन स्प्रे, अपोलो टायर्स, महिंद्रा गुस्टो और इंटेक्स जैसे प्रमुख ब्रांडों के प्रभावशाली ब्रांड एंडोर्समेंट शामिल हैं। ये उद्यम उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विपणन क्षमता को रेखांकित करते हैं, जिससे उन्हें एक लोकप्रिय ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्थापित किया जाता है।वर्तमान में, सीरत दिल राजू के प्रोडक्शन के तहत एक प्रमुख फिल्म प्रोजेक्ट में सक्रिय रूप से शामिल हैं, साथ ही ओटीटी सीरीज़ भामकलापम 2 में उनकी आकर्षक उपस्थिति भी है। उनकी ऑन-स्क्रीन सफलता उनकी बढ़ती ऑनलाइन उपस्थिति से झलकती है, जहाँ वह प्रशंसकों को अपने जीवन और काम के बारे में बताती रहती हैं।उनके हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट काफी चर्चा बटोर रहे हैं, जो प्रशंसकों और उद्योग के पेशेवरों दोनों को आकर्षित कर रहे हैं। एक विशेष रूप से आकर्षक पोस्ट में, सीरत एक चमकदार सुनहरी पोशाक में चमक रही हैं। स्लीवलेस, फिटेड ड्रेस उनके टोंड फिजिक को उभारती है और उनकी चमकदार त्वचा की टोन को पूरक बनाती है।

आर्टिस्ट्रीबायक्री द्वारा स्टाइल किए गए उनके घुंघराले बाल, एक विशाल और चंचल स्पर्श जोड़ते हैं, जो समग्र आकर्षण को बढ़ाते हैं। नाजुक झुमके लुक को पूरा करते हैं, जो एक सरल लेकिन सुरुचिपूर्ण पहनावा बनाते हैं।सीरत का कैप्शन, जब तक आप मेरी चमक के पीछे का कारण अनुमान लगाएँगे, तब तक मैं अपने अगले काम पर लग जाऊँगी, दिल के इमोजी के साथ, रहस्य और साज़िश का एक स्पर्श जोड़ता है, जो उसके प्रशंसकों को और अधिक आकर्षित करता है।सीरत कपूर की यात्रा उनके समर्पण और प्रतिभा का प्रमाण है। जैसे ही वह फिल्म उद्योग में अपने दूसरे दशक में प्रवेश करती है, उसकी ऑन-स्क्रीन सफलता, उसके प्रभावशाली ब्रांड एंडोर्समेंट और उसकी आकर्षक सोशल मीडिया उपस्थिति सभी रोमांचक अवसरों और निरंतर सफलता से भरे भविष्य की ओर इशारा करते हैं।

सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख स्टारर काकुड़ा का नया पोस्टर जारी

कल को जी5 पर रिलीज होगी फिल्म

सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की फिल्म काकुड़ा एलान के बाद से ही सुर्खियों में छाई हुई है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया। वहीं, अब फैंस की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता रितेश देशमुख का नया पोस्टर जारी किया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने आदित्य सरपोतदार की फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें ककुडा को मैनहंटर और रितेश देशमुख उर्फ विक्टर को घोस्ट हंटर के रूप में दिखाया गया है। इस तीखे और डरावने मुकाबले में यह देखना बाकी है कि आखिर में कौन जीतेगा। इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, क्या विक्टर का अंग्रेजी तंत्र ककुडा के सामने टिक पाएगा? कोई जोखिम न लें, इस मंत्र पर टिके रहें- दरवाजा खुला रखो, शाम 7:15 बजे, हर मंगलवार।रितेश के अलावा ककुड़ा में सोनाक्षी सिन्हा, आशिफ खान और साकिब सलीम भी हैं। यह फिल्म रतोडी के भूतिया गांव के बारे में है, जहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं- एक बड़ा और एक छोटा। ककुड़ा के लिए छोटा दरवाजा खुला होना चाहिए। इससे पहले एक साक्षात्कार में रितेश देशमुख ने खुलासा किया कि उन्होंने काकुड़ा के लिए साइन किया, क्योंकि उन्हें लगा कि स्क्रिप्ट दिलचस्प थी। अभिनेता ने कहा कि यह एक हॉरर कॉमेडी है, लेकिन यह केवल डराने और हंसाने तक ही सीमित नहीं है। देशमुख ने बताया कि काकुड़ा एक ऐसी कहानी है, जिसमें बहुत सारा दिल है और यह पात्रों के बीच के रिश्तों के बारे में है।फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला ने साल 2021 की 20 जुलाई को फिल्म की शूटिंग शुरू होने का एलान किया था। हालांकि, दर्शकों को इसका लंबा इंतजार करना पड़ा है। इस फिल्म की रिलीज डेट दो साल से अटकी पड़ी थी और अब आखिर ओटीटी पर फिल्म आ रही है। यह फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में नेगेटिव रोल निभाएंगी सत्यमवदा सिंह

टीवी एक्ट्रेस सत्यमवदा सिंह नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी शो में नेगेटिव रोल में नजर आएंगी। वह जीनत का किरदार निभाएंगी। एक्ट्रेस चांद जलने लगा सीरियल की भूमिका के लिए घर-घर में जानी जाती हैं। सत्यमवदा ने कहा, मैं जीनत का किरदार निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। वह मजाकिया, खूबसूरत और मनमौजी लड़की है। यह कॉमिक टाइमिंग वाला एक नेगेटिव रोल है। मैं इस तरह के किरदार का लंबे समय से इंतजार कर रही थी।एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस नए सफर को एक्सप्लोर करने के लिए एक्साइटेड हैं।सत्यमवदा ने बताया कि वह फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे किरदारों को निभाना चाहती हैं।उन्होंने आगे कहा, संजय लीला भंसाली सर की हीरामंडी देखने के बाद, मैंने स्क्रीन पर एक मुस्लिम महिला का किरदार निभाने का मन बनाया। मेरी एक और इच्छा है कि मैं उनके प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाऊं।उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे टीवी शो में एक मुस्लिम महिला की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। इससे पहले, मैंने गुलजार सर के नाटक में एक मुस्लिम किरदार अदा किया था, इसलिए मुझे यकीन है कि मैं इस नए किरदार को शानदार ढंग से निभा पाऊंगी।नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में चाहत पांडे, अलीशा पंवार और रेयांश वीर चड्ढा भी हैं।अपकमिंग एपिसोड बलूचिस्तान, पाकिस्तान पर बेस्ड होने के कारण एक नया मोड़ लेने वाला है।एक्ट्रेस की बात करें तो सत्यमवदा सिंह ने मॉडलिंग के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल, मिस कल्चर वर्ल्ड इंडिया, मिस उत्तर प्रदेश और मिस दिल्ली जैसे ब्यूटी सौंदर्य कॉम्पिटिशन जीते। इसमें मोस्ट फोटोजेनिक खिताब भी शामिल है।उन्होंने 2014 में शो लापतागंज के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी फिर चिडिय़ा घर और कृष्ण कन्हैया जैसे अन्य टीवी सीरियल्स में भी अहम भूमिका निभाई थी।

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म देवरा पर आया नया अपडेट, फिल्म की डबिंग हुई शूरू

देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। जूनियर एनटीआर की इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस एक्शन ड्रामा फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस में जबर्दस्त उत्साह है और वो फिल्म से जुड़े हर बड़े-छोटे अपडेट्स पर निगाहें गड़ाए बैठे हैं। इस फिल्म को लेकर लगातार अपडेट आते रहे हैं। एक बार फिर फिल्म से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। इन दिनों जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा: पार्ट 1 पर तेजी से काम चल रहा है। फिल्म की टीम इसे फैंस के सामने लाने के लिए काफी पसीना बहा रही है, ताकि इसे तय तारीख पर रिलीज किया जा सके। अब इस फिल्म की डबिंग को लेकर एक नया अपडेट आया है, जिसमें इससे संबंधित नई जानकारियां सामने आई हैं। फिल्म में सहायक भूमिका निभाने वाली हिमाजा ने फिल्म के लिए अपने डबिंग सेशन की एक तस्वीर पोस्ट की है। इससे जाहिर है कि फिल्म की डबिंग का काम शुरू हो गया है और साथ ही साध फिल्म की शूटिंग भी तेज गति से आगे बढ़ रही है। देवरा: पार्ट 1 को मशहूर निर्देशक कोर्टला शिवा निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की रिलीज डेट 27 सितंबर, 2024 रखी गई है। फिल्म को तय समय पर रिलीज करने के लिए पूरी टीम जोर शोर से इसे पूरा करने में लगी हुई है। इस बीच फिल्म को लेकर एक और अफवाह तेजी से फैल रही है कि फिल्म के निर्माता जल्द ही एक रोमांटिक गाना भी रिलीज कर सकते हैं।

हालांकि, इसकी कोई भी आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं हुई है। बताते चलें कि कोर्टला शिवा द्वारा निर्देशित देवरा में जूनियर एनटीआर काफी खतरनाक अवतार में नजर आएंगे। शिवा की यह जनता गराज के बाद दूसरी फिल्म है। गौरतलब है कि जनता गराज में भी एनटीआर ने काम किया था। अब देवरा में भी वह खतरनाक एक्शन करते नजर आएंगे। इस फिल्म से बॉलीवुड कलाकार सैफ अली खान और जान्हवी कपूर तेलुगु डेब्यू करने वाले हैं। फिल्म की कहानी समुद्र के रास्ते में होने वाली तस्करी पर आधारित हो सकती है। फिल्म युवसुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा समर्थित है।

सीएम योगी ने 7720 लेखपालों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित मिशन रोजगार कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 7720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सीएम योगी ने नव चयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। इसमें कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ, कोई सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऐसे में ये आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना किसी सिफारिश के प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ही एक गरीब की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपको अपने स्तर पर विशेष कार्य करना है। एक गरीब के जीवन के लिए आपकी ऊर्जा और प्रतिभा लगे, निवेश की संभावनाओं में आपका सकारात्मक सहयोग मिले, जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र के लिए जो समय सीमा तय की गई है उसके अनुसार आम जनमानस और युवाओं को सहयोग प्राप्त हो। विरासत, नामांतरण और पैमाइश से जुड़ी कार्यवाही समय से पूरी हों। लोगों के बीच में आपकी अच्छी छवि बने और लेखपाल के नाम से लोग घबराएं नहीं। कार्यक्रम के दौरा सीएम योगी के समक्ष मिशन रोजगार को लेकर एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। लोकभवन के साथ ही विभिन्न कमिश्नरी में भी कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया गया।

सीएम योगी ने नव चयनित लेखपालों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपका जनता के बीच नजदीकी जुड़ाव होता है। किसी को पट्टे की जमीन देनी है, किसी को वरासत का कार्य करना है, किसी के नामांतरण का कार्य करना है, कृषि को अकृषि घोषित करते हुए निवेश की संभावना को आगे बढ़ाना है, कहीं पर पैमाइश की कार्यवाही को बढ़ाना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक फुट, दो फुट के लिए हिंसक घटनाएं होती हैं। अगर हम समय पर पैमाइश करके सीमांकन कर लें तो कोई विवाद नहीं होगा। कोई दबंग भूमाफिया जबर्दस्ती सरकारी या गरीब की जमीन पर कब्जा कर रहा है तो वहां एंटी भूमाफिया टास्क के साथ जाकर हम बड़ी कार्रवाई करें। कहीं पर निवेश के लिए कोई प्रस्ताव आया है तो उसको समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा दें। बाढ़ जैसी आपदा में समय पर लोगों को राहत दे दें। कृषक दुर्घटना बीमा में कृषक, उसके परिवार के किसी सदस्य या फिर बटाईदार और उसके परिवार के सदस्य की किसी आपदा में मृत्यु होने पर समयबद्ध तरीके से राहत की धनराशि उसके परिवार को मिल जाए। गलत तरीके से कोई भी कार्य न करें और टेक्नोलॉजी का उपयोग करें। राजस्व की पूरी व्यवस्था ही डिजिटाइज हो रही है। लैपटाप और टैबलेट उपलब्ध कराने की कार्यवाही को ट्रेनिंग के समय से ही जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति अगर परंपरागत रूप से ग्राम समाज की आबादी की जमीन पर मकान बनाकर रह रहा है तो उसकी जमीन का मालिकाना हक उसे घरौनी के माध्यम से मिल सके। अब तक 63 लाख से ज्यादा लोगों को हमने यह व्यवस्था दे दी है और हमारा प्रयास है कि इस वर्ष तक सभी 1.25 करोड़ परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध करा देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए 2022 में राजस्व विभाग ने अपना अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को दिया था। चयन की प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोग ने संपन्न की, लेकिन कुछ लोगों की फितरत होती है कि हर अच्छे कार्य में रोड़ा अटकाया जाए। नवचयनित लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण में भी रोड़े अटकाने के कार्य हुए, लेकिन राजस्व विभाग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इसके लिए लड़ा और अंततः सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला अपने पक्ष में करके आज 7720 नवचयनित युवाओं को उनकी आकांक्षा के अनुरूप ये नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद 4700 और नई नियुक्ति के अधियाचन हम भेज चुके हैं और जल्द ही उस प्रक्रिया को भी पूर्ण करने वाले हैं। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही 3837 लेखपाल जो प्रदेश में नियुक्त होने चाहिए, उनकी संख्या पूरी हो जाएगी।

2017 के पहले की तस्वीर सबने देखी है। लेखपालों के आधे पद खाली पड़े थे,क्योंकि भर्ती नहीं होती थी। भर्ती की प्रक्रिया में तमाम होल थे। प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी और पूरे खानदान को जिले आवंटित हो जाते थे। ये वही उत्तर प्रदेश है जिसका युवा बाहर कहीं जाता था तो उसे पहले ही साइड कर दिया जाता था। कुछ जिलों की छवि तो ऐसी बना दी गई थी कि लोग नौकरी की बात तो दूर होटल और धर्मशाला में भी जगह नहीं देते थे। आज युवा कहीं भी जाएगा बड़े सम्मान की निगाहों से देखा जाता है, क्योंकि उन्हें मालूम है कि यह नए उत्तर प्रदेश का नया युवा है, इसकी प्रतिभा का लोहा दुनिया मान रही है। ये जो कार्य हुए हैं, उसने उत्तर प्रदेश को एक पहचान दी है। यह जो नई पहचान बनी है, उसे बरकरार रखने की आवश्यकता है और इसमें पूरी ताकत और ऊर्जा लगानी है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, अध्यक्ष राजस्व परिषद डॉ रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद, राजस्व विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

निवेश और योजनाओं से करोड़ों नौकरियों का सृजन

सीएम योगी ने प्रदेश में मिशन रोजगार को लेकर कहा कि पिछले 7 वर्ष में आपने देखा होगा कि प्रदेश सरकार नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरी इमानदारी और बिना भेदभाव के युवा की योग्यता और उनकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ा रही है। इसी का परिणाम है कि 6 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है और आज वो सभी युवा अलग-अलग क्षेत्र में प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रदेश में एक लाख 55 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की नियुक्ति की गई है, जबकि 1 लाख 54 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों में भी इसी प्रकार की भर्तियों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में अब तक हमारी सरकार 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को धरातल पर उतार चुकी है। हमारे पास अभी लगभग 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव बाकी है, जिन्हें धरातल पर उतारने की कार्यवाही चल रही है। प्रदेश में निवेश का बेहतरीन माहौल बना है, एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहित करने का कार्य हुआ, इन सबसे भी हमने प्रदेश में एक करोड़ 62 लाख युवाओं को अपने ही जनपद में नौकरी की संभावनाएं उपलब्ध कराई हैं। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अपने जनपद और गांव में रोजगार की सुविधा प्राप्त हुई। यही नहीं, प्रदेश ने स्वरोजगार के लिए भी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया, जिससे प्रदेश में 62 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। आज इसी का परिणाम है कि यूपी का अनइंप्लायमेंट रेट तेजी से नीचे गिर रहा है और अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी व स्वरोजगार से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है।

20 जुलाई को पौधरोपण का नया रिकॉर्ड बनाएगा यूपी : योगी

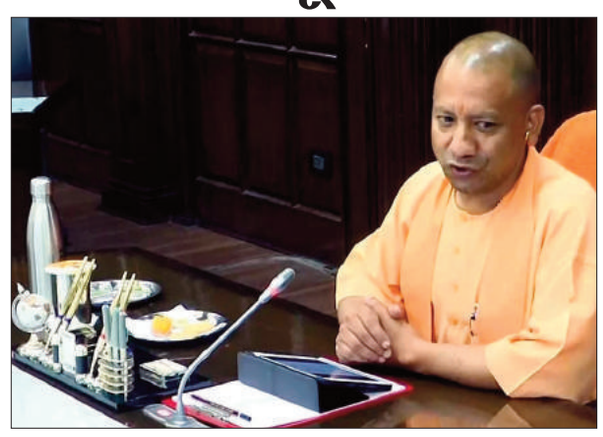

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को इस वर्ष 36.46 करोड़ से अधिक का लक्ष्य मिला है। मुख्यमंत्री जी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आपसी समन्वय से इस लक्ष्य को हर हाल में आगामी 20 जुलाई को पूरा करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेशव्यापी पौधरोपण महाअभियान के लिए विभागवार व जनपदवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य किया जाए। बैठक में उन्होंने प्रदेश सरकार के मंत्रियों व विभिन्न विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पौधरोपण अभियान अब जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। विगत छह वर्ष में यहां 168 करोड़ से अधिक पौधे रोपित किए जा चुके हैं। जिनमें 2017-18 में 5.72 करोड़, 2018-19 में 11.77 करोड़, 2019-20 में 22.60 करोड़, 2020-21 में 25.87 करोड़, 2021-22 में 30.53 करोड़, 2022-23 में 35.49, 2023-24 में 36.16 करोड़ पौधरोपण किए गए। भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा प्रकाशित स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 1.98 लाख एकड़ भूमि में हरित आवरण में वृद्धि हुई है। प्रदेश में आगामी 20 जुलाई को 36.46 करोड़ से अधिक पौधे लगेंगे। सभी मंत्री अपने प्रभार वाले जनपद में उपस्थित रहकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन के साथ मिलकर पौधरोपण करें। इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें। पौधरोपण अभियान की सफलता के लिए पौधों की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 54.20 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। इन पौधों के रोपण के साथ-साथ इनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। पौधरोपण स्थलों की जियो टैगिंग की जाए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सारस की ग्रीष्मकालीन गणना-2024 की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस बार गणना 19918 सारस पाए गए हैं। 2023 में यह संख्या 19522, 2022 में 19188 थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पेड़ लगाओ- पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के लोगो का अनावरण भी किया। साथ ही उन्होंने वृक्षारोपण फ्लिप बुक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक जन सहयोग से प्रदेश के कुल हरित क्षेत्र में सतत वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के कुल हरित क्षेत्र को 2021-22 के 9.23 प्रतिशत से बढ़ाकर 2026-27 तक 15 प्रतिशत तक ले जाने का है। इस लक्ष्य के अनुरूप 175 करोड़ पौधे लगाने और संरक्षित करने होंगे।

दम्पति की आत्महत्या पर अखिलेश यादव का दावा झूठा निकला

परिजनों ने नकारी बेरोजगारी की बात, मिलता था एक लाख वेतन

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और सांसद अखिलेश यादव ने हाल ही में एक युवक की आत्महत्या को लेकर झूठ फैलाया। उन्होंने वाराणसी में फांसी लगा आत्महत्या करने वाले हरीश और उनकी पत्नी संचिता शरण को लेकर यह झूठे दावे किए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि 28 वर्षीय हरीश बागेश ने अपनी नौकरी जाने और दूसरी नौकरी न मिलने के दबाव के कारण आत्महत्या की है। यादव ने भाजपा को इसमें घसीटते हुए दावा किया कि पति-पत्नी की आत्महत्या उत्तर प्रदेश में भाजपा की विफलता का प्रमाण है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, नौकरी छूटने और फिर न लग पाने के दबाव में पति की आत्महत्या की सूचना मिलने पर पत्नी द्वारा भी आत्महत्या करने का दुखद समाचार मिला। भाजपा सरकार की नाकामी का इससे बड़ा कोई और हलफनामा चाहिए क्या। भाजपा को सिर्फ़ सत्ता की राजनीति से मतलब है, जनता के दुख-दर्द, बेरोजगारी या महंगाई से नहीं। भाजपा राज में हताश जनता से विनम्र आग्रह है कि ऐसा कोई भी क़दम न उठाएं क्योंकि आत्महत्या कोई समाधान नहीं है, समाधान है भाजपा सरकार का बदलना।

संचिता शरण के पिता डॉ. राम शरण ने अखिलेश यादव के दावों को झूठा और राजनीति प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि सपा नेता दंपत्ति की आत्महत्या पर राजनीति कर रहे हैं। शरण ने कहा कि हरीश मुंबई में नौकरी करते थे और उनकी सैलरी एक लाख रुपए थी। उन्होंने स्वयं हरीश को गोरखपुर वापस बुलाया था, क्योंकि राम शरण और उनकी पत्नी (संचिता के माता-पिता) यहां अकेले थे और उनका बेटा इंग्लैंड में रहता है। उन्होंने कहा कि यह अखिलेश यादव की राजनीति है। इस घटना का बेरोजगारी से कोई लेना-देना नहीं है।

हाथरस हादसा : मायावती ने एसआईटी की जांच पर उठाए सवाल

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस की घटना को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने एक बार फिर से बाबा सूरजपाल के खिलाफ आवाज उठाई है। साथ ही एसआईटी द्वारा सरकार को पेश रिपोर्ट पर भी सवालिया निशान खड़ा किया। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, यूपी के जिला हाथरस में सत्संग भगदड़ कांड में हुई 121 निर्दोष महिलाओं और बच्चों की दर्दनाक मौत सरकारी लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है। घटना की एसआईटी द्वारा सरकार को पेश की गई जांच रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं होकर राजनीति से प्रेरित ज्यादा लगती है, यह अति-दुखद है।

मायावती ने कहा, इस जानलेवा दर्दनाक घटना के मुख्य आयोजक भोले बाबा की भूमिका के सम्बंध में एसआईटी की खामोशी भी लोगों में चिन्ता का कारण बन रही है।

साथ ही, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के बजाय उसे क्लीनचिट देने का प्रयास खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो। इससे पहले 6 जुलाई को भी मायावती ने बाबा के खिलाफ आवाज उठाई थी। साथ ही ऐसे बाबाओं से दूर रहने की सलाह दी थी। मायावती ने कहा था कि देश में गरीबों, दलितों व पीड़ितों आदि को अपनी गरीबी व अन्य सभी दुःखों को दूर

करने के लिए हाथरस के भोले बाबा जैसे अनेकों और बाबाओं के अंधविश्वास और पाखंडवाद के बहकावे में आकर अपने दुःख व पीड़ा को और नहीं बढ़ाना चाहिए, यही सलाह है।

मायावती ने कहा था कि बल्कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बताए हुए रास्तों पर चलकर इन्हें सत्ता खुद अपने हाथों में लेकर अपनी तकदीर खुद बदलनी होगी अर्थात् इन्हें अपनी पार्टी बीएसपी से ही जुड़ना होगा, तभी ये लोग हाथरस जैसे कांडों से बच सकते हैं जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हुई। उन्होंने कहा था कि हाथरस कांड में, बाबा भोले सहित अन्य जो भी दोषी हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे अन्य और बाबाओं के विरुद्ध भी कार्रवाई होनी जरूरी। इस मामले में सरकार को अपने राजनीतिक स्वार्थ में ढीला नहीं पड़ना चाहिए ताकि आगे लोगों को अपनी जान न गंवानी पड़े।

मायावती पहली ऐसी नेता हैं, जिन्होंने बाबा के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई है। मायावती को छोड़कर वोटबैंक खिसकने की वजह से अभी तक किसी भी राजनेता ने बाबा के खिलाफ दो शब्द भी नहीं बोले हैं। जहां योगी सरकार ने इस पूरे मामले में जांच की बात कहकर पल्ला छाड़ लिया है तो वहीं राहुल-अखिलेश ने हाथरस हादसे के लिए सरकार पर सवाल खड़े किए हैं, लेकिन सूरजपाल बाबा के खिलाफ आवाज नहीं उठाई है। जानकार कहते हैं, नेताओं के बाबा के खिलाफ आवाज न उठाना एक वोटबैंक सबसे बड़ा कारण है। यही वजह है कि यूपी पुलिस की एफआईआर में बाबा का नाम भी शामिल नहीं है।

भ्रष्टाचारी और गैर जिम्मेदार अफसरों और कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार में लिप्त और पद का दुरुपयोग करने वाले सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों पर फिर एक बार सीएम योगी का चाबुक चला है। जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत सिरसागंज तहसील में गलत तरीके से भूमि का विक्रय करने, संदिग्ध रूप से अपने करीबियों को जमीन दिलाने के मामले में कड़ा एक्शन लेते हुए सरकार ने यहां उप जिलाधिकारी, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल और पेशकार को सस्पेंड कर दिया है। जांच के लिए गठित कमेटी की अनुशंसा के बाद यह कार्रवाई की गई है। शासन की ओर से डीएम को इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर कराने के भी निर्देश दिए

गए हैं।

प्रदेश सरकार के सतर्कता विभाग की ओर से इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं। उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद विवेक राजपूत द्वारा सिरसागंज तहसील में तैनाती के दौरान जून 2024 में ग्राम रुधैनी की जमीन से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए अवर न्यायालय द्वारा पारित आदेश को खारिज कर संदिग्ध रूप से आदेश पारित किया गया। आदेश के महज 5 दिन के अंदर अनियमित तरीके से पद का दुरुपयोग करते हुए भूमि अपने गृह जनपद के निवासियों एवं अन्य सगे संबंधियों को दिला दी गई। इस मामले में प्रथम दृष्टया उत्तरदायी पाते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने विवेक राजपूत को तत्कालीन प्रभाव से निलंबित कर दिया तथा विभागीय कार्रवाई की संस्तुति कर दी है। इसी प्रकार, प्रभारी तहसीलदार/नायब तहसीलदार नवीन कुमार पर भी पद का दुरुपयोग कर राजस्व अधिकारियों की मिली भगत से जमीन हड़पने एवं सरकारी सेवक आचरण नियमावली के उल्लंघन पर कार्यालय राजस्व परिषद ने कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया। लेखपाल अभिलाष सिंह को भी जमीन हड़पने व फसल बर्बादी के संबंध में की गई शिकायत की जांच में दोषी पाए जाने पर उपजिलाधिकारी द्वारा निलंबित किया गया और विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के सतर्कता विभाग की ओर से उपजिलाधिकारी विवेक राजपूत, नायब तहसीलदार नवीन कुमार, राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह, लेखपाल अभिलाष सिंह और उपजिलाधिकारी के रीडर प्रमोद शाक्य की आय से अधिक संपत्ति की जांच के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, शासन की ओर से इन सभी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ विधिक कार्रवाई (एफआईआर) किए जाने की संस्तुति की गई है।

मेदवेदेव ने सिनर से बदला लिया, पाओलिनी ने इटली के लिए रचा इतिहास

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां) । पांचवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर को विम्बलडन में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हरा दिया जबकि महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी ने उलटफेर भरी जीत के साथ पहली बार ग्रास कोर्ट के ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में 2-0 से आगे रहने के बाद पांच सेटों में पराजित पांचवीं वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सिनर पर पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(7), 6-4, 7-6(4), 2-6, 6-3 से शानदार जीत दर्ज की।

मेदवेदेव ने 55 विनर लगाकर वर्ल्ड नंबर 1 को सीज़न की चौथी हार दी। अपनी चार घंटे की रोमांचक जीत के साथ, मेदवेदेव ने जोड़ी के करियर मुकाबले में 7-5 का सुधार किया। एटीपी टूर ने अपनी वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में मेदवेदेव के हवाले से कहा, मुझे पता था कि अगर मैं जानिक को हराऊंगा तो यह एक कठिन मैच होगा।वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे आप आसानी से हरा सकें। एक समय वह बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था लेकिन उसने बेहतर खेलना शुरू कर दिया और मुझे खुशी है कि मैं उच्च स्तर पर बने रहने में कामयाब रहा। कुछ बेहतरीन अंक थे, यह एक शानदार मैच था और मैं जीत कर खुश हूं और मैं आगे देख रहा हूं।

अपने नौवें प्रमुख सेमीफाइनल (विंबलडन में लगातार दूसरे) में, एटीपी रैंकिंग में नंबर 5 खिलाड़ी 2021 यूएस ओपन के बाद अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब का पीछा कर रहा है। मेदवेदेव का सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त स्पैनियार्ड कार्लोस अल्काराज या 12वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टॉमी पॉल से मुकाबला होगा।

उधर महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी लगातार दूसरे बड़े फाइनल की राह पर बनी हुई हैं। वह एम्मा नवारो को हराकर विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। पाओलिनी ने नंबर 19 वरीयता प्राप्त नवारो पर 6-2, 6-1 से शानदार जीत दर्ज की और पहली बार ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंची।

सेंटर कोर्ट पर पाओलिनी की 58 मिनट की जीत से पहले इतालवी महिलाएं विंबलडन में सभी चार क्वार्टर फाइनल हार गई थीं। क्रोएशिया की डोना वेकिच ने न्यूजीलैंड की क्वालीफायर लुलु सन को 5-7, 6-4, 6-1 से हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पिछड़ने के बाद जीत हासिल की।

अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में और विंबलडन में पहली बार, विश्व नंबर 37 वेकिच को 123वीं रैंकिंग वाली सुन को मात देने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी, जिसका लक्ष्य विंबलडन में महिला एकल सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए केवल दूसरा क्वालीफायर बनना था। 28 वर्षीय वेकिच ने अंततः नंबर 1 कोर्ट पर 2 घंटे और 8 मिनट के खेल के बाद 23 वर्षीय सन को पीछे छोड़ दिया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बनने की दौड़ में शामिल रोजारियो और नौशाद

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम को अब आने वाले समय में नया कोच मिल सकता है। इगोर स्टिमक को कोच पद से हटाये जाने के बाद से ही अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) नये कोच की तलाश कर रहा है। जिसके बाद उसे दुनिया भर से कई प्रस्ताव मिले हैं। इस पद के लिए मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा ने भी आवेदन किया है। इस पद के लिए 100 आवेदनकर्ता यूएफा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ (कोनमेबोल) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं। इसके अलावा मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने में सहायता करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एक अधिकारी के अनुसार रोजारियो और मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने आवेदन किया है और वे एएफसी प्रो लाइसेंस धारक भी हैं। इसके अलावा एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है। प्रस्तावों में शामिल भारतीय उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे। इससे पहले एआईएफएफ उपाध्यक्ष एनए हैरिस की अगुआई वाली समिति आवेदनों की समीक्षा करेगी। समिति में तकनीकी, लीग, प्रतियोगिता, वित्त और विकास समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी शामिल होगा। एआईएफएफ ने कहा है कि इस महीने के अंत तक पुरुष टीम के नए कोच का नाम तय कर दिया जाएगा।

कोच के तौर पर बेहतर परिणाम देने के पूरे प्रयास करुंगा : गंभीर

मुम्बई । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बने गौतम गंभीर ने कहा है कि वह टीम के लिए बेहतर परिणाम देने अपनी ओर से पूरे प्रयास करेंगे। गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह टीम का नया मुख्य कोच बनाया गया है। गंभीर ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि भारत मेरी पहचान है और अपने देश की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं टीम के साथ जुड़कर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं, भले ही अब में खिलाड़ी की जगह पर कोच की भूमिका में हूं पर मेरा लक्ष्य हमेशा की तरह ही वही है, हर भारतीय को गर्व का अनुभव कराना है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम एक अरब 40 करोड़ लोगों की उम्मीदें लेकर चल रही है और मेरा प्रयास इसे पूरा करना रहेगा। गौरतलब है कि गंभीर काफी सख्त प्रकार के कोच माने जाते हैं। अब देखना होगा कि टीम के मुख्य कोच की भूमिका में वह कितने सफल होते हैं।

जेसविन और अंकिता अब पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे

नई दिल्ली । एथलीट जेसविन एल्ड्रिन और अंकिता ध्यानी अब पेरिस ओलंपिक में भाग लेते हुए नजर आयेंगे। जेसविन को पुरुषों की लंबी कूद और अंकिता को महिला वर्ग में पांच हजार मीटर दौड़ में विश्व रैंकिंग में जगह मिलने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में जगह मिल गयी है। इन दोनों एथलीटों के टीम में शामिल होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के सदस्यों की संख्या बढ़कर अब 30 पहुंच गयी है। विश्व एथलेटिक्स ने भी इन दोनो को शामिल किये जाने की पुष्टि की है। एल्ड्रिन को पुरुषों की लंबी कूद में 31 वां स्थान मिला है। उन्हें शीर्ष 32 एथलीटों में जगह मिलने के कारण ही पेरिस के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। दूसरी ओर महिलाओं की पांच हजार मीटर में अंकिता को 42 वां स्थान मिला, ये इस स्पर्धा में कटऑफ रैंक के अंदर है।

भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रन से हराया

5 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी20 मैच में 23 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. भारत की ओर से रखे गए 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 6 विकेट पर 159 रन बनाकर पवेलियन लौट गई. हरारे स्पोर्ट्स क्लब पर खेले गए इस मैच में भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 66 रन बनाए जबकि ऋतुराज गायकवाड़ एक रन से अपना अर्धशतक चूक गए. ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 36 रन के साथ वापसी की. भारतीय टीम इस मैच में एक या दो नहीं बल्कि पूरे चार ओपनर्स के साथ उतरी थी. यशस्वी, गिल, अभिषेक और ऋतुराज इस मैच में एक साथ उतरे थे. सीरीज का चौथा टी20 मैच 13 जुलाई को को इसी वेन्यू पर खेला जाएगा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही. मेजबान टीम ने 39 के स्कोर पर अपने 5 विकेट गंवा दिए। ओपनर वेस्ले मधवेरे एक रन बनाकर आउट हुए वहीं मारुमानी 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ब्रायन बेनेट ने 4 रन का योगदान दिया। कप्तान सिकंदर रजा 15 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे वहीं जोनाथन कैम्बेल ने एक रन बनाए। भारत को पहली सफलता आवेश खान ने दिलाई वहीं मारुमानी को शिवम दुबे के हाथों कैच कराकर खलील ने जिम्बाब्वे को दूसरा झटका दिया. विकेटकीपर क्लाइव मडांडे 37 रन बनाकर आउट हुए. वही डियोन मायर्स ने सबसे ज्यादा नाबाद 65 रन बनाए वहीं मासाकाद्जा 18 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट चटकाए जबकि आवेश खान ने 2 विकेट लिए।

गिल ने 66 रन की पारी खेली

कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक से भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 4 विकेट पर 182 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज गिल ने 49 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों से 66 रन की पारी खेलने के अलावा यशस्वी जायसवाल (36) के साथ पहले विकेट के लिए 67 जबकि ऋतुराज गायकवाड़ (49) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी करके टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

रजा-मुजरबानी ने 2-2 विकेट चटकाए

जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने 24 जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी ने 25 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए. गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और जायसवाल के साथ पावर प्ले में बिना विकेट खोए 55 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने ऑफ स्पिनर ब्रायन बेनेट के पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा जबकि गिल ने अगले ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा पर दो चौके और एक छक्का जड़ा।

जायसवाल को 29 के स्कोर पर मिला जीवनदान

जायसवाल ने तेज गेंदबाज तेंडई चतारा की लगातार गेंदों पर भी चौका और छक्का मारा. जायसवाल को 29 रन के निजी स्कोर पर चतारा की गेंद पर स्वीपर कवर पर ताडिवनाशे मरुमानी ने जीवनदान दिया. वह हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए और अगले ओवर में रजा की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर बेनेट को कैच दे बैठे. उन्होंने 27 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और दो छक्के मारे।

पिछले मैच के शतकवीर अभिषेक 10 रन बनाकर हुए आउट

पिछले मैच में शतक जड़ने वाले अभिषेक शर्मा भी सिर्फ 10 रन बनाने के बाद रजा की गेंद पर मरुमानी को कैच दे बैठे. गिल और गायकवाड़ ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया. दोनों ने 13वें ओवर में वेस्ली माधेवेरे पर छक्के मारे. इसी ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा हुआ. गिल ने चतारा पर चौके के साथ 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

गिल और गायकवाड़ ने 17वें ओवर में रजा पर भी छक्के जड़े. गिल हालांकि इसके बाद मुजरबानी की उछाल लेती गेंद को हवा में लहराकर रजा को कैच दे बैठे जबकि गायकवाड़ भी इस तेज गेंदबाज के अंतिम ओवर में माधेवेरे को कैच देकर अर्धशतक से एक रन से चूक गए. गायकवाड़ ने 28 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के मारे।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने संन्यास से वापसी करने भी तैयार हैं वार्नर

सिडनी, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेयिा के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संन्यास से वापसी करने तैयार हैं। वार्नर ने कहा है कि वह इस एक आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार हैं। वार्नर ने टी20 विश्वकप के बाद इस प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

इस खिलाड़ी ने प्रशंसकों और अपने साथियों के समर्थन के लिए उनका अभार जताया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने की इच्छा जताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि मेरे करियर का समय अंतरराष्ट्रीय खेलने में लगा है। साथ ही कहा कि सभी प्रारूपों में 100 से अधिक खेलना मेरा सपना रहा है जिससे संभव बनाने में मुझे सभी का समर्थन मिलन और मैं उनके प्रति

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने संन्यास से वापसी करने भी तैयार हैं वार्नर

आभारी हूं। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी और मेरी बेटियां ने खेल के दौरान मेरा पूरा साथ दिया। जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं। कोई भी बाहरी व्यक्ति कभी नहीं जान पाएगा कि हमने क्या-क्या सहा है। मुझे उम्मीद है कि सभी क्रिकेट प्रशंसकों का मैंने अपने खेल से मनोरंजन किया है और टेस्ट क्रिकेट को तेजी से खेलकर बदलने का प्रयास किया है। साथ ही कहा कि हम प्रशंसकों के बिना वह नहीं कर सकते जो हमें पसंद है, इसलिए धन्यवाद। मैं कुछ समय तक फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और इसके बाद अगर मुझे अवसर मिलता है तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को तैयार हूं। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीमें सितंबर में अपने सत्र की शुरुआत करेंगी। इसमें टीम पहली बार वार्नर के बिना ही उतरेगी। उसे सबसे पहले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ तीन-तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टेस्ट क्रिकेट शीर्ष टीमों के बीच ही खेला जाये टी20 के जरिये खेल को आगे बढ़ायें : शास्त्री

मुम्बई, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि टी20 से खेल को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया जाना चाहिये। वहीं टेस्ट क्रिकेट केवल 6 या 7 देशों के बीच ही होना चाहिये। शास्त्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि आप 2 स्तर रख सकते हैं पर टेस्ट क्रिकेट में रुचि बनाए रखने के लिए शीर्ष छह टीमों को ही खेलते रहने दें। आप इस खेल को टी20 जैसे अन्य प्रारूपों के जरिये दुनिया भर में लोकप्रिय बना सकते हैं पर इसके लिए खेल का स्तर अच्छा होना चाहिये क्योंकि अगर आपके पास गुणवत्ता नहीं है।

तो रेटिंग गिरती जाएगी। अगर आपके पास 12 टेस्ट मैच टीमें हैं तो इसे छह या सात तक ही सीमित करें। जो बढ़िया खेले ऊपर आए जो खराब खेले वह नीचे चली जाए और उससे आगे खेलने का अवसर नहीं मिले।

वहीं एमसीसी अध्यक्ष मार्क निकोलस ने कहा कि टी20 क्रिकेट से आने वाला पैसा खेल को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका हो सकता है। टी20 क्रिकेट ऐसा प्रारुप है जो हर कोई चाहता है। यह वह जगह है जहां नया बाजार है, जहां प्रशंसक हैं और जहां पैसा है। क्रिकेट में पैसे के आने को बाजारीकरण नाम दिया जा रहा है पर ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि यह खेल को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ के यादगार टेस्ट डेब्यू का हवाला देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि युवाओं पर इसके प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को संरक्षित किया जाए।

मेसी ने दागा 109वां गोल, कनाडा को हराकर अर्जेंटीना कोपा अमेरिका के फाइनल में

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी) , 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की।

लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज ने 22वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की। मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली।

मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं। वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैं जो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं। ईरान के अल देई के नाम 1993 से 2006 तक 108 या 109 गोल दर्ज हैं। इक्वाडोर के खिलाफ 2000 में किए गए उनके गोल को लेकर विवाद है क्योंकि इस मैच के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को लेकर

मतभेद हैं।

अर्जेंटीना ने यह जीत अपने स्वतंत्रता दिवस पर हासिल की जिससे उसका अजेय अभियान 10 मैच तक पहुंच गया है। अर्जेंटीना होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

ईशान ने बताया घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण

मुम्बई, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

पिछले साल हुए दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने अब रणजी ट्रॉफी के अलावा घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण बताया है। ईशान ने कहा, तब मैंने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला लिया था। इसलिए मुझे लगा कि यह सामान्य बात है।

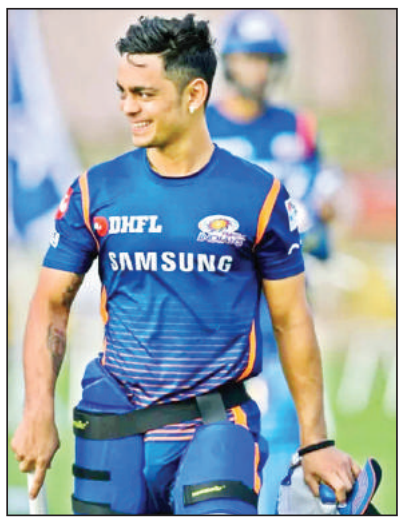

क्रिकेट बोर्ड का भी नियम है कि अगर कोई खिलाड़ी टीम में वापसी करना चाहता है तो उसे घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने साथ ही कहा, यह मेरे लिए इतना आसान भी नहीं था। इसका कारण है कि तब मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर ब्रेक लेने जा रहा था। ऐसे में कोई कैसे घरेलू क्रिकेट खेल सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेकर घरेलू क्रिकेट में मैच खेलने की बातअजीब है। इससे तो अच्छा ये होता कि मैं ब्रेक ही ना लेता और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही खेलते रहता। ईशान ने आगे कहा, यह सारी बातें इतनी सहज नहीं थी, मेरे लिए बहुत ही निराशाजनक था। तब मैंने सोचा नहीं था कि हालात ऐसे होंगे। ईशान के घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण बीसीसीसी नाराज था और उसने उसे केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं दिया। इसके अलावा किसी भी सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दी। ऐसे में ईशान के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों को अपने अपने राज्य की टीम की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलने को कहा था। इसके बाद भी ईशान ना तो रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे और ना ही किसी और टूर्नामेंट में झारखंड की टीम के लिए खेलते नजर आए। इससे पहले ईशान ने एकदिवसीय में बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था और उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जा रहा था। इसके बाद भी एक गलती के कारण वह टीम से बाहर हो गये।

द्रविड़ ने अतिरिक्त बोनस लेने से इंकार किया, बाकि कोचिंग स्टाफ जितनी राशि ही लेंगे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ सही मायनों में एक जेंटलमैन हैं। क्रिकेटर के अलावा मुख्य कोच के तौर पर भी वह अपने काम में पूरी तरह से समर्पित रहें हैं। अपनी सादगी और विनम्रता के लिए वह जाने जाते हैं। सफलता का श्रेय स्वयं न लेकर दूसरों को देना उनकी आदत रही है।

अब मुख्य कोच पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने अपने व्यवहार से यही बात साबित की है। द्रविड़ ने कोच पद छोड़ते ही अतिरिक्त बोनस लेने से मना कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्वकप विजेता टीम को 125 करोड़ रुपए का इनाम दिया है। यह इनामी राशि खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के 42 सदस्यों के बीच बंटेगी। 125 करोड़ रुपए में से टीम के सभी 15 सदस्यों और कोच राहुल द्रविड़ को 5-5 करोड़ मिलने थे और कोचिंग स्टाफ के बाकी सदस्यों को 2.5-2.5 करोड़ रुपए मिलने थे। ऐसे में द्रविड़ ने अतिरिकत बोनस लेने से मना कर दिया है। द्रविड़ ने कहा है कि कोचिंग स्टाफ के बराबर ही इनामी राशि की उन्हें दी जाये। द्रविड़ का कहना है कि उन्हें बाकि स्टाफ की तरह ही 2.5 करोड़ रुपये ही दिये जाये।

संपादकीय

ईरान के सुधारवादी राष्ट्रपति

उदारवादी सुधारवादी मसूद पेजेशकियान का ईरान के राष्ट्रपति पद के लिए जीतना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। ईरान में दोबारा चुनाव कराना पड़ा, क्योंकि प्रथम चरण में किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले थे। दूसरे चरण में मसूद ईरान का नया और नरम चेहरा थे, जो समग्र तौर पर सुधारों के पक्षधर थे। उनके प्रतिपक्ष में ईरान का कट्टरवाद था। अब मसूद की जीत हुई है, तो माना जा रहा है कि अभी तक बंद, कट्टरपंथी और रूढ़िवादी ईरान के नए आयाम खुलेंगे। ईरान सांस्कृतिक, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और टकरावों से घिरा देश रहा है। अधिकतर पड़ोसी अरब देशों और पश्चिम से ईरान के टकरावपूर्ण और लंबे तनाव के समीकरण आज भी हैं। ईरान की जनता ने उदारवादी, सुधारवादी, नरम राष्ट्रपति का चुनाव किया है। साफ मायने हैं कि ईरान अब शेष दुनिया के साथ अमन-चैन के रिश्ते चाहता है, इंटरनेट को स्वतंत्र और मुक्त करने का पक्षधर है और खासकर औरतों पर से सामाजिक पाबंदियों और बंदिशों को उठाना चाहता है। दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली की ईरान के भीतर और विदेशों के संदर्भ में नीतियां 'कट्टरवादी' थीं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद के प्रतिपक्ष की सोच भी कट्टरपंथी थी। प्रतिपक्षी नेता जेल में भी रहे थे, लेकिन मसूद ने अपने प्रचार के लिए जो गीत रचा था, उसका सारांश यह था कि गलियों में नाचो, चुंबन लेते वक्त मत डरो और मेरी बहन, तुम्हारी बहन और हमारी बहन... ! उसके उलट प्रतिपक्षी ने ईरान की औसत औरत पर कड़े नियंत्रणों की पैरवी की, ताकि परिवार नामक संस्थान की पवित्रता बरकरार रह सके। राष्ट्रपति मसूद ने संकेत दिए हैं कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में बदलावों के अध्याय जोड़े जाएंगे। उन्होंने लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया और ईरान के लोगों की चिंताओं को ध्यान से सुनने का वायदा दोहराया। सामाजिक स्तर पर सुधार किए जाएंगे। ईरानी औरत की उम्मीदें जगी हैं, लेकिन ईरान का इजरायल-विरोध जारी रहेगा। ईरान गाजा पट्टी, लेबनान, यमन का साथ देता रहेगा। ईरान पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तनावपूर्ण सरहदों को नए आकार देने की भूमिका निभाते हुए काबुल और रावलपिंडी के बीच संतुलन स्थापित करना चाहता है। यह भूमिका ईरान का राष्ट्रीय सिद्धांत भी है। बहरहाल वहां की आर्थिक जरूरतों के मद्देनजर राष्ट्रपति मसूद चाहते हैं कि अमरीका अपनी पाबंदियां उठाए। उस संदर्भ में ईरान के रहस्यमयी 'परमाणु कार्यक्रम' का जो गतिरोध अमरीका के साथ रहा है, उसका समाधान शीघ्र ही निकालना होगा। ईरान की रूस और चीन के साथ जो सामरिक साझेदारी है, उस पर भी अमरीका को आश्वस्त करना होगा। अमरीका समेत पश्चिमी देशों के साथ ईरान के तनावपूर्ण संबंध राष्ट्रपति मसूद की सबसे गंभीर चुनौती है। जहां तक भारत-ईरान संबंधों का सवाल है, उसकी बुनियाद कच्चा तेल है। भारत के लिए ईरान कभी सबसे बड़ा तीसरा, तो कभी दूसरा देश रहा है, जो कच्चा तेल सप्लाई करता रहा है। बुनियादी तौर पर ईरान तेल के मामले में भारत का बहुत बड़ा स्रोत रहा है। चूंकि अमरीका ने ईरानी तेल के आयात पर पाबंदी चस्पा कर दी थी, लिहाजा उसके प्रभाव में भारत ने भी वित्त वर्ष 2019 में ईरान से कच्चा तेल खरीदना बंद कर दिया था। अब ईरान 90 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल चीन को भेज रहा है। भारत ने रूस से इतनी मात्रा में कच्चे तेल का आयात किया है कि रूस की ढहती अर्थव्यवस्था फिर से खिलने लगी है। अमरीका और यूरोपीय देशों की आर्थिक पाबंदियों से रूस को भारत ने धराशायी नहीं होने दिया। ईरान के साथ भी भारत के पुराने सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। ईरान और अमरीका के बीच अमन-चैन के संबंध बनते हैं, तो वे भारत के लिए बेहद सुखद साबित हो सकते हैं। यदि ट्रंप दोबारा अमरीका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो ईरान के संदर्भ में कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं। बहरहाल भारत को मसूद-युग में नई संभावनाओं को लपकना चाहिए।

> ईरान में दोबारा चुनाव कराना पड़ा, क्योंकि प्रथम चरण में किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले थे। दूसरे चरण में मसूद ईरान का नया और नरम चेहरा थे, जो समग्र तौर पर सुधारों के पक्षधर थे। उनके प्रतिपक्ष में ईरान का कट्टरवाद था। अब मसूद की जीत हुई है, तो माना जा रहा है कि अभी तक बंद, कट्टरपंथी और रूढ़िवादी ईरान के नए आयाम खुलेंगे। ईरान सांस्कृतिक, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और टकरावों से घिरा देश रहा है। अधिकतर पड़ोसी अरब देशों और पश्चिम से ईरान के टकरावपूर्ण और लंबे तनाव के समीकरण आज भी हैं। ईरान की जनता ने उदारवादी, सुधारवादी, नरम राष्ट्र पति का चुनाव किया है। साफ मायने हैं कि ईरान अब शेष दुनिया के साथ अमन-चैन के रिश्ते चाहता है, इंटरनेट को स्वतंत्र और मुक्त करने का पक्षधर है और खासकर औरतों पर से सामाजिक पाबंदियों और बंदिशों को उठाना चाहता है। दिवंगत राष्ट्र पति इब्राहिम रईसी और उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली की ईरान के भीतर और विदेशों के संदर्भ में नीतियां 'कट्टरवादी' थीं।

विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप हो इस वर्ष का बजट

प्रह्लाद सबनानी

> आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 का पूर्णकालिक बजट माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारतीय संसद में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जा रहा है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी नीतियों का अनुसरण करते हुए अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। परंतु, हाल ही के वर्षों में पूंजीवादी नीतियों के अनुसरण के कारण, विशेष रूप से विकसित देशों को, आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अतः स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बच्चे का लालन-पालन करना होता है, जिसके कारण बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बच्चे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अतः इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक

नीतियों ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अतः बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है। भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं पूरे विश्व के आर्थिक पटल पर भारत का डंका बजा करता था। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत के आसपास बनी रही है। उस समय पर भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित आर्थिक नीतियों का अनुपालन किया जाता था। मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण का बोझ, वित्तीय घाटा, बुजुर्गों को समाज पर बोझ समझना, बच्चों का हिंसक होना, सामाजिक तानाबाना छिनभिन्न होना आदि प्रकार की समस्याएं नहीं पाई जाती थीं। समाज में समस्त नागरिक आपस में भाईचारे का निर्वहन करते हुए खुशी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। प्राचीन काल में भारत के बाजारों में विभिन्न वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके चलते मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होती थी। ग्रामीण इलाकों में कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे जहां खाद्य सामग्री एवं अन्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता रहती थी, कभी किसी उत्पाद की कमी नहीं रहती थी जिससे वस्तुओं के दाम भी नहीं बढ़ते थे। बल्कि, कई बार तो वस्तुओं की बाजार कीमत कम होती दिखाई देती थी क्योंकि इन वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति, मांग की तुलना में अधिक रहती थी। माननीय वित्तमंत्री महोदय को भी देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए बाजारों में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए न कि ब्याज दरों को बढ़ाकर बाजार में वस्तुओं की मांग को कम किए जाने का प्रयास किया जाए। विकसित देशों द्वारा अपनाई गई आधुनिक अर्थशास्त्र की यह नीति पूर्णत असफल होती दिखाई दे रही है और इतने लम्बे समय तक ब्याज दरों को ऊपरी स्तर पर रखने के बावजूद मुद्रा स्फीति की दर वांछनीय स्तर पर नहीं आ पा रही है। भारत को इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखानी चाहिए एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत को बाजार में वस्तुओं की मांग कम करने के स्थान पर वस्तुओं की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात आपूर्ति पक्ष पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे मुद्रा स्फीति तो कम होगी ही परंतु साथ ही अर्थव्यवस्था में विकास की दर भी और तेज होगी क्योंकि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ते रहने से विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां बढ़ेंगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। परंतु यदि वस्तुओं की मांग में कमी करते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के प्रयास होंगे तो उत्पादों की मांग में कमी होने के चलते उत्पादों का निर्माण कम होने लगेगा, विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां कम होंगी एवं देश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ेगी। मांग में कमी करने के प्रयास सम्बंधी सोच ही अमानवीय है। इसी प्रकार, प्राचीन भारत में ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र के साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया जाता था। कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे, इन कृषि उत्पादों के साथ ही इन कुटीर एवं लघु उद्योगों में निर्मित उत्पाद भी बेचे जाते थे। अतः ग्रामीण इलाकों से शहरों की पलायन नहीं होता था तथा नागरिकों को रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही उपलब्ध हो जाते थे। आज की परिस्थितियों के बीच कृषि क्षेत्र तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण इलाकों में ही रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो सकें। जनता पर करों के बोझ को कम करने के सम्बंध में भी विचार होना चाहिए। भारत के प्राचीन शास्त्रों में कर सम्बंधी नीति का वर्णन मिलता है जिसमें यह बताया गया है कि राज्य को जनता पर करों का बोझ उतना ही डालना चाहिए जितना एक मधुमक्खी फूल से शहद निकालती है। अर्थात, जनता को करों का बोझ महसूस नहीं होना चाहिए। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 वर्ष के लिए प्रस्तुत किए जाने बजट में भी आवश्यक वस्तुओं पर लागू करों की दरों को कम करने के प्रयास होने चाहिए।

दृष्टि कोण

खिलाड़ियों को प्रशिक्षण-संसाधनों की जरूरत

हमारा देश 'विचित्र किंतु सत्य' की पराकाष्ठा पर सदैव खरा उतरता आया है। क्षेत्र चाहे कोई भी क्यों न हो, इसे देवभूमि का प्रताप समझें या देश की माटी का हुनर, भाव चाहे कोई कुछ भी समझे, मगर असीमित संसाधनों व प्रतिभाओं से परिपूर्ण इस देश को पूरा विश्व समुदाय संज्ञान में लेने लगा है। लेकिन विडंबना यह है कि सब कुछ हो जाने के बाद उन प्रतिभाओं को पूछा जाता है कि तुम्हें सुविधाओं का अभाव तो नहीं है। फिर उन्हें शाबाशी दी जाती है, पीठ थपथपाई जाती है और पुरस्कारों की वर्षा की जाती है। देश-दुनिया में प्रशंसा का एक दौर चल पड़ता है। इन सबके पीछे वो खिलाड़ी व उनके प्रशिक्षक होते हैं, जिन्हें शुरुआती दौर में कोई नहीं पूछता। अगर पूछता है तो देश-प्रदेश के लिए मेडल लाने के बाद, मगर तब तक हजारों खेल प्रतिभाएं दम तोड़ चुकी होती हैं। आखिर कब तक यह विडंबना खिलाडियों का पीछा करती रहेगी? कुछ एक समर्थवान खेल संघों को छोडक़र बाकी सब खेलों में खिलाड़ी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बावजूद जी-जान लगाकर कभी सफल तो कभी असफल भी रहते हैं, मगर हिम्मत नहीं हारते। बल्कि स्वयं के विश्वास, हौसले व कुछ कर पाने की भावना के बूते अपने प्रयास जारी रखते हैं। सभी खेलों को बढ़ावा देने वाले व आवश्यक खेल संसाधनों की पूरे देश में कमी है। कोई भी इस ओर ध्यान देना क्यों आवश्यक नहीं समझता? क्योंकि सबको एक आदत सी हो गई है कि जब कोई खिलाड़ी या टीम प्रदेश या देश का नाम रोशन कर देगी तो खुशी के लम्हों में उनकी पीठ थपथपा देंगे, सभी खुश तो बात खत्म। मगर खेल प्रतिभाओं से परिपूर्ण इस देश में कब तक एक पारदर्शी खेल व संसाधनयुक्त नीति ग्रामीण स्तर तक पहुंच पाएगी? देश की खेल योजनाएं तो सभी जानते हैं, मगर हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक नई खेल योजना 'खेलेगा हिमाचल, बढ़ेगा हिमाचल' शुरू की है। अच्छी पहल है, स्वागत योग्य है, मगर उसमें अपनी क्षमता पर ओलंपिक से स्वर्ण जीतने पर 3 करोड़, रजत पदक जीतने पर 2 करोड़ व कांस्य पदक जीतने पर 1 करोड़ की राशि विजेता खिलाड़ी को बतौर पुरस्कार प्रदान की जाएगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर 50 लाख, रजत पदक पर 30 लाख व कांस्य पदक जीतने पर 20 लाख की पुरस्कार राशि विजेता खिलाडियों को सरकार प्रदान करेगी। वहीं राष्ट्रमंडल खेलों में भी एशियाई खेलों के बराबर पुरस्कार राशि विजेता खिलाडियों में वितरित की जाएगी। मगर ग्रामीण क्षेत्रों व बुनियादी स्तर पर खेल प्रतिभा को उभारने व प्रशिक्षित करने हेतु कब पूरे देश व हर राज्य स्तर पर पारदर्शी खेल नीति उतारने की पहल होगी? मूलभूत सुविधाओं के अभाव में हर खेल क्षेत्र में प्रतिभा प्रभावित होती है। देश का नाम रोशन करने पर अनेकों प्रतिष्ठित व्यावसायिक घराने आगे आ जाते हैं, मगर बुनियाद को मजबूत करने आज तक कोई भी आगे नहीं आया। ऐसा हमारे देश में क्यों होता है? हकीकत सभी जानते हैं, मगर समझना कोई नहीं चाहता। शायद समय आ गया है कि विभिन्न खेलों में देश का नाम रोशन करने वाले सभी खेलों के खिलाडियों को भी देश की खेल व्यवस्था में सुधार करने व प्रोत्साहन देने हेतु आगे आना चाहिए। हर खिलाड़ी अपने खेल क्षेत्र या मनपसंद का एक खेल गोद लेकर, उसे प्रोत्साहित कर सकता है। जिस शुरुआती दौर से किस तरह खुद को निखार कर वे हीरे निकले हैं, अब उन हीरों को अपनी रौशनी से अन्य हीरों को तराशने में मदद करनी होगी। हर खेल को उसी खेल की मूल भावना से विकसित करना होगा। हर खेल के आवश्यक मूलभूत संसाधन व प्रशिक्षण चाहे जिला स्तर पर ही सही, मगर पूरे देश में खिलाडियों को उपलब्ध होने चाहिएं। तभी तो खेल प्रतिभाएं अपने प्रदेश व देश का नाम विश्व स्तर पर अंकित कर पाएंगी। परिवर्तन समय का नियम है। समय रहते देश-प्रदेश की खेल नीतियों में सार्थक परिवर्तन की बुनियादी स्तर के खिलाडियों को आवश्यकता है। हर खेल में निपुण प्रशिक्षकों को नियुक्त करने व आवश्यक प्रोत्साहन की आवश्यकता है। नियमित प्रशिक्षण शिविर हर स्तर पर आयोजित करने होंगे व खेल प्रेमी शिक्षक-प्रशिक्षकों को विश्वास में लेकर ही बेहतर खेल परिणाम पाने की उम्मीद की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाली अपार खेल प्रतिभाओं तक सरकारों की बुनियादी सुविधाओं का न पहुंचना भी खिलाडियों को निरुत्साहित कर सकता है। 'खेलों से स्वास्थ्य', 'खेलो इंडिया, फिट इंडिया' जैसे अनेकों उपक्रम क्यों सीमित होकर रह जाते हैं? वक्त आ गया है कि बेहतर खेल परिणाम पाने की इच्छा में बेहतर खेल सुविधाएं सभी खेलों के खिलाडियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला व खंड स्तर तक उपलब्ध करवाई जाएं। ग्रामीण ओलंपियाड जैसे कार्यक्रम, जो खिलाडियों को आगे बढने के लिए कारगर साबित हो सकते थे, फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं। सफलता के बाद मात्र पीठ थपथपाने से खेल प्रतिभाएं शायद ही निखर पाएंगी।

कुछ अलग

संसद के सलीके

हमारी नई लोकसभा अभी बनी ही है, लेकिन चल नहीं पा रही। चल पाएगी, इसमें शक है। चलकर भी क्या कर पाएगी, कह नहीं सकते। कहावत बहुत पुरानी है जो हर अनुभव के साथ नई होती रहती है कि 'पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं।' जो पांव दीख रहा है, वह शुभ नहीं है। यदि मैं भूलता नहीं हूं तो कवि विजयदेव नारायण साही ने इस कहावत में एक दूसरी मार्मिक पंक्ति जोड़ दी थी : 'पूत के पांव पालने में मत देखो, वह पिता के फटे जूते पहनने आया है।' इस लोकसभा के बारे में यही पंक्ति बार-बार मन में गूंज रही है। जिस पार्टी ने, जिन पार्टियों के साथ जोड़ बिठाकर सरकार बनाई है, उन सबको मालूम है कि यह वक्ती व्यवस्था है। कौन, पहले, किसे और कब लंगड़ी मारता है, इसी पर इस लोकसभा का भविष्य टिका है, और यह तो सारे संविधानतज्ञ जानते हैं कि लोकसभा के भविष्य पर ही सांसद नाम के निरीह प्राणियों का भविष्य टिका होता है। निरीह इसलिए कह रहा हूं कि पिछले कम से कम 10 सालों से हमारे सांसदों का एक ही काम रहा है, जिसे वे बड़ी शिद्दत से निभाते हैं : सरकार की दी हुई मेज थपथपाना या भगवान की दी हुई हथेलियों से तालियां बजाना। विपक्ष भी ऐसा ही करता है। फर्क है तो बस इतना कि उसके पास कोई प्रधानमंत्री नहीं होता। इस बार उसके पास एक 'छाया प्रधानमंत्री' जरूर है जिसकी छाया कब तक, कहां तक रहती है, देखना बाकी है। हम दुआ करते हैं कि अंग्रेजी के 'शैडो प्राइम मिनिस्टर' का मक्खीमार अनुवाद भले उसे 'छाया प्रधानमंत्री' कहे, नेता प्रतिपक्ष कभी इस प्रधानमंत्री की छाया न बनें। न उनकी छाया में रहें, न उनको छाया दें। ओम बिरला को दोबारा लोकसभा अध्यक्ष बनाने के पीछे प्रधानमंत्री का एक ही मकसद था : विपक्ष को आखिरी हद तक अपमानित करना! बिरला कभी इस पद के योग्य नहीं थे, आज भी नहीं हैं। विद्वता, कार्यकुशलता, व्यवहार कुशलता, वाकपटुता तथा सदन में गरिमामय माहौल बनाए रखने जैसे किसी भी गुण से उनका नाता नहीं रहा है, यह हमने पिछले पांच सालों में देखा है। पता नहीं विपक्ष ने उनका इतना स्वागत व गुणगान क्यों किया! ओम बिरला ने पिछली संसद में जिस तरह विपक्ष को तिरस्कृत व अपमानित किया था, उसे ही दोहराने के लिए इस बार भी उन्हें ही प्रधानमंत्री ने आगे किया है, ताकि विपक्ष व देश समझे कि कहीं, कुछ भी बदला नहीं है। नई लोकसभा के पहले ही दिन वे अपने पुराने अवतार में दिखाई दिए। जिस असभ्यता से उन्होंने दीपेंद्र हुड्डा को अपमानित किया, शशि थरूर के 'जय संविधान' कहने से तिलमिलाए, विपक्ष के सांसदों को कब उठना-कब बैठना सिखाने की फब्ती कसी, वह सब यह समझने के लिए पर्याप्त है कि उन्हें क्या करने का निर्देश हुआ है। राहुल गांधी ने जब यह कहा कि उनका माइक बंद क्यों किया गया, तो अध्यक्ष का जवाब आया कि मैंने पहले भी यह व्यवस्था दी है कि मेरे पास माइक का कोई बटन नहीं है। क्या अध्यक्ष की जानकारी व अनुमति के बगैर ही कोई, कहीं से बैठकर लोकसभा की कार्रवाई में दखल दे रहा है? अगर ऐसा है तो अध्यक्ष चाहिए ही क्यों? जो अनदेखा-अनजाना आदमी बटन बंद कर सकता है, वही लोकसभा चला भी सकता है। इंडिया गठबंधन को तब तक न लोकसभा जाना चाहिए, न राज्यसभा जब तक कि यह बता न दिया जाए कि माइक बंद किसने किया था, किसकी अनुमति या निर्देश से किया था। परंपरा की बात है तो यह समझना जरूरी है कि विपक्ष के नेता की भी परंपराएं हैं। इस अध्यक्ष को न वे परंपराएं पता हैं, न विपक्ष के नेता का मतलब मालूम है। जिन सांसदों का जन्म ही 10 साल पहले हुआ है, उनकी यह त्रासदी स्वाभाविक है।

देश दुनिया से

समुद्र में कार्बन भंडारण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

> समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ़्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की ओर गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ़्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे। वैज्ञानिक अपनी परियोजना को 'सॉलिड कार्बन' कहते हैं। अगर यह परियोजना उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करती है तो तल में प्रविष्ट कार्बन डाइऑक्साइड हमेशा के लिए समुद्र के तल पर एक चट्टान बन जाएगी। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कनाडा के भूभौतिकीविद् मार्टिन शरवाथ ने कहा कि इससे कार्बन भंडारण बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाएगा। इस तकनीक से हमें अन्य भंडारण तकनीकों की तरह कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और वैश्विक तापमान वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये कार्बन हटाने वाली समुद्री फैक्टरियां उम्मीद के मुताबिक काम करेंगी या नहीं। सबसे पहले विज्ञानियों को समुद्र में एक प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दुनियाभर में, बेसाल्ट चट्टानें पृथ्वी के समस्त जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन को स्थायी रूप से जमा कर सकती हैं। गौरतलब है, इस तरह की तकनीक को अपनाने का मतलब यह नहीं कि जीवाश्म ईंधन को अंधाधुंध तरीके से जलाना सुरक्षित है। फिर भी विज्ञानियों का कहना है कि कुछ रिग ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शरवाथ के अनुसार कनाडा के पश्चिमी तट से दूर, वैंकूवर द्वीप के पास कैस्केडिया बेसिन में विश्व के 20 साल के कार्बन उत्सर्जन को कैद करने की गुंजाइश है। यहीं पर विज्ञानी एक फील्ड टेस्ट करना चाहते हैं। यह योजना एक रासायनिक प्रतिक्रिया पर आधारित है जो पहले से ही स्वाभाविक रूप से होती है। बेसाल्ट चट्टान अत्यधिक प्रतिक्रियाशील होती है। ऐसी चट्टानें धातुओं से भरी होती हैं जो आसानी से कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ लेती हैं और कार्बोनेट खनिजों का निर्माण करने के लिए रासायनिक रूप से इसके साथ जुड़ जाती हैं। बेसाल्ट भी टूट जाता है और छिद्रपूर्ण हो जाता है, जिससे नए कार्बोनेट के भरने के लिए पर्याप्त जगह बच जाती है। आइसलैंड में कार्बफिक्स नामक एक परियोजना ने इस प्रक्रिया के एक छोटे संस्करण का सफल प्रदर्शन किया है। इस विधि में पानी में कार्बन डाइऑक्साइड को घोला जाता है। फिर उसे भूमिगत बेसाल्ट चट्टान में इंजेक्ट किया जाता है। ये समुद्री कार्बन-भंडारण कारखाने बहुत महंगे उपक्रम होंगे लेकिन यदि हम पृथ्वी को पूर्व-औद्योगिक तापमान पर वापस लाना चाहते हैं तो हमें अंततः ऐसे मेगा-प्रोजेक्ट का सहारा लेना पड़ सकता है। सॉलिड कार्बन उन बुनियादी तात्कालिक उपायों का विकल्प नहीं है, जिनकी दुनिया भर के जलवायु विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं। इन उपायों में जीवाश्म ईंधन को नवीकरणीय ऊर्जा में बदलना और खाद्य प्रणालियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने ऐसे वायरस खोजे हैं जो जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वायरस शब्द हमारे मन में खौफ पैदा करता है लेकिन सभी वायरस खौफनाक नहीं होते। इनकी दूसरी भूमिकाएं भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फ पर विशाल वायरस की मौजूदगी का पता लगाया है जो बर्फ के शैवाल को संक्रमित करके आर्कटिक की बर्फ के काले होने और पिघलने को नियंत्रित कर सकते हैं। वायरस के 'विशाल' से चकित न हों। विशाल होने के बावजूद इन वायरस को कोरी आंख से नहीं देखा जा सकता। अभी माइक्रोस्कोप से भी इन्हें नहीं देखा जा सका है। इनकी खोज नमूनों के डीएनए विश्लेषण से हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन वायरस का उपयोग करके बर्फ के पिघलने की गति को धीमा किया जा सकता है। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने के लिए एक नया रास्ता मिल सकता है। हर वसंत में आर्कटिक के पिघलने पर जीव-जंतु और काले शैवाल सक्रिय हो जाते हैं। शैवाल के सक्रिय होने से बर्फ पिघलने की गति बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ के तेजी से पिघलने से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए ये वायरस प्राकृतिक समाधान प्रदान करते हैं। आर्कटिक में महीनों के अंधेरे के बाद हर वसंत में जब सूरज उगता है, तो जीवन वापस आ जाता है। ध्रुवीय भालू अपनी सर्दियों की मांद से बाहर निकलते हैं।

आप का नजरिया

पर्यटन की भगदड़ में

इस बार हिमाचल के पर्यटन सीजन से सोशल मीडिया का युद्ध कुछ हलकों में बाहरी सैलानियों खास तौर पर पड़ोसी पंजाब से एक गलत संदेश का वाहक बना रहा। हालांकि इसके बराबर पंजाब के ही कई पोर्टल व डिजीटल मीडिया ने हिमाचल के पक्ष और यहां के सुकून को जिंदा रखा, फिर भी यह मसला कहीं सुलगा जरूर है और एक आर्थिक व सांस्कृतिक टकराव में चंद सिरफिरों को न्यौता दे रहा है। कुछ पहल या ऐसे घटनाक्रम हिमाचल में भी हुए जहां डलहौजी, मकलोडगंज, मनाली व कुछ और स्थल कुख्यात होने लगे हैं। यहां की टैक्सी का साम्राज्य भी 'पर्यटक संबंधों' को सिर्फ एक सीजन को लूटने का जरिया बन गया है, तो सडक़ पर रगड़ खाते ट्रैफिक इंतजाम ने अमन चैन से ही लोहा ले लिया। बेशक पड़ोस से आ रहीं अफवाहें आम नहीं, फिर भी इस तरह के कुप्रचार पर हिमाचल में सामाजिक, सांस्कृतिक व सरकारी चेतना परिलक्षित होनी चाहिए। कम से कम ऐसे दुष्प्रचार का संज्ञान तो लेना होगा, दूसरे यह पर्यटन के मौजूदा हुलिए से रू-ब-रू होने का एक अवसर है ताकि मालूम हो, कौन वास्तविक और कौन शोर शराबा है। हमारे पास फिलहाल ऐसा कोई फिल्टर नहीं। हमारे प्रवेश द्वार सिर्फ औपचारिक हैं। कम से कम हिमाचल के शांतिप्रिय सफर और पर्यटन के अर्थ की एक आचार संहिता तो लागू की जाए। अगर पर्यटन भीड़ बन रहा है और सरकार इसको केवल पांच करोड़ संख्या के आंकड़े में देख रही है, तो बिगड़ैल परिस्थितियों में हर कोई मौके का फायदा या अवसर की लूट में वर्चस्व की होड़ में शरीक हो जाएगा। यही सब हो भी रहा है। वर्चस्व टैक्सी आपरेटरों से लेकर होटल-रेस्तरां मालिकों तक और यह भी पर्यटन इकाइयों के नाम पर चल रहे धंधे, भीड़ पर्यटन को असामाजिक पर्यटन में बदलते देर नहीं लगाते। पहले चोरी छिपे रेव पार्टियां चलती थीं, लेकिन अब पहाड़ की कंद्राओं तक पहुंचा कारवां कहीं गोवा के नाम पर तो कहीं किसी विदेशी समुद्री तट की तरह अपना आवरण खो रहा है। सर्वप्रथम हिमाचल को यह तय करना है कि इसे किस श्रेणी का पर्यटक चाहिए। यह फैसला गुणात्मक या हाई एंड पर्यटन की खोज में करना है या पांच करोड़ सैलानियों को एक साथ बुलाकर भगदड़ में करना है। आखिर रोहतांग, त्रियूंड या शिकारीदेवी की एक सीमा है। शिमला-मनाली के माल या बिलिंग के टेक ऑफ प्वाइंट की एक गरिमा है। दलाईलामा की नगरी या मिनी लहासा की एक छवि है और जिसे न टैक्सी आपरेटर, होटल-रेस्तरां मालिक या गिफ्ट सेंटर भ्रष्ट या नष्ट कर सकते, लेकिन यहां पूछता कौन है। यहां फ्लाइट या विदेश से पहुंच रहा पर्यटक वैसे ही हांका जा रहा है, जैसे कोई खटारा गाड़ी में आने वाला और मुफ्त के लंगर खाने वाला भीड़ को बढ़ा रहा है। अपने तौर पर हिमाचल को यह तय करना है कि कहां हाई एंड, कहां सांस्कृतिक और कहां भीड़ में पर्यटक को व्यवस्थित करना है। कहां निजी व पर्यटक वाहनों को रोकना और साइट सीईंग टूअर के माध्यम से कैसे आकर्षणों को जोडऩा है। पर्यटन अब व्यवस्था, सही प्रचार और सही छवि के साथ-साथ यह सुनिश्चित भी करना है कि राज्य का चरित्र बदनाम न हो। सारे मंदिरों में देवी दर्शन के लिए फीस और हर डेस्टिनेशन पर ग्रीन टैक्स लगाया जाए।

अडाणी समूह से जमीन वापस लेने के गुजरात हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली,10 जुलाई (एजेंसियां) ।

गुजरात हाईकोर्ट ने अदाणी समूह से 108 हेक्टेयर चारागाह जमीन वापस लेने का आदेश राज्य सरकार को दिया था। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। गुजरात हाईकोर्ट ने अदाणी समूह से 108 हेक्टेयर चारागाह जमीन वापस लेने का आदेश राज्य सरकार को दिया था। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। मुंद्रा बंदरगाह के पास 2005 में अदाणी समूह की कंपनी को यह गौचर भूमि दे दी गई थी।

5 जुलाई को राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया था कि वे लगभग 108 हेक्टेयर गौचर भूमि अदाणी समूह की इकाई से वापस लेगी। जो कि 2005 में उन्हें दी गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि गुजरात राज्य के राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के हलफनामे पर ध्यान देते हुए, हम संबंधित प्राधिकरण से कानून के अनुसार पुन: अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करने की अपेक्षा करते हैं। इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की अपील पर गौर किया कि न्याय के हित में विवादित आदेश पर रोक लगाना जरूरी है। पीठ ने कहा, नोटिस जारी करें। विवादित आदेश पर रोक लगाएं।

क्या था मामला

दरअसल, 2005 में गुजरात के राजस्व विभाग ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 231 एकड़ गौचर भूमि आवंटित की थी। लेकिन ग्रामीणों को भूमि आवंटित होनी की सूचना 2010 में पता चली। जब एपीएसईजेड ने गौचर भूमि पर बाड़ लगाना शुरू किया। गांव के निवासियों ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 231 एकड़ गौचर भूमि आवंटित करने के निर्णय के खिलाफ एक जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट का रुख किया था। 2014 में राज्य सरकार ने बताया कि डिप्टी कलेक्टर ने चरागाह के उद्देश्य से अतिरिक्त 387 हेक्टेयर सरकारी भूमि देने का आदेश पारित किया था। इसके बाद उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका का निपटारा कर दिया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोट से अयोध्या...

यूपी गृह विभाग के सचिव संजीव गुप्ता (आईपीएस) की पत्नी डॉ. चेतना गुप्ता ने 5 अगस्त 2022 को राम मंदिर से 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर (अयोध्या) में 253 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 35.92 लाख रुपए में खरीदी थी। इस संबंध में संजीव गुप्ता ने कहा, उन्होंने अब वह जमीन बेच दी है।यूपी शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक अरविंद कुमार पांडेय और उनकी पत्नी ममता पांडेय ने जून और अगस्त 2023 के बीच मंदिर से 7 किलोमीटर दूर शाहनवाजपुर माझा (अयोध्या) में 64.57 लाख रुपए में 1,051 वर्ग मीटर आवासीय जमीन खरीदी। पांडेय भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करते हुए निलंबित हैं। उनकी पत्नी ममता पांडेय बस्ती में भाजपा नेता हैं और अयोध्या में 2022 में खुलने वाले होटल द रामायण की प्रबंध निदेशक हैं। अरविंद पांडे ने कहा, जमीन होटल से सटी हुई है और इसे विस्तार के लिए खरीदा गया था।रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर महाबल प्रसाद के बेटे अंशुल ने नवंबर 2023 में मंदिर से 7 किलोमीटर दूर शाहनवाजपुर माझा में एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर 0.304 हेक्टेयर कृषि भूमि 24 लाख रुपए में खरीदी। प्रसाद ने कहा, यह एक अविकसित क्षेत्र है, अभी तक कुछ भी योजना नहीं बनाई गई है।अलीगढ़ के एडिशनल एसपी पलाश बंसल (आईपीएस) के पिता देशराज बंसल भारतीय वन सेवा से रिटायर हुए अधिकारी हैं। उन्होंने अप्रैल 2021 में दिल्ली के ईश्वर बंसल के साथ मिलकर मंदिर से 15 किलोमीटर दूर राजेपुर उपरहार (अयोध्या) में 1781.03 वर्ग मीटर आवासीय जमीन 67.68 लाख रुपए में खरीदी थी। ईश्वर बंसल ने 2012 में दिल्ली में नगर निगम चुनाव और 2013 में विधानसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने दोनों बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा। पलाश बंसल 26 मई 2022 तक अयोध्या में तैनात थे। पलाश ने कहा, इस जमीन में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरे पिता ने किसी दूर के रिश्तेदार के साथ मिलकर यह काम किया है।अमेठी के एसपी अनूप कुमार सिंह (आईपीएस) के ससुराली रिश्तेदार शैलेंद्र सिंह और मंजू सिंह ने मिलकर मंदिर से 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 21 सितंबर 2023 को 20 लाख रुपए में 4 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी। अनूप सिंह ने कहा, इस (भूमि खरीद) से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।यूपी के पूर्व डीजीपी यशपाल सिंह (आईपीएस रिटायर्ड) ने दिसंबर 2020 से सितंबर 2023 के बीच मंदिर से 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर (अयोध्या) में 0.427 हेक्टेयर कृषि भूमि और 132.7137 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 73 लाख रुपए में खरीदी। उनकी पत्नी गीता सिंह बलरामपुर की पूर्व सपा विधायक हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास वहां जमीन थी, नई खरीदी गई जमीन छोटे प्लॉट्स हैं।उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी 2017 से 2023 तक सीबीएसई के सचिव थे। उनके पिता मदन मोहन त्रिपाठी ने मंदिर से 15 किलोमीटर दूर कोटसराय (अयोध्या) में 1.57 हेक्टेयर कृषि भूमि और 640 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 2.33 करोड़ रुपए में खरीदी थी। 15 मार्च 2023 को मदन मोहन त्रिपाठी ने विद्या गुरुकुलम एजुकेशनल ट्रस्ट को 1.2324 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके वे सचिव हैं, जिसकी कीमत 3.98 करोड़ रुपए है। मदन मोहन त्रिपाठी ने कहा, मैं (भूमि पर) एक स्कूल खोलने जा रहा हूं। उन्होंने 0.343 हेक्टेयर भूमि अलग से एक अन्य संस्था को बेच दी।हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन जयदीप आर्य ने 12 जुलाई 2023 को मंदिर से 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा (अयोध्या) में चार अन्य लोगों के साथ मिलकर 3.035 हेक्टेयर जमीन 32 लाख रुपए में खरीदी। जयदीप आर्य बाबा रामदेव के पूर्व सहयोगी हैं और योग आयोग की स्थापना हरियाणा सरकार ने की थी। चार अन्य खरीदारों में से एक राकेश मित्तल हैं, जो रामदेव के भारत स्वाभिमान ट्रस्ट से जुड़े हैं। आर्य ने कहा, हमने विक्रेता की मदद के लिए जमीन खरीदी, जिसकी आर्थिक स्थिति खराब थी।यूपी के भाजपा विधायक अजय सिंह के भाई कृष्ण कुमार सिंह और भतीजे सिद्धार्थ ने मंदिर से 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.455 हेक्टेयर कृषि भूमि 2023 में 47 लाख रुपए में खरीदी। यह जमीन पार्क व्यू फ्लैट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर खरीदी गई, जिसके सिद्धार्थ निदेशक हैं। बस्ती के हर्रैया से विधायक अजय सिंह ने कहा, मैं पार्क व्यू फ्लैट्स से जुड़ा नहीं हूं।गोसाईगंज नगर पंचायत की अध्यक्ष भाजपा नेता विजय लक्ष्मी जायसवाल के अयोध्या निवासी रिश्तेदार मदन जायसवाल ने मंदिर से 7-12 किमी दूर चार गांवों बरहटा माझा, शाहनवाजपुर माझा, सरायरासी माझा और रामपुर हलवारा माझा में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ 1.3 करोड़ रुपए में 8.71 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी। इसमें बस्ती निवासी राकेश जायसवाल के साथ संयुक्त रूप से 8 लाख रुपए में खरीदी गई 3.38 हेक्टेयर जमीन भी शामिल है। सबसे बड़े सौदों में मदन और उनके दो बच्चों ने सितंबर 2020 से नवंबर 2023 के बीच 67 लाख रुपए में बरहटा माझा, शाहनवाजपुर माझा और तिहुरा माझा में समझौतों के तहत 46.67 हेक्टेयर जमीन भी ली। विजय लक्ष्मी जायसवाल ने कहा, मदन का अपना व्यवसाय है, मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं है। मदन ने कहा, मैंने ये जमीनें एक समूह के साथ खरीदी हैं, हमें अभी तय करना है कि इस पर क्या करना है।अमेठी जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता राजेश अग्रहरि की फर्म अग्रहरि मसाला उद्योग ने 19 जून 2023 को मंदिर से 10 किलोमीटर दूर कुढ़ा केशवपुर उपरहार (अयोध्या) में 0.79 हेक्टेयर कृषि भूमि 8.35 करोड़ रुपए में खरीदी। उन्होंने कहा, मैं इस भूमि का उपयोग तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए करूंगा।बीएसपी के पूर्व विधायक जितेंद्र कुमार बबलू भैया के भाई विनोद सिंह ने मंदिर से 8-15 किलोमीटर दूर कोटसराय (अयोध्या) और महेशपुर (गोंडा) में 0.272 हेक्टेयर और 370 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। यह जमीन उर्मिला लॉ कॉलेज की ओर से खरीद गई है, जिसके वे मालिक हैं। विनोद और उनकी पत्नी सुनीता ने उर्मिला ग्रामीण शिक्षण संस्थान से 11,970 वर्ग मीटर जमीन ली। कुल खरीद मूल्य 35.59 लाख रुपए थी, जिसमें से 1,560 वर्ग मीटर का एक टुकड़ा विनोद और सुनीता को दान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। कुमार ने कहा, हम भाई अलग-अलग काम करते हैं। मैंने वहां कोई जमीन नहीं खरीदी है।भाजपा के पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश शुक्ला टाइम सिटी मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के हिस्सेदार हैं। यह तथ्य उन्होंने खुद 2017 के विधानसभा चुनाव के हलफनामे में दर्ज कराया था। शुक्ला ने जून 2020 से दिसंबर 2023 के बीच मंदिर से 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 1.34 हेक्टेयर कृषि भूमि और 1,985.6 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 1.12 करोड़ रुपए में खरीदी। शुक्ला ने कहा, मैंने 2017 में टाइम सिटी से इस्तीफा दे दिया था और मैं इसके मामलों में सीधे तौर पर शामिल नहीं हूं।सपा के पूर्व एमएलसी राकेश राणा के बेटे ऋषभ ने अप्रैल 2023 में मंदिर से 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 0.42 हेक्टेयर जमीन 25 लाख रुपए में खरीदी थी। एमएलसी बनने के बाद राणा को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निकाल दिया गया था। राणा ने कहा, यह एक छोटा सा प्लॉट है, हमने अभी तक कुछ भी प्लान नहीं किया है। बसपा के पूर्व एमएलसी और अब भाजपा नेता श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह की बेटी प्रमिला सिंह ने मंदिर से 12 किलोमीटर दूर सरायरासी माझा (अयोध्या) में 2,693.08 वर्ग मीटर आवासीय भूमि सितंबर 2023 में 80 लाख रुपए में खरीदी। सिंह ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।सिर्फ राजनेता और शीर्ष अधिकारी ही नहीं, बल्कि देश भर की कॉर्पोरेट कंपनियां और ट्रस्ट भी अयोध्या में रियल एस्टेट में उछाल का लाभ उठाने के लिए आगे आ रहे हैं। अडाणी समूह से लेकर अभिनंदन लोढ़ा हाउस (एचओएबीएल) तक, आवास से लेकर आतिथ्य तक, कर्नाटक से दिल्ली तक, बड़े खरीदारों की एक स्थिर धारा रही है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, जैसा कि जांचे गए भूमि रिकॉर्ड से पता चलता है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि कई कंपनियों ने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो को संभालने के लिए अलग-अलग सहायक कंपनियों को शामिल किया है, जबकि अन्य ने अधिग्रहण को संभालने के लिए कंपनियों की स्थापना करने से पहले अपने नाम पर जमीन खरीदी है। उनमें से अधिकांश ने बताया कि वे खरीदी गई जमीन पर होटल या आवासीय परियोजनाएं बनाने की योजना बना रहे हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में अयोध्या और उसके आसपास 1 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की जमीन खरीदने वाली कंपनियां और ट्रस्ट भी शामिल हैं।सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि जून 2023 और मार्च 2024 के बीच रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनी एचओएबीएल ने मंदिर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सरयू के तट पर तिहुरा माझा में 17.73 हेक्टेयर कृषि भूमि और 12,693 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी, जहां तटबंध को चार लेन की सड़क में अपग्रेड किया जा रहा है। इसमें बिक्री समझौते में सूचीबद्ध 217 वर्ग मीटर शामिल है। कुल खरीद 74.15 करोड़ रुपए की है। बाद में फर्म ने उसी गांव में लगभग 31.24 करोड़ रुपए में 7.54 हेक्टेयर और जमीन खरीदी। इस तरह एचओएबीएल ने लगभग 105 करोड़ रुपए की जमीनें खरीदीं।एचओएबीएल का स्वामित्व अभिनंदन मंगल प्रभात लोढ़ा के पास है, जो महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के पुत्र और दिवंगत गुमानमल लोढ़ा के पोते हैं। गुमानमल लोढ़ा गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और भाजपा सांसद थे, जो 1980 के दशक के अंत में राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी थे। एचओएबीएल के सीईओ समुज्जवल घोष ने कहा, पांच साल से अधिक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, हमने महाराष्ट्र और गोवा जैसे कई राज्यों में अपनी उपस्थिति स्थापित की है, अयोध्याजी में हमारा हालिया विस्तार एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमारी विस्तार रणनीति राज्य और केंद्र दोनों सरकारों द्वारा चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास की पहलों के साथ जटिल रूप से जुड़ी हुई है, जिसमें सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों पर विशेष जोर दिया गया है।अडाणी ग्रुप ने पिछले साल 18 सितंबर को होमक्रेस्ट इंफ्रास्पेस नामक एक सहायक कंपनी बनाई थी। उसने नवंबर और दिसंबर के बीच मंदिर परिसर से लगभग 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 1.4 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि खरीदी। खरीद की कुल कीमत: 3.55 करोड़ रुपए है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि लेन-देन सभी कानूनों और नियमों के अनुसार किया गया था। कंपनी ने भविष्य के विकास के लिए एक निजी पार्टी से जमीन खरीदी है।तेलंगाना के अयोध्या सरयू इंफ्रा एलएलपी ने दिसंबर 2021 से अक्टूबर 2023 के बीच मंदिर से 9-13 किलोमीटर दूर सरायरासी माझा, रामपुर हलवारा माझा, माझा जमथरा (अयोध्या) और लोलपुर एहतमाली और दुर्गागंज (गोंडा) में 1.78 करोड़ रुपए में कुल 10.43 हेक्टेयर जमीन खरीदी या अनुबंध पर ली। कंपनी का गठन 14 फरवरी 2022 को हैदराबाद में हुआ था। पहले की खरीद तेलंगाना के वारंगल के वेणुगोपाल मुंडाडा के नाम पर थी। रेवेन्यु रिकॉर्ड बताते हैं कि कंपनी का लक्ष्य रियल एस्टेट के क्षेत्र में कारोबार करना है। कंपनी ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित संस्था व्यक्ति विकास केंद्र ने 7 फरवरी 2022 को प्रयागराज के दयानंद पाठक (मेसर्स वीपीडीपी) और अब्दुल सलाम (अयोध्या) से मंदिर से लगभग 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 5.31 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि खरीदी। रिकॉर्ड बताते हैं कि यह जमीन मूल रूप से 21 अक्टूबर 2021 को केवल 1.26 करोड़ रुपए में समझौते पर ली गई थी। इस समझौते को वीवीके को बिक्री से तीन दिन पहले 4 फरवरी 2022 को बढ़ाया गया था। केंद्र खुद को श्रीश्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वावधान में पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में वर्णित करता है। इसने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।दिल्ली के गलगोटिया होटल एंड रिसॉर्ट्स की ओर से इसके निदेशक ध्रुव गलगोटिया ने दिसंबर 2023 में मंदिर से करीब 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 3432.32 वर्ग मीटर आवासीय जमीन 7.57 करोड़ रुपए में खरीदी। होटलों के अलावा, समूह शैक्षणिक संस्थान, रियल एस्टेट व्यवसाय, प्रकाशन और अस्पताल भी चलाता है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हम अयोध्या में एक अस्पताल और एक होटल बनाने जा रहे हैं।प्रयागराज की संस्था द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स के मालिक मयंक जायसवाल ने अप्रैल से अगस्त 2023 के बीच मंदिर से लगभग 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर में 29,030 वर्ग मीटर आवासीय जमीन 29 करोड़ रुपए में खरीदी। मयंक जायसवाल समाजवादी पार्टी के नेता रहे सालिगराम जायसवाल के पोते हैं। कंपनी को 2005 में बैनर, विज्ञापन, डिजिटल विज्ञापन और विज्ञापन और प्रचार के लिए शामिल किया गया था, उसके बाद रियल एस्टेट में भी काम शुरू किया गया। जायसवाल ने कहा, हमने वहां एक पांच सितारा होटल का निर्माण शुरू कर दिया है।कर्नाटक के सावर्थिया डेवलपर्स के निदेशकों जगदीश सावर्थिया (बेंगलुरु) और राजेंद्र अग्रवाल (जयपुर) ने दिसंबर 2020 और अगस्त 2023 के बीच मंदिर से 7-9 किमी दूर शाहनवाजपुरमाझा (अयोध्या) और इब्राहिमपुर और महेशपुर (गोंडा) में 12.82 हेक्टेयर कृषि, 1,100 वर्ग मीटर आवासीय और 3,638.75 वर्ग मीटर औद्योगिक भूमि (कर्नाटक), 26.64 करोड़ रुपए में खरीदी। अधिकांश खरीद कंपनी और उसके निदेशकों की ओर से की गई। परिवार के सूरजमल लक्ष्मीदेवी सावर्थिया चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए भी 3,638.7 वर्ग मीटर औद्योगिक भूमि खरीदी गई। सावर्थिया ने कहा, हम शाहनवाजपुर में एक धर्मशाला की परियोजना चला रहे हैं और सरयू के पार महेशपुर और इब्राहिमपुर गांवों में विला योजनाएं लाने की उम्मीद कर रहे हैं।यूपी की रामकुलम रीजेंसी एलएलपी के मालिक जितेंद्र निगम और उनकी पत्नी कल्पना ने अक्टूबर 2020 से मार्च 2023 के बीच माझा बरहटा और माझा जमथरा में 5.0553 हेक्टेयर कृषि भूमि और कुढ़ा केशवपुर में 2,530 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी, जो मंदिर से 6-10 किलोमीटर दूर है। यह खरीद 7.30 करोड़ रुपए में हुई। जितेंद्र निगम ने दिसंबर 2023 में कुढ़ा केशवपुर की जमीन को अपनी फर्म रामकुलम रीजेंसी को 30,000 रुपए में हस्तांतरित कर दिया। निगम ने कहा, हम कुढ़ा केशवपुर में एक होटल बना रहे हैं। हमारे पास एक पोल्ट्री फार्म भी है। माझा बरहटा की जमीन राज्य सरकार ने अधिग्रहित कर ली है।यूपी की फर्म श्रीरामजयम एस्पायर की ओर से नोएडा के अभिषेक बंसल और गीता कत्याल ने मंदिर से करीब 16 किलोमीटर दूर हरिपुर जलालाबाद में 1.48 हेक्टेयर कृषि और 3,726.9 वर्ग मीटर आवासीय जमीन अगस्त 2023 और जनवरी 2024 के बीच 5.60 करोड़ रुपए में खरीदी। यह इकाई रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज द्वारा रखे गए रिकॉर्ड में शामिल नहीं है और इसके निदेशकों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका। बंसल ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गुरुग्राम और सैनिक फार्म स्थित त्रिवेणी ट्रस्ट धानुका एग्रीटेक से संबंधित है। इस फर्म ने मंदिर से लगभग 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 2.1 हेक्टेयर कृषि भूमि मई 2023 में 5.91 करोड़ रुपए में खरीदी, जबकि घोषित सर्किल रेट मूल्य 2.73 करोड़ रुपए था। ट्रस्ट को धानुका एग्रीटेक के तहत एक निवेश वाहन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एबीएमएम माहेश्वरी फाउंडेशन व्यवसायी श्याम सुंदर मदनलाल सोनी द्वारा संचालित है। इस संस्था को दिसंबर 2017 में गैर-लाभकारी संस्था के रूप में शामिल किया गया था। इसने अप्रैल 2023 में राम मंदिर से लगभग 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.344 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी। इसके अलावा, सोनी, जो दो अन्य फर्म चलाते हैं, ने जुलाई 2023 में उसी गांव में अपने नाम पर 71.50 लाख रुपए में 0.061 हेक्टेयर जमीन खरीदी। सोनी ने कहा, सारी जमीन ट्रस्ट के लिए है, किसी व्यक्ति के लिए कुछ भी नहीं है। हम अपने समाज के लिए एक इमारत बनाने जा रहे हैं।यूपी का भारद्वाज ग्लोबल इंफ्रावेंचर्स वर्ष 2018 में निगमित हुआ। चार भाइयों द्वारा संचालित लखनऊ स्थित इस फर्म ने दिसंबर 2022 और फरवरी 2023 के बीच मंदिर से लगभग 13 किलोमीटर दूर लोलपुर एहतमाली (गोंडा) में 0.97 हेक्टेयर कृषि भूमि और 8,742.32 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी। कंपनी के निदेशकों में से एक रामेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, हमने दो होटल ब्रांडों के लिए एक प्रमुख समूह के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे हम बनाएंगे। हम 2027 तक दोनों परियोजनाओं को पूरा कर लेंगे। यूपी के ही अवध सिटी डेवलपर्स ने दिसंबर 2021 से सितंबर 2023 के बीच मंदिर से करीब 13 किलोमीटर दूर लोलपुर एहतमाली और इब्राहिमपुर (गोंडा) में 2.76 हेक्टेयर और 810 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। इनमें से 1.011 हेक्टेयर जमीन मंदिर के केयरटेकर मंदिर राम जानकी सर्वाराकर से 14 सितंबर 2023 को 1.15 करोड़ रुपए में खरीदी गई। ग्यारह दिन बाद डेवलपर्स ने जमीन 1.30 करोड़ रुपए में बेच दी। फर्म को अप्रैल 2022 में शामिल किया गया था और पिछली खरीद इसके निदेशकों के नाम पर थी। इसने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।छत्तीसगढ़ के जाखोदिया मिनरल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक जय किशन जाखोदिया रायपुर में रहने वाले उद्योगपति हैं। जाखोदिया छत्तीसगढ़ की राजधानी और ओड़ीशा के राउरकेला में कंपनियां चलाते हैं। मार्च 2022 से अक्टूबर 2023 के बीच जाखोदिया ने मंदिर से 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 4.55 हेक्टेयर कृषि भूमि 2.68 करोड़ रुपए में खरीदी। जाखोदिया ने इन खरीदों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।यूपी के अवध एंटरप्राइजेज के मालिकों में से एक अयोध्या में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रमाकांत पांडेय हैं। कंपनी ने 2022 में मंदिर से लगभग 7 किलोमीटर दूर बरहटा माझा में महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट से 1.83 हेक्टेयर जमीन खरीदी है। पांडेय ने कहा, इसमें से अधिकांश जमीन राज्य सरकार ने अधिग्रहित की है। मैंने ट्रस्ट से बाजार दर पर जमीन खरीदी और मुझे सर्किल रेट पर भुगतान किया गया, जिसे कई सालों से संशोधित नहीं किया गया है।

आतंकवाद की ...

और इसे रूस ही खत्म कर सकता है।अमेरिका की यह टिप्पणी पीएम मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में यूक्रेन-रूस संघर्ष को उठाने के बाद आई है। पीएम मोदी ने मंगलवार 9 जुलाई को राष्ट्रपति पुतिन के साथ आधिकारिक बातचीत में कहा था कि दोनों देशों के विवाद का समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलने वाला है। उन्होंने कहा था कि बम, बंदूकों और गोलीबारी के बीच बातचीत नहीं हो सकती है। पीएम मोदी ने कहा था कि भारत शांति बहाली के लिए हर सहयोग देने को तैयार है। भारत स्वयं भी शांति के पक्ष में है और विश्व समुदाय को यह बात जाननी चाहिए। पीएम मोदी ने इस दौरान यह भी कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन का शांति के विषय में बात करना उन्हें आशान्वित कर रहा है।राष्ट्रपति पुतिन ने भी इस दौरान पीएम मोदी के शांति प्रयासों की सराहना की थी। पुतिन ने भारत और रूस के मजबूत रिश्तों पर भी बात की थी। इस रिश्ते के कारण ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी रूस की यात्रा पूरी करने के बाद मंगलवार को ऑस्ट्रिया पहुंचे। ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर शालेनबर्ग ने पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होटल रिट्ज-कार्लटन पहुंचे। वहां ऑस्ट्रियाई कलाकारों ने उनका स्वागत करते हुए वंदे मातरम गाया। पीएम मोदी के सामने वंदे मातरम गाने वाले कलाकारों ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने इसे एक अभूतपूर्व अनुभव और एक बड़ा सम्मान बताया। पीएम मोदी ने बाद में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमार से भी मुलाकात की। चांसलर ने मोदी की मुलाकात को ऐतिहासिक बताया और उनके साथ सेल्फी ली।बुधवार को पीएम मोदी ने ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वैन डेर बेलेन के साथ बैठक की। इसके बाद ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ संयुक्त वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। ऑस्ट्रिया में संयुक्त वार्ता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया, आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं और इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। पीएम मोदी ने कहा, भारत और ऑस्ट्रिया, आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं। हम सहमत हैं कि इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं जाएगा। आतंकवाद को किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं हो सकता। हम संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बदलाव के लिए सहमत हैं, ताकि उन्हें मजबूत बनाया जाए। मैंने और चांसलर नेहमर ने विश्व में चल रहे विवादों, चाहे यूक्रेन में संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की स्थिति हो, सभी पर हमने विस्तार से बात की। मैंने पहले भी कहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। कहीं भी हो, मासूम बच्चों की मौत स्वीकार्य नहीं है। हम शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर देते हैं। इसके लिए हम दोनों मिलकर हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं।पीएम मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे ऑस्ट्रिया आने का मौका मिला। मेरी यह यात्रा ऐतिहासिक और विशेष है। 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा है। यह भी सुखद संयोग है कि यह यात्रा उस समय हो रही है, जब हमारे आपसी संबंधों के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे मूल्यों में आपसी विश्वास हमारे संबंधों की नींव हैं। आपसी विश्वास से हमारे रिश्तों को बल मिलता है। आज मेरे और चांसलर नेहमर के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए नई संभावनाओं की पहचान की है। हमने फैसला लिया कि संबंधों को रणनीतिक दिशा प्रदान की जाएगी।पीएम मोदी ने कहा, आने वाले दशक के लिए सहयोग का खाका तैयार किया है। यह केवल आर्थिक सहयोग और निवेश तक सीमित नहीं है। ढांचागत विकास, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन और क्वांटम जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे के सामर्थ्य को जोड़ने का काम किया जाएगा। दोनों देशों की युवा शक्ति और विचारों को जोड़ने के लिए स्टार्टअप को गति दी जाएगी। गतिशीलता और प्रवासन के मामले में साझेदारी पर पहले ही समझौता हुआ है। कानूनी प्रवासन और कुशल कार्यबल को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया जाएगा। आज मानवता के सामने मौसम में बदलाव और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर भी हमने विचार साझा किए। क्लामेट के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सोलर साझेदारी, बायोफ्यूल साझेदारी जैसी पहलों से जुड़ने के लिए हम ऑस्ट्रिया को आमंत्रित करते हैं।पीएम मोदी के स्वागत में वंदे मातरम गाने वाले ऑस्ट्रियाई कलाकार इब्राहिम ने इस खास मौके पर अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से ऑर्केस्ट्रा इस प्रदर्शन की तैयारी कर रहा था। यह ऑस्ट्रिया और ऑस्क्रेट्रा के लिए सम्मान की बात है। इब्राहिम ने कहा, यह एक अभूतपूर्व अनुभव और हमारे लिए एक बड़ा सम्मान था। मैंने काफी तैयारी की थी। पिछले कुछ दिनों से हम आर्केस्ट्रा के साथ तैयारी कर रहे थे। घर पर भी, दरअसल, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना था। यह ऑस्ट्रिया के लिए, हमारे लिए और ऑर्केस्ट्रा के लिए बड़ा अवसर था। पीएम मोदी के साथ बातचीत पर उन्होंने कहा, यह अद्भुत था। आप देख सकते हैं कि उन्हें वास्तव में लोगों की फिक्र है। मैंने उस भावना को महसूस किया। ऑर्केस्ट्रा का नेतृत्व करने वाले विजय उपाध्याय ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस आर्केस्ट्रा में कुल 50 लोग शामिल थे। विजय उपाध्याय ने कहा, मैं ऑस्ट्रिया के इस कॉलेज में आया और अब मैं वियना यूनिवर्सिटी के संगीत विभाग का निर्देशन करता हूं। ऑस्ट्रियाई कलाकार एंटोनिया ने भी पीएम मोदी मिलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के सामने प्रदर्शन करना एक बड़ा अनुभव है। एंटोनिया ने कहा कि वह इससे पहले किसी भी बड़ी हस्ती के सामने प्रदर्शन नहीं की थी।

विश्व मीडिया में ...

चाइना फॉरेन अफेयर्स यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ली हैदोंग ने ग्लोबल टाइम्स से कहा कि मोदी की रूस यात्रा प्रमुख शक्तियों के बीच विदेश नीति के संतुलन को दिखाती है।अमेरिकी मीडिया ने पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा को नाटो देशों की बैठक के खिलाफ बताया है। दरअसल, सोमवार को पहले नाटो शिखर सम्मेलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए 38 विभिन्न देशों के नेता वाशिंगटन में एकत्र हुए थे। इस दौरान लगातार यूक्रेन को समर्थन देने पर चर्चा हुई थी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिमी सरकारें भारत और दुनिया भर की कई अन्य सरकारों को पुतिन के युद्ध के खिलाफ सार्वजनिक रुख अपनाने के लिए राजी करने में असफल रही हैं। मोदी ने रूस के आक्रमण की निंदा करने से परहेज किया और इसके बजाय शांति के लिए सामान्य आह्वान किए। उसने मॉस्को के साथ मधुर संबंधों को बनाए रखा, जो शीत युद्ध के दिनों से ही कायम हैं।वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया कि पीएम मोदी ने सरेआम जंग का मसला उठाया। इसमें कहा गया कि रूस द्वारा कीव में बच्चों के एक अस्पताल सहित कई जगहों पर हमले शुरू करने के कुछ घंटों बाद भारतीय पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को गले लगाते हुए तस्वीरें साझा कीं। बाद में क्रेमलिन ने रूसी नेता के घर के गोल्फ कार्ट में मौजूद दोनों नेताओं की तस्वीरें साझा कीं। अगले दिन, मोदी ने निजी वार्ता से पहले टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में हमले को लेकर पुतिन की सार्वजनिक रूप से आलोचना की और कहा कि जब निर्दोष बच्चों को मारा जाता है, जब हम निर्दोष बच्चों को मरते हुए देखते हैं, तो यह दिल दहला देने वाला होता है।रूस के न्यूज चैनल आरटी ने एक रिपोर्ट में कहा कि साल 2022 में यूक्रेन संघर्ष बढ़ने के बाद पश्चिमी साझेदारों की खुली आलोचना के बावजूद भारत ने साहसपूर्वक रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी। इस कदम ने दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 65.70 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इसका मुख्य कारण भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, ऑर्गेनिक केमिकल्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी और मैकेनिकल उपकरण, लोहा और इस्पात शामिल हैं, जबकि रूस से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में तेल और पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, खनिज संसाधन, कीमती पत्थर और धातु, वनस्पति तेल आदि शामिल हैं।रिपोर्ट में कहा गया, यह पिछले वर्ष की तुलना में 33 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो भारत-रूस साझेदारी की लचीलापन और ताकत को दर्शाता है। यह दोनों नेताओं द्वारा 2025 तक द्विपक्षीय व्यापार में हासिल किए जाने वाले 30 अरब डॉलर के लक्ष्य से भी दोगुना है। प्रधानमंत्री मोदी की मॉस्को यात्रा रूस के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दिखाती है। चूंकि दोनों देश कठिन चुनौतियों से निपट रहे हैं, इसलिए मास्को वार्ता सभी रणनीतिक क्षेत्रों में गहन सहयोग के लिए एक मार्ग बनाने के लिए तैयार है, जो दोनों देशों के बीच साझेदारी की स्थायी ताकत की पुष्टि करती है।ब्रिटेन के अखबार द गार्डियन ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी यात्रा पर बात की। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत-रूस के बीच संबंध बहुत गहरे हैं, जो शीत युद्ध के समय से चले आ रहे हैं। रूस लंबे समय से भारत को हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है। 2014 में चुने जाने के बाद से मोदी ने पुतिन के साथ काफी तालमेल बनाया है। दोनों नेताओं के बीच 20 से अधिक मुलाकातें हो चुकी हैं। हालांकि, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला करने के रूसी राष्ट्रपति के फैसले ने भारत और मॉस्को के संबंधों पर कई बार आश्चर्यजनक रूप से दबाव डाला। भारत को पुतिन और पश्चिम दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने के लिए एक मुश्किल रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मोदी-पुतिन की ...

चीन की मीडिया ने भी रूसी यात्रा पर लगातार नजर रखी। उसने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने की एक तस्वीर को लेकर सवाल खड़ा किया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया, शक्ति कूटनीति के खेल में शब्दों की तुलना में अक्सर आपके शारीरिक हावभाव अधिक खुलासा करते हैं। बीजिंग, नई दिल्ली और मॉस्को के नेताओं के मिलने की दो तस्वीरों ने उनके त्रिपक्षीय संबंधों की स्थिति को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। रिपोर्ट में कहा गया, जहां पीएम मोदी गर्मजोशी और गले मिलने की कूटनीति के लिए प्रसिद्ध हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन को हाथ मिलाने के लिए ज्यादा जाना जाता है। शायद यही कारण है कि ये तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गई हैं। इससे यूक्रेन के खिलाफ पुतिन की आक्रामक नीति को संभव बनाने में बीजिंग और नई दिल्ली की भूमिका की जांच करने के लिए वाशिंगटन और उसके सहयोगी देशों को प्रेरित किया है।इसमें यह भी कहा गया, अमेरिका में नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर यह चर्चा हो रही थी कि यूक्रेन की युद्ध जीतने में कैसे मदद की जाए। वहीं दूसरी ओर, उसी समय मोदी मॉस्को में मौजूद थे। ऐसे में भारतीय पीएम का वहां होना निस्संदेह पुतिन के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन था। यह दिखाता है कि व्हाइट हाउस के बढ़ते दबाव को नजरअंदाज कर मोदी का भारत, अमेरिका और रूस के बीच किसी एक का पक्ष नहीं ले रहा है।

किस धर्म के ...

लगभग 5 करोड़ हिंदुओं की या तो हत्या कर दी गई अथवा इस्लाम में कन्वर्जन कर दिया गया, या वे जैसे-तैसे जान बचाकर भाग गए। ऐसी ही कहानी पाकिस्तान की है, इसे कौन नहीं जानता? क्या राहुल गांधी इस बात का उत्तर दे सकेंगे कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में रहने वाले करोड़ों हिंदुओं को अपनी मौत अथवा कन्वर्जन में से एक को चुनने का रास्ता किसने दिखाया? 1922 का मोपला नरसंहार हो अथवा कश्मीर घाटी में हिंदुओं का नरसंहार, जिनमें हजारों हिंदुओं की हत्या, लूट, बलात्कार और अपहरण की घटनाएं घटी थीं तब हिंसक कौन था? देश पूछ रहा है, इन अक्ल के अंधों से कि यह उन्हें नहीं दिखता कि सिर तन से जुदा करने का नारा कौन लगाता है? इस नफरती भाषण के बीच जब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें टोकते हुए चेतावनी दी तो खिसियाए हुए राहुल गांधी ने अपनी बात पर लीपापोती करते हुए आरोपों की सुई भाजपा और आरएसएस की ओर घुमा दी और उनको कट्टर हिंदू बताते हुए हिंदुत्व के सॉफ्ट-हार्ड विभाजन वाला घटिया खेल खेलने की कोशिश की। हिंदुत्व विरोधी जब ऐसे अवसरों पर सॉफ्ट हिंदुत्व की बात करे तो इसके पीछे एक गहरा षड्यंत्र निहित होता है जिसे समझना बहुत आवश्यक है।इनके इस सॉफ्ट हिंदुत्व का मतलब है ऐसा दुर्बल और दयनीय हिंदू जो न कन्वर्जन का विरोध करता हो, न अपनी परंपराओं पर होने वाले आक्रमणों का दृढ़ता से सामना करता हो। ऐसा दब्बू और डरपोक हिंदू जो विधर्मियों द्वारा होने वाले अत्याचारों को चुपचाप सहता रहे, जो निज धर्म और निज संस्कृति को नष्ट होता देखकर भी गूंगा बना रहे। जो अपने परिश्रम की गाढ़ी कमाई पर भी पहला हक किसी परजीवी समुदाय को दिए जाने के इरादों को शीश झुकाकर स्वीकार कर ले, इन्हें ऐसा ही हिंदू चाहिए। वही इनका सॉफ्ट हिंदू है जिसकी यह वकालत करते हैं।किंतु अपने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के बचाव में आगे आने वाला, आततायियों से संघर्ष करने वाला साहसी और संगठित हिंदू इन्हें हिंसक लगता है। सीमा पार के आतंकवादियों, अर्बन नक्सलियों एवं चीन के कुटिल षड्यंत्रों के विरोध में उठ खड़ा होने वाला हिंदू इनको नफरती लगता है। संसद में राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा, वस्तुत: यह नेहरू के वंशजों का मूलचरित्र रहा है कि भारत के भीतर ही नहीं, बाहर भी भारत को कमजोर करने वाली शक्तियों से उसकी मित्रता रही है। नेहरू का चीन और पाकिस्तान के प्रति झुकाव जगजाहिर था। रॉ के अधिकारी रहे अमर भूषण की पुस्तक इनसाइड नेपाल के अनुसार राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने भी नेपाल में हिंदू राजशाही को अपदस्थ कर चीन समर्थक वामपंथियों को सत्ता दिलाने में सहयोग किया था। आखिर हिंदू द्रोह जिनके डीएनए में हो, उनसे और क्या अपेक्षा की जा सकती है?

मुस्लिम महिलाओं...

मुस्लिम महिला गुजारा भत्ता के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। मुस्लिम महिलाओं को कई मामलों में गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता है। अगर मिलता भी है तो वह इद्दत की अवधि तक ही मिलता है। अगर किसी महिला को उसका पति तलाक दे देता है या उसकी मौत हो जाती है तो महिला इद्दत की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। यह समय सीमा मात्र 3 महीने की होती है।तेलंगाना के रहने वाले अब्दुल समद ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। उसने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। अर्जी में कहा गया कि मुस्लिम महिलाओं को मुस्लिम महिला अधिनियम-1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा। सीआरपीसी की धारा 125 के तहत कोई भी महिला अपनी संतान और माता-पिता के भरण-पोषण के लिए पति से गुजारा भत्ते की मांग कर सकती है। अगर महिला के पास उसकी आजीविका का कोई साधन न हो सभी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

चीनी जालसाजों की...

गुलाम बनाए गए लोगों में ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बताए जा रहे हैं। अधिकतर लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया गया था। तेलंगाना के रहने वाले इंजीनियर मुंशी प्रकाश ने जेटी हैदराबाद में नौकरी करते हुए इंटरनेट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया था। इस बायोडाटा पर कम्बोडिया से विजय नाम के व्यक्ति ने मुंशी प्रकाश को कॉल कर के ऑस्ट्रेलिया में नौकरी का ऑफर दिया था। ट्रेवल हिस्ट्री बनाने के लिए मुंशी प्रकाश को पहले मलेशिया का टिकट दिया गया। 12 मार्च 2024 को मुंशी प्रकाश मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर पहुंचे। यहां से उन्हें विजय का एक स्थानीय एजेंट मिला जिसने मुंशी प्रकाश से 85,000 रुपए ले लिए। इसी दौरान एक चीनी व्यक्ति ने मुंशी प्रकाश का पासपोर्ट ले लिया। वह मुंशी प्रकाश को कम्बोडिया के क्रांग बावेत ले गया। वहां मुंशी प्रकाश को एक टावर में ले जाया गया जहां कई अन्य भारतीय पहले से मौजूद थे। इस टावर में मुंशी प्रकाश को 10 दिनों तक फेसबुक पर लड़कियों की फर्जी आईडी बनाने की ट्रेनिंग दी गई।मुंशी प्रकाश ने बताया कि फेसबुक की यह फर्जी आईडी तमिल और तेलगु सहित कई अन्य भाषाओं में बनवाई जा रही थी। काम के बाद पीड़ित को एक अंधेरे कमरे में बंद रखा जाता था। इनकार करने पर उसकी बेरहमी से पिटाई की जाती थी और खाना-पीना भी ठीक से नहीं दिया जाता था। फोटो आदि खींचने पर भी पाबंदी लगा दी गई थी। एक दिन मौका पाकर मुंशी प्रकाश ने अपनी बहन को ईमेल कर के सारी समस्या बताई। तब मुंशी प्रकाश की बहन ने तेलंगाना प्रशासन को इस मामले से अवगत कराया था।स्थानीय स्तर पर समस्या का हल न निकलने पर मुंशी प्रकाश के परिजनों ने भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई। दूतावास की पहल पर कम्बोडिया की पुलिस एक्टिव हुई और मुंशी प्रकाश को बरामद कर लिया। इस बीच चीनी गिरोह ने मुंशी प्रकाश के खिलाफ तहरीर दे कर उसे गिरफ्तार करवा दिया। इस वजह से पीड़ित को 12 दिनों तक जेल काटनी पड़ी थी। अंत में 9 अन्य भारतीयों के साथ मुंशी प्रकाश 5 जुलाई 2024 को कम्बोडिया से भारत वापस भेज दिए गए। भारत आकर मुंशी प्रकाश ने बताया कि उनकी ही तरह लगभग 3000 भारतीय कम्बोडिया में चीनी जालसाजों की वजह से फंसे हुए हैं।मुंशी प्रकाश का दावा है कि 3000 बंधकों में कई महिलाएं भी शामिल हैं। इन महिलाओं से हनीट्रैप का काम करवाया जा रहा है। लड़कियों को नग्न होकर वीडियो कॉल करने पर मजबूर किया जाता है। मुंशी ने बताया कि उन्हें कम्बोडिया में चीनी जालसाजों के जाल में फंसे केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, मुंबई और दिल्ली के लोग मिले। इन सभी को विदेश में नौकरी का झांसा दे कर कम्बोडिया बुलाया गया था। जालसाजी से जुटाया गया पैसा पहले क्रिप्टो करेंसी में बदला जाता है। बाद में इसे अमेरिकी डॉलर और अंत में चीनी मुद्रा युवान में बदलवा लिया जाता है।

भाजपा छोड़ो...

धमकी भरा एक पत्र भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव श्रीनिवासुलु और पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य श्वेत मलिक के नाम का भी मिला।पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने डीजीपी गौरव यादव से बातचीत कर मामले की जांच करने और आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। यह पत्र चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में पहुंचा है, ऐसे में सेक्टर-39 के एसएचओ ने कहा कि इस मामले में जांच शुरू कर दी है। इसमें मुख्य रूप से आरोपी ने भाजपा नेता परमिंदर सिंह बराड़ और तेजिंदर सरां को लिखा है कि उसने पहले भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चेतावनी दी थी कि आप लोगों ने अपने सिर पगड़ी में बांध रखी है। आप भाजपा और आरएसएस के साथ मिलकर सिखों और पंजाब के लोगों को धोखा दे रहे हैं। आप आरएसएस के साथ सिख मामलों में दखल दे रहे हैं, हमने आपको पहले भी चेतावनी दी थी। आप या तो भाजपा छोड़ दें या हम आपको इस दुनिया से उठा देंगे।इस पत्र में अज्ञात ने चारों नेताओं को भाजपा छोड़ने की धमकी दी है। अगर ये नेता भाजपा छोड़ सिख समुदाय के हितों को लेकर अन्य रास्ता नहीं अपनाते हैं तो इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। आरोपी ने खालिस्तान और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे हैं। धमकी भरा लेटर मिलने के बाद भाजपा नेताओं ने इस बारे में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। इसके बाद पुलिस ने पत्र में मिली सामग्री को जांच के लिए भेज दिया है। चंडीगढ़ के भाजपा नेता और नगर निगम में सीनियर डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह संधू को भी पिछले दिनों कुछ धमकियां मिली थी। इस तरह की गतिविधियों ने पंजाब की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है।

आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस पर बैन पांच साल और बढ़ा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर लगाए गए प्रतिबंध को अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। यह निर्णय संगठन की देश विरोधी गतिविधियों के चलते लिया गया है। एसएफजे पर पहली बार 2019 में प्रतिबंध लगाया गया था।गृह मंत्रालय के अनुसार, एसएफजे पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में चरमपंथ और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। संगठन का मुख्य उद्देश्य भारत से अलग होकर खालिस्तान नामक एक अलग राज्य की स्थापना करना है। मंत्रालय ने एसएफजे पर अलगाववादी तत्वों को समर्थन और सहायता प्रदान करने का भी आरोप लगाया है।एसएफजे पर पहले से ही आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त होने और देश की अखंडता और संप्रभुता को खतरे में डालने के आरोप लगे हुए हैं। संगठन की गतिविधियों पर नजर रखने और इन्हें रोकने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रतिबंध को बढ़ाने का निर्णय गृह मंत्रालय ने व्यापक जांच और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्टों के आधार पर लिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत की सुरक्षा और अखंडता को किसी भी प्रकार का खतरा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।गृह मंत्रालय के इस निर्णय का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करना और देश में शांति और सद्भावना को बनाए रखना है। एसएफजे पर प्रतिबंध के बाद, सरकार उम्मीद करती है कि संगठन की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और देश के नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

पहली बार...

इससे पहले पापुआ न्यूगिनी ने उन्हें ग्रैंड कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू (जीसीएल) प्रदान किया। यह पुरस्कार प्राप्त करने वालों को चीफ की उपाधि दी जाती है। फिजी ने सर्वोच्च सम्मान द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी (सीएफ) से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारत के लोगों और फिजी में रह रहे भारतीय समुदाय को समर्पित किया था।भूटान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भूटान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इससे पहले किसी और देश के शासनाध्यक्ष को नहीं दिया गया था। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया था। अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ने द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित किया ।

जुलाई 2023 में फ्रांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया। फ्रांस ने पीएम मोदी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया है। मिस्र ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल प्रदान किया था। मिस्र में यह सम्मान उन्हें प्रदान किया जाता है जिन्होंने मिस्र के लिए या मानवता के लिए अपनी अमूल्य सेवाएं दी हों।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने पर खुशी जताते हुए इसे 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान करार दिया है। सीएम योगी ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को रूसी संघ द्वारा दिया गया सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल, 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच एक-दूसरे के प्रति गहन सम्मान को दर्शाता है और साथ ही रूस और भारत के बीच वर्षों की मित्रता को बनाए रखने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर प्रधानमंत्री जी को बधाई। आपके नेतृत्व में, भारत बढ़ता रहेगा और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अद्वितीय सफलता प्राप्त करेगा।उल्लेखनीय है कि 2019 में रूस ने पीएम मोदी को यह सम्मान देने का ऐलान किया था। इस पुरस्कार की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि यह पुरस्कार 326 साल पुराना है। 1698 में जार पीटर द ग्रेट ने रूस के संरक्षक संत सेंट एंड्रयू के सम्मान में ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल को शुरू किया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 11 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

किशन रेड्डी ने तेलंगाना में कल्याणकारी कार्यक्रमों के अभाव की आलोचना की

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना में कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कमी की आलोचना की।

बुधवार को अपने सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के अंबरपेट का दौरा करने वाले रेड्डी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य के लोग कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र में भी कई मुद्दे हैं।उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की कई इलाकों में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए धन न होने की आलोचना की। रेड्डी ने कहा कि 10 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद बीआरएस ने लोगों को राशन कार्ड जारी नहीं किए हैं और कांग्रेस भी सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर नए राशन कार्ड देने में विफल रही है।

उन्होंने बताया कि 2004 में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी द्वारा दिए गए राशन कार्डों को छोड़कर, राज्य में अब तक कोई नया राशन कार्ड जारी नहीं किया गया है।रेड्डी ने आगे कहा कि भाजपा सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले पांच किलोग्राम मुफ्त चावल, राशन कार्ड जारी न किए जाने के कारण वितरित नहीं किए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लोग बचत समितियों में शामिल होने या नए गैस कनेक्शन प्राप्त करने में असमर्थ हैं। उन्होंने शिकायत की कि महीनों बाद भी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत नहीं की गई है। रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की आलोचना की, जिन्होंने डबल बेडरूम वाले घर उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन फिर अपने फार्महाउस में वापस चले गए, जिससे नई कांग्रेस सरकार अनुत्तरदायी हो गई।

उन्होंने सवाल किया कि कॉलेज जाने वाली युवतियों को तुलम् सोना, कल्याण लक्ष्मी और इलेक्ट्रिक स्कूटर प्रदान करने के वादों का क्या हुआ। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद में कोई विकास नहीं हुआ, उन्होंने विकास को छोड़कर रियल एस्टेट से लाभ उठाने का आरोप लगाया। किशन रेड्डी ने इस बात पर गुस्सा जताया कि 100 करोड़ रुपये अवैध रूप से एकत्र किए जा रहे हैं और दावा किया कि हैदराबाद में कोई भी नेता नहीं है जो बुनियादी मुद्दों की परवाह करता हो।

अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने बुधवार दि. 10.07.2024 को दिलकुशा गेस्ट हाउस मेंकेंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात की और क्षेत्र में चल रही रेलवे परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

अग्रवंधु मेधावी छात्रों के सहायतार्थ शिक्षा सहायता योजना

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा ललिता सत्यनारायण धानुक चैरिटेबल ट्रस्ट, बंजरा हिल्न्स, हैदराबाद एवं पी. सत्यनारायण सन्स ज्वैलर्स, मेहदीपट्टणम

के सौजन्य से 65% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। जिसके लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र 12 जुलाई 2024 शुक्रवार को 11.00 बजे से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पत्र की उपलब्धता तक दिये जाएंगे। आवेदक को छात्र का आधार कार्ड एवं परिक्षा में प्राप्त अंक तालिका लाना आवश्यक है।आवेदन पत्र मंगलवार 16 जुलाई को 11 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक जमा किया जा सकता है।एक परिवार से एक सदस्य को ही आवेदन पत्र दिया जायेगा।शिक्षा सहायता का चेक एक बार देने के पश्चात चेक को बदला नहीं जाएगा,अत: आवेदन पत्र भरने के समय शैक्षणिक संस्था का नाम ठीक से बिना किसी त्रुटि के स्पष्ट रूप से लिखे। आवेदन पत्र प्राप्त एवं जमा करवाने का स्थान है:- 1. सीए उमेश अग्रवाल, 502, 5वां माला राघव रत्ना टावर्स, बी-ब्लॉक, मेडिवन हास्पिटल के बाजू,आबिड्स , हैदराबाद। 2. मुकुन्दलाल अग्रवाल, देवीदत्त टेक्स्टाइल प्रा.लि, हाईकोर्ट गेट नं.4 के सामने गल्ली में, रिकाबगंज, हैदराबाद। 3.अशोक दादरीवाला, गणपति टेक्स्टाइल,धर्म राज गल्ली, टोबेको बाजार, सिकंदराबाद। जिस छात्र को छात्रवृत्ति योग्य पाया जायेगा उनको फोन के माध्यम से चेक वितरण की तारीख और स्थान की सूचना दी जाएगी।

अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा की श्रवण की सैर 28 को

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा की कार्यकारिणी बैठक ऑनलाइन के माध्यम से आयोजित की गई। बजरंग लाल अग्रवाल ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा मंत्री सुनील अग्रवाल ने बैठक के अंश पढ़कर सुनाएं जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

इस बैठक में शाखा द्वारा रविवार दि. 28 जुलाई को श्रवण के सैर की आयोजन का निर्णय लिया गया। सावन के सैर श्रीनेचर वैली रिजॉर्ट इब्राहिमपटनम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पंजीकृत सदस्य और उनके पत्नी का रु.1000/-(शुल्क एक हजार रुपए प्रति व्यक्ति) और बाकी सभी का 1200 प्रति व्यक्ति लिया जाएगा। टिकट पहले और पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी।

अतः सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि जल्द से जल्द टिकट बुक करवा लें। दि. 20 जुलाई के बाद टिकट टिकट की सेल बंद कर दी जाएगी। टिकट किसी भी शाखा पदाधिकारी से संपर्क कर प्राप्त किया जा सकते हैं। इस कार्यक्रम हेतु अशोक बंसल और जितेंद्र मित्तल को संयोजक नियुक्त किया गया।

श्रवण के सैर में नाश्ते की व्यवस्था बस में रिसोर्ट में लंच और हाई-टी की व्यवस्था की गई है। खेलकूद, तैराकी और अन्य सुविधा निशुल्क रहेगी। इस बैठक में शाखा अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष जितेंद्र मित्तल, मंत्री सुनील कुमार अग्रवाल कोषाध्यक्ष आर. अशोक कुमार, परामर्शदाता अशोक बंसल और राजेश बगड़िया, संयुक्त मंत्री सुनील सिंघल कार्यकारिणी सदस्य विनोद कुमार जैन रविंद्र अग्रवाल श्रीमती संतोष गुप्ता, श्रीमती संगीता अग्रवाल. विष्णु कुमार मोदी , दीपक नर्नोली. संयुक्त मंत्री सुनील सिंघल. जितेंद्र जैन आदि उपस्थित थे।

इंजीनियरिंग कौशल विकास कार्यक्रम का ईसीआईएल में शुभारंभ

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद के कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र (सीएलडीसी) में आंध्रप्रदेश के विभिन्न राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेजों के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग तथा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अध्यापकों के लिए 21 दिवसीय औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस कार्यक्रम में इन अध्यापकों को ईसीआईएल की विभिन्न अत्याधुनिक परियोजनाओं एवं प्रणालियों से अवगत कराया जाएगा। इसके लिए ईसीआईएल के तकनीकी प्रभागों ऐन्टेना उत्पाद एवं साटकॉम प्रभाग, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक प्रभाग, सर्वो प्रणाली प्रभाग, निगमित व्यापार विकास वर्ग, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रभाग, उपकरण प्रणाली प्रभाग, अभियांत्रिकी सेवा प्रभाग, दूरसंचार प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण एवं सेवा प्रभाग, कंप्यूटर शिक्षा प्रभाग, निगमित अनुसंधान एवं विकास, प्रणाली गुणता आश्वासन वर्ग, विकिरण संसूचन एवं उपकरण प्रभाग, सुरक्षा प्रणाली उत्पाद प्रभाग, नियंत्रण एवं उपकरणीकरण प्रभाग, संचार प्रणाली वर्ग, सॉफ्टवेयर प्रणाली समाधान प्रभाग, स्मार्ट अभिशासन समाधान प्रभाग, नियंत्रण एवं स्वचालन प्रभाग, रिएक्टर परियोजना प्रभाग तथा विशेष उत्पाद प्रभाग में प्रशिक्षण के संबंध में विशेष कार्य योजना बनाई गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह के सुअवसर पर कॉरपोरेशन के निदेशक (कार्मिक) अनुराग मालवीया के निर्देशन में प्रबंधक (प्रशिक्षण एवं विकास) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने ईसीआईएल के कॉरपोरेट प्रोफाइल पर प्रस्तुति दी। उन्होंने प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में ईसीआईएल के निरंतर योगदान एवं महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में प्रतिभागी अध्यापकों ने प्रौद्योगिकी के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। सभी प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि ईसीआईएल जैसे विश्व प्रसिद्ध संस्थान में औद्योगिकी प्रशिक्षण प्राप्त करना उनके लिए गर्व की बात है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के साथ-साथ अन्य इंजीनियरिंग शाखाओं का भी विस्तृत तकनीकी परिचय दिया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आंध्रप्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग के विशेष कार्य अधिकारी (प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट) ने शुभकामनाएं दी हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्या जंगम, अधिकारी (मानव संसाधन), आर. स्वामी, अनुभाग सहायक, डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी कनका श्री महालक्ष्मी, कनि. हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

विश्व में शान्ति के लिए शिव पूजन करें : पुष्पेंद्र शुक्ला

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में डॉ सुनील अग्रवाल कन्हैया लाल अग्रवाल बसईवाले परिवार द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में कथा व्यास पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया शिव लिंग पूजन करने से विश्व में शान्ति स्थापित की जा सकती है। कथा में सती ने दक्ष प्रजापति के यज्ञ में अपने शरीर का त्याग किया। सती जी का दूसरा जन्म हिमाचल राजा के यहां उमा के रूप में हुआ। शिव-पार्वती विवाह, कार्तिकेय, गणेश जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सुनील कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश गौतम, अमित शुक्ला, सोनू मिश्रा, जीवेस द्विवेदी शत्रुहन दायमा एवं हजारों भक्तों ने कथा श्रवण की।

कालीकट विवि एवं एनआईआईएमएच के बीच हुआ समझौता

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तुंजन पाण्डुलिपि भण्डार, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद (एनआईआईएमएच) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। इसमें प्रो. रबि नारायण आचार्य, महानिदेशक केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ कर सहभाग लिया। इस अवसर पर कालीकट विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. (डॉ.) एम. के. जयराज, प्रति उपकुलपति प्रो. (डॉ.) एम. नासिर, रजिस्ट्रार डॉ. ई.के. सतीश, अभिवक्ता पी.के. खलीमुद्दीन, सिंडिकेट के सदस्य अभिवक्ता एल.जी. लिजीश, निदेशक तुंजन पांडुलिपि भंडार डॉ. मंजू. एम. पी., प्रो. (डॉ.) शिवदासन पी., प्रो. (डॉ.) जोस टी पुथुर, प्रो. (डॉ.) मोहम्मद हनीफा के. तथा राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद, डॉ. राकेश नारायण, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) तथा तुंजन पाण्डुलिपि भण्डार, कालीकट विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तिय, अधिकारि तथा कर्मचारी उपस्थिति रहें।इस समझौते के दौरान उपस्थित सभी मान्यवरों द्वारा तुंजन पाण्डुलिपि भण्डार, कालीकट विश्वविद्यालय में उपलब्ध आयुर्वेद विषय के पांडुलिपियों के संरक्षण, एवं डिजिटलीकरण हेतु ठोस कदम उठाने के आवशक्ता पर सहमति दर्शायी ।

आईडीए (इंडियन डेंटल एसोसिएशन), डेक्कन और लिटिल फ्लावर ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने बुधवार को लिटिल फ्लावर हाई स्कूल, अबिड्स में एक राष्ट्रीय स्कूल ओरल हेल्थ प्रोग्राम का आयोजन किया। यह कैंप लिटिल फ्लावर हाई स्कूल के प्रिंसिपल रेवरेंड शाजन एंटनी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। यह कैंप आईडीए, डेक्कन शाखा के सचिव डॉ ए. श्रीकांत, डॉ अनुराग, डॉ अर्जुन यादव, डॉ क्रांति, डॉ श्रेया और उनकी 15 डेंटल विशेषज्ञों की टीम के सहयोग से किया गया । कैंप में 2650 से अधिक छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों ने स्क्रीनिंग का लाभ उठाया।

एनएमडीसी में मासिक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएमडीसी लिमिटेड में कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा इसके प्रचार-प्रसार हेतु लागू मासिक हिंदी प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत बुधवार दि. 09 जुलाई, 2024 को हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता अन्य भाषी कार्मिकों के लिए ई-गेमिंग का प्रभाव विषय पर तथा हिंदीभाषी कार्मिकों के लिए प्रदूषण नियंत्रण में री-साइक्लिंग का योगदान विषय पर पृथक रूप से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रूचि के साथ प्रतिभागिता की।

प्रतियोगिता के प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि, प्रतियोगिता की निर्णायक तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति रूचि उत्पन्न करने एवं दैनिक कार्यालयीन कार्यों को राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने में आ रही झिझक को दूर करने के उद्देश्य से एनएमडीसी में ऐसी प्रतियोगिताओं का निरंतर आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एम. जयपाल रेड्डी, अधिशासी निदेशक (संसाधन योजना एवं पर्यावरण) ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि हर्ष का विषय है कि एनएमडीसी राजभाषा के क्षेत्र में निरंतर नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, जिसका श्रेय एनएमडीसी के सभी कार्मिकों को जाता है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में उपस्थित सभी कार्मिकों को शुभकामनाएं दीं।

तत्पश्चात प्रतियोगिता की निर्णायक श्रीमती अनुराधा पाण्डे, राजभाषा अधिकारी, डीआरडीओ, हैदराबाद ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी तथा अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं की घोषणा की गई। तदुपरांत पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि महोदय के कर-कमलों से पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर 29 मई, 2024 को आयोजित की गई हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार वितरित किए गए।

प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन में राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा); देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा); एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री फोजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

राजपूत समाज हैदराबाद के तत्वावधान में बगीचा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राजपूत समाज - हैदराबाद के तत्वावधान में बगीचे का कार्यक्रम रविवार दि. 7 जुलाई 2024 को मोईनाबाद के एक रिसोर्ट में आयोजित किया गया । प्राचीन परंपरानुसार राजपूत समाज प्रतिवर्ष आषाढ के महिने में बगीचे का आयोजन करता है इस अवसर पर राजपूत बिरादरी के सदस्य परिवार सहित एक बगीचे में जमा होते हैं और मौसम का आनंद उठाते हैं।इस वर्ष भी सैकडों राजपूत परिवार इस अवसर पर उपस्थित हुए और विभिन्न क्रिडाओं जैसे स्विमींग पूल, म्युजिकल चेअर, तंबोला आदि में भाग लिए । इस अवसर पर विजेताओं को पारितोषिक भी दिया गया । उक्त समारोह की अध्यक्षता राजपूत समाज के अध्यक्ष अवकाश प्राप्त न्यायाधीश गोपाल सिंह ने की । राजपूत सभा, तेलंगाना के अध्यक्ष प्रेमसिंह, वरिष्ठ अधिवक्ताअनूप कुमार सिंह, कल्याण सिंह एवं स्व. सरदार सिंह की विधवा श्रीमती सुशीला बाई का सम्मान किया गया । इसी समारोह के मुख्य आयोजक अर्जुन सिंह एवं महेंद्र सिंह का भी सम्मान राजपूत सभा के अध्यक्ष प्रेमसिंह द्वारा किया गया ।बगीचे के आयोजन में राजपूत समाज के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र सिंह, जीवन सिंह, गजेंद्र सिंह, नरसिंह सिंह, दिनेश सिंह एवं अन्य सदस्यों ने भाग लिया ।इस आयोजन में महिलाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया । जिसका नेतृत्व श्रीमती सुर्या कुमारी, श्रीमती अनुराधा, श्रीमती उमा आदि ने किया ।इस समारोह में अवकाश प्राप्त अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक श्री गोकुल सिंह एवं अशोक कुमार सिंह राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, अंबरपेट के ट्रस्टी कुंदन सिंह, रघुनंदन सिंह, कमल सिंह, रंजित सिंह, गजेंद्र सिंह, विश्वजीत सिंह, विजय सिंह बैस, विपिन राजे सिंह एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे ।

सुरेखा ने बल्कम्पेट में खराब प्रबंधन के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने पुलिस को बल्कम्पेट येल्लम्मा मंदिर के अधिकारियों द्वारा देवी रेणुका देवी के दिव्य विवाह में

शामिल होने के लिए मंदिर में आई अभूतपूर्व भीड़ को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस हाथापाई में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर भी लड़खड़ा गए और उन्हें मामूली चोटें आईं।प्रभाकर की चोट पर टिप्पणी करते हुए सुरेखा ने राजनीति से प्रेरित दंगाइयों को दोषी ठहराया और आरोप लगाया कि उन्होंने कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि बल्कम्पेट येल्लम्मा पोचम्मा मंदिर में कल्याणम के दौरान मंदिर में हुई धक्का-मुक्की एक साजिश है। मंदिर में भीड़ प्रबंधन में विफलता के बारे में रिपोर्ट सामने आने के बाद धर्मस्व मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की, जिसके कारण प्रभाकर से जुड़े एक राजनीतिक नाटक की शुरुआत हुई, जिसमें उन्होंने मंदिर के अधिकारियों पर उचित प्रोटोकॉल नहीं देने का आरोप लगाया।मंत्री प्रभाकर वार्षिक दिव्य विवाह में शामिल होने के लिए मंदिर गए थे, जिसमें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों तेलुगु राज्यों से लाखों लोग आते हैं। मंदिर में भारी भीड़ और हाथापाई के कारण प्रभाकर गिर गए, जिससे उन्हें मामूली चोटें आईं।

आईबीएनएटी फाउण्डेशन जॉब एक्सपो का आयोजन 13 को

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आईबीएनएटी फाउण्डेशन के तत्वावधान में शनिवार, 13 जुलाई, 2024 को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चांदनी फंक्शन, मेट्रो पिल्लर नंबर ए-1417 के पास, मलकपेट, हैदराबाद में आईबीएनएटी फाउण्डेशन जॉब एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आईटी, ग़ैर आईटी, बीपीओ और फार्मा कंपनियाँ और कई अन्य भाग ले रहे हैं। बीकॉम, बीबीए, बीएससी, बी.फार्मा और एमबीए, एमसीए, बीटेक इंजीनियर भी आवेदन कर सकते हैं, कोई अन्य ग्रेजुएट भी आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण कराने के लिए मोबाइल नंबर 8125004111 पर संपर्क किया जा सकता है।

तेरापंथी ज्ञानशाला का पद्भार अधिग्रहण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के तत्वावधान में तेलंगाना के 21 क्षेत्रों में ज्ञानशालाएं व्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही है। ज्ञानशाला प्रकोष्ठ, महासभा द्वारा निर्देशित नया कार्यवर्ष 2024-26 आरंभ हो चुका है। केंद्र द्वारा हैदराबाद की सीमा जी. दस्सानी को पुनः आंध्रप्रदेश व तेलंगाना के आंचलिक संयोजक पद पर नियुक्त किया गया।राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नव नियुक्त आंचलिक संयोजक सीमा दस्सानी ने अपने द्वितीय कार्यभार अधिग्रहण के साथ ही अपनी नवगठित टीम के साथ सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती, मंत्री हेमंतजी संचेती तथा सभा में ज्ञानशाला संयोजक वीरेंद्र घोषल

आदि पदाधिकारियों के साथ बैठक रखी। आगामी चातुर्मास में केंद्र द्वारा निर्देशित करणीय कार्यों के बारे में विचार विमर्श किया।

इसी संदर्भ में ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं के साथ भी बैठक आयोजित की गई जिसमें नव कार्य वर्ष में सभी पदों पर नई नियुक्तियां की गई। मीटिंग में नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के पश्चात प्रशिक्षिकाओं द्वारा सुंदर मंगलाचरण की प्रस्तुति हुई। आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्सानी ने आंचलिक सहसंयोजक के रूप में सरोज जी लोढ़ा के नाम की घोषणा की। साथ ही तेलंगाना के क्षेत्रीय संयोजक के रूप में संगीता गोलछा, मुख्य प्रशिक्षक पद के लिए पुष्पा जी बरड़िया को नियुक्त किया। अपने ओजस्वी वक्तव्य में सीमा जी ने संपर्क पखवाड़ा में करणीय कार्यों के बारे में बताया व ज्ञानशालाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा ने अपनी टीम में ज्ञानशाला परामर्शदाता का दायित्व पुन: अंजू बैद को सौंपा । क्षेत्रीय सहसंयोजक पदों पर यशोदा कोठारी,उषा सुराणा, सुरभि सिंघी, अरूणा भंडारी, परीक्षा व्यवस्थापक -सरिता नखत, सुमन सेठिया, जूली बैद, मीडिया विभाग, सांस्कृतिक विभाग, ई- ज्ञानशाला संबंधित ज्ञान मित्र,ऐप कोऑर्डिनेटर आदि विभागों की नियुक्तियां की गई।

साथ ही केंद्र से हैदराबाद से चयनित श्रेष्ठ प्रशिक्षक, श्रेष्ठ वरिष्ठ प्रशिक्षक, श्रेष्ठ ज्ञानार्थी व प्रशिक्षिक परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम दो स्थान प्राप्त करने की उपलब्धियों पर सभी को बधाइयाँ दी। सभी का स्वागत करते हुए संगीता जी ने प्रशिक्षिकाओं को पूरे जोश-खरोश के साथ ज्ञानशाला को नव ऊंचाइयों पर पहुंचाने का आह्वान किया।आगामी चातुर्मासिक प्रवेश के साथ ही तत्वज्ञान, प्रवचन आदि गतिविधियों में संलग्न होकर अपना व ज्ञानशाला के विकास की ओर उन्मुख बनाएं।हैदराबाद ज्ञानशाला एडवाइजर अंजू जी बैद ने नव कार्य वर्ष की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन सरिता नखत ने किया। क्षेत्रीय सहसंयोजक यशोदा जी कोठारी के आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

भगवान जगन्नाथ श्री जगन्नाथ मठ में प्रवेश

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सितारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में हेरा पंचमी के पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा के साथ प्रवेश (घर वापसी) कार्यक्रम भव्यता से सम्पन्न हुई।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में महंत अच्युत रामानुजाचार्य अजय स्वामी ने बताया कि हेरा पंचमी अनुष्ठान के अंतर्गत सोमवार दि. 8 एवं 9 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय उत्सव में भगवान जगन्नाथ स्वामी को ज्ञानबाग कोलोनी स्थित प्ले ग्राउन्ड में विराजीत किया गया। जहाँ विभिन्न कार्यक्रम श्री जगन्नाथ मठ परिवार, ज्ञानबाग कोलोनी वेलफेर सोसायटी, महिला मंडल, युवा मंडल एवं ज्ञानबागी कोलोनी प्रभात फेरी मंडली की ओर से आयोजित किये गये। दि. 8 जुलाई को सुंदरकांड, भजन, छप्पन भोज दर्शन एवं महाप्रसाद का आयोजन ज्ञानबाग कोलोनी वेलफेर सोसायटी, महिला मंडल, युवा मंडल की ओर से रखा गया था । उन्होने आगे कहा कि मंगलवार सायं 6.30 बजे भगवान की सवारी ज्ञानबाग कोलोनी से निकलकर रात्रि 9.30 बजे सितारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ मठ मे मंदिर पधारे जहाँ पर सभी के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गयी।

श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान में श्री जगन्नाथ मठ में प्रतिवर्षानुसार वैकुंठवासी श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुर्जा जीयर स्वामीजी के आशिर्वाद से शनिवार दि. 22 जून 2024 को प्रातः शुभ मुहूर्त में देवविग्रहो को मंदिर से बाहार लाया गया था। शनिवार दि. 6 जुलाई 2024 को भगवान को भोग और विशेष पूजा की गई। रविवार दि. 7 जुलाई 2024 ध्वज पूजा एवं ध्वाजारोहण, मध्यान्तर महानिवेदन, पुण्यावाचन, मठ प्रोक्षण एवं सायं श्री जगन्नाथ भगवान की आरती, पूजा, महाभोग, रथ पर रथारूढ होकर नगरभ्रमण पर श्री जगन्नाथ समेत सुभद्रा, बदभद्रजी वापस जगन्नाथ मठ में पधारे(प्रवेश)।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि भगवान जगन्नाथ द्वारा माता लक्ष्मी को अपने पीछे छोडकर आ जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करती है । बहुदा यात्रा गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ मंदिर तक की वापसी यात्रा है यह घर वापसी यात्रा भी शुरूआती भव्य रथ यात्रा की तरह ही भव्य और महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस यात्रा में भक्त अति उत्सुक्ता से भाग लेते हैं और अपने प्रिय भगवान की घर वापसी का महोत्सव पूर्ण जोश से मनाते है। कार्यक्रम में मुख्यता लंगर हौज मंदिर से महंत राहुल दास महाराज, समाजसेवीका रूबी मिश्रा, कैलाश नारायण बांगडिया, लव फोर काऊ फाउण्डेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, अर्जुनलाल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, घनश्यामदास राठी, विष्णु कडेल, आशिष काकडा, महावीर प्रसाद अग्रवाल, मोहनकुमार मुंद्रा, हनुमानदास डागा, मिठालाल प्रजापति, राजेन्द्र झंवर, गोकुलचंद उपाध्याय, प्रेम अग्रवाल, कनैयालाल ओझा, मुकुंदलाल डोभा, गोविद अटल, नवीन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, दिनेश बलदवा, सुनील, नवीन, लालुभाई, ऊँप्रकाश सिंह, विजय सारडा, पुरूषोत्तम शर्मा, पपूभाई (सूर्या टेन्ट), सज्जनलाल अग्रवाल, गोपाल मुंद्रा, रूपेश गोपाल काकडा, सागर दायमा एवं श्री जगन्नाथ मठ परिवार, ज्ञानबाग कोलोनी वेलफेर सोसायटी, महिला मंडल, युवा मंडल के सदस्य एवं आदि मठ के कई धर्मप्रेमीयो ने भाग लिया।

जीएचएमसी ने डेंगू विरोधी कार्य योजना बनाई

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जीएचएमसी अधिकारियों ने डेंगू नियंत्रण कार्ययोजना तैयार की, जिसमें सभी घरेलू सदस्यों के लिए जागरूकता और चिकित्सा जांच पर जोर दिया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा और मुख्य कीट विज्ञानी डॉ. रामबाबू की अगुवाई में समन्वय बैठक में डेंगू नियंत्रण के लिए आवश्यक सावधानियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों ने हर शुक्रवार और शनिवार को स्कूली छात्रों के लिए डेंगू जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया।

जीव विज्ञान के शिक्षक छात्रों को मच्छर जनित बीमारियों और उनकी रोकथाम के बारे में शिक्षित करेंगे।

सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में जागरूकता बढ़ाने के लिए शहर भर में लगभग 5,000 स्वयंसेवकों को नियुक्त किया जाएगा। कॉलोनी स्तर पर, अधिकारियों ने हर शुक्रवार को कॉलोनी के सदस्यों को घरों में मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान करने और उन्हें खत्म करने के लिए शामिल करने का फैसला किया, साथ ही शिक्षा भी प्रदान की। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर मोबाइल संदेश जनता को भेजे जाएंगे। सभी स्तरों पर चिकित्सा और स्वच्छता सहित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखा जाएगा।

सहायक चिकित्सा अधिकारी टीम का नेतृत्व करेंगे और मच्छर जनित बीमारियों को रोकने के लिए वरिष्ठ और कनिष्ठ कीट विज्ञानियों के साथ समन्वय करेंगे। जिला आयुक्तों, स्वास्थ्य सेवाओं के सहायक चिकित्सा अधिकारियों और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में सहायक कीटविज्ञानियों सहित सभी लाइन विभागों के साथ साप्ताहिक बैठकें आयोजित की जाएंगी।

क्षेत्रीय आयुक्तों और अन्य अधिकारियों को स्थानीय अस्पतालों का दौरा कर डेंगू के मामलों की स्थिति की निगरानी करने और डीसी, एएमओएच और एसई के साथ समन्वय में क्षेत्रीय डेंगू कार्य योजना विकसित करने का काम सौंपा गया है।डीसी को वरिष्ठ कीटविज्ञानियों के सहयोग से एएलओ, आईईसी और फॉगिंग पर ध्यान केंद्रित करने और डेंगू के मामलों की रिपोर्ट वाले सभी हॉटस्पॉट और क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

वे हर डेंगू-पॉजिटिव मामले के आसपास कम से कम 30 से 50 घरों में पाइरेथ्रम रसायनों का छिड़काव करेंगे। जीएचएमसी ऑनलाइन, माई जीएचएमसी ऐप, ईमेल और ट्विटर के माध्यम से प्राप्त होने वाली दैनिक मच्छर शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाएगा।

एएमओएच को मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लार्वीसाइड और एडल्टीसाइड को मिलाने की विधि को समझना चाहिए। सफाई टीम खाली पड़े कूड़े के ढेरों का निरीक्षण और सफाई करेगी, जबकि मेडिकल टीम सभी घरेलू सदस्यों की चिकित्सा जांच करेगी।

बदनाम करने वाले अश्लील पोस्ट के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर की साइबर क्राइम पुलिस ने हैदराबाद की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी को बदनाम करने के उद्देश्य से कथित रूप से अश्लील और अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने के आरोप में एक सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामला बीएनएस धारा 336 (4) और आईटी अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार, मेयर ने शिकायत की है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित वीडियो उनकी छवि को खराब कर रहे हैं।

सोशल मीडिया यूजर ने मंगलवार को शहर में एक कार्यक्रम में मेयर की यात्रा के वीडियो को अनुचित और अपमानजनक सामग्री के साथ साझा किया था।

साइबर क्राइम यूनिट अश्लील सामग्री साझा करने के लिए जिम्मेदार सोशल मीडिया अकाउंट के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। अपराधी को न्याय के कटघरे में लाने के लिए आगे की जांच जारी है।

राजस्व सेवा अधिकारी ने लिंग परिवर्तन करके इतिहास रचा

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कैडर के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी ने अपना लिंग महिला से पुरुष में बदलने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय से मंजूरी प्राप्त करके इतिहास रच दिया है। भारतीय सिविल सेवाओं में ऐसा पहली बार हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्व विभाग के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के आदेश में कहा गया है कि एम. अनुसूया के अनुरोध पर विचार किया गया है। अब से, अधिकारी को सभी आधिकारिक रिकॉर्ड में श्री एम. अनुकथिर सूर्या के रूप में पहचाना जाएगा। अनुकथिर सूर्या कौन हैं? अनुकथिर सूर्या ने दिसंबर 2013 में तमिलनाडु के चेन्नई में सहायक आयुक्त के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्हें 2018 में डिप्टी कमिश्नर के पद पर पदोन्नत किया गया और पिछले साल, वे हैदराबाद में अपनी वर्तमान पोस्टिंग पर चले गए। सूर्या ने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने 2023 में भोपाल के नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी से साइबर लॉ और साइबर फोरेंसिक में पीजी डिप्लोमा पूरा किया। हाल ही में, सूर्या, जिन्हें पहले एम. अनुसूया के नाम से जाना जाता था, जो हैदराबाद में सीमा शुल्क उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के मुख्य आयुक्त (अधिकृत प्रतिनिधि) के कार्यालय में संयुक्त आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया।

सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित पीलीभीत और लखीमपुर खीरी का हवाई सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों से राहत कार्यों की जानकारी हासिल कर इसमें और तेजी लाने के निर्देश दिये। इसके बाद सीएम योगी ने पीलीभीत और लखीमपुर खीरी के बाढ़ प्रभावित गांवों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने आपदा से प्रभावित बच्चों और महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी और तत्काल समाधान के आदेश दिये। साथ ही लोगों से खुद प्रार्थना पत्र प्राप्त किये। इसके अलावा सीएम ने बाढ़ प्रभावितों को खुद राहत सामग्री वितरित की और बाढ़ शरणालय पहुंचकर लोगों का हालचाल जाना। सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। वहीं उन्होंने नाव में बैठकर बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा भी किया। साथ ही बाढ़ से ऊफनाई नदियों का जायजा भी लिया। सीएम ने निरीक्षण के दौरान दोनों जिलों में मीडिया को संबोधित करते हुए राहत कार्यों से संबंधित जानकारी साझा की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, राज्य के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, बलदेव सिंह औलख समेत स्थानीय विधायक आदि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं ताकि जनहानि-धनहानि को कम से कम किया जा सके। इसी के तहत सीएम योगी ने बुधवार को पीलीभीत और लखीमपुर खीरी का हवाई सर्वे किया। सीएम योगी ने सबसे पहले पीलीभीत का हवाई सर्वे किया। उन्होंने पीलीभीत की पूरनपुर, सदर और बीसलपुर तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों का हवाई सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों से बाढ़ की स्थिति की बारीकी से जानकारी हासिल की। इसके बाद सीएम योगी ने पीलीभीत के चंदिया हजारा और अध्यापुर जगतपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा से प्रभावित बच्चों, महिलाओं और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्या सुनी। सीएम योगी ने आपदा से प्रभावित लोगों से कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार उनके साथ है। उनको घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार की ओर से उन्हे हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। आपदा से प्रभावित लोग सीएम योगी को अपने बीच पाकर काफी खुश हुए और उन्होंने अपनी समस्याओं से संबंधी प्रार्थना पत्र दिया, जिसे सीएम ने खुद लिया और अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने प्रभावितो को खुद राहत सामग्री की किट वितरित की। इसके बाद वह बाढ़ शरणालय पहुंचे, जहां पर ठहरे लोगों का हालचाल जाना। वहीं सीएम योगी ने जिले के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को समय से राहत सामग्री बांटने एवं सहायता राशि देने के निर्देश दिये। इसके साथ ही क्षतिग्रस्त फसलों का तत्काल सर्वे कराकर सहायता राशि उपलब्ध कराने के आदेश दिये। इस दौरान सीएम योगी मीडिया से भी मुखातिब हुए। उन्होंने पत्रकारों को सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ प्रभावित पीलीभीत के इलाकों का दौरा करने के बाद लखीमपुर खीरी पहुंचे। इससे पहले सीएम ने लखीमपुर खीरी का हवाई सर्वे किया। सीएम योगी करीब साढ़े तीन बजे लखीमपुर खीरी के शारदा नगर पहुंचे। यहां पर उन्होंने शारदा नदी पर बने बैराज से नदी के ऊफान को देखा। साथ ही अधिकारियों से जानकारी हासिल की। इसके बाद सीएम योगी शारदा नगर के बाढ़ कैंप पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रभावित लोगों को राहत साग्रमी किट बांटी। साथ ही उनका हालचाल जाना। इसके बाद सीएम योगी ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने अधिकारियों को समय से राहत किट बांटने, जनहानि-धनहानि का सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरकार के पास पैसे की कमी नहीं है। ऐसे में आपदा प्रभावितों की मदद में कोई कमी नहीं होनी चाहिये। वह बोले अगर कोई समस्या आए तो उन्हे तत्काल अवगत कराया जाए। सीएम योगी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के 12 जनपद बाढ़ से प्रभावित हैं, जहां पर युद्धस्तर पर राहत कार्य चल रहे हैं। बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी, एसएसबी की फ्लड यूनिट के साथ स्थानीय गोताखोरों को भी लगाया गया है

यूपी में साल दर साल बढ़ रहा राज्य पक्षी सारस का कुनबा

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में साल दर साल राज्य पक्षी सारस का कुनबा बढ़ता जा रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष दो बार गणना की जाती है। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन गणना (20-21 जून 2024) में कुल 19918 सारस पाए गए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 396 अधिक है। वहीं राज्यव्यापी गणना में इटावा वन प्रभाग में सर्वाधिक 3289 सारस मिले। 10 वन प्रभागों में यह संख्या 500 से अधिक रही। मऊ वन प्रभाग में 10 वर्ष में पहली बार छह सारस पक्षी दिखाई दिए। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन गणना (20-21 जून 2024) में इस बार 10 हजार नागरिकों द्वारा भी भाग लिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 में सत्ता संभालने के बाद से सारस संरक्षण पर विशेष जोर दिया। इस क्रम में जब 2021 में सारस की गणना हुई तो यह संख्या 17329 पाई गई। 2022 में यह कुनबा 19188 हुआ। 2023 में यूपी में 19522 सारस मिले, 2024 में बढ़कर यह संख्या 19918 हो गई। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 396 सारस यूपी में बढ़ गए। 2021 से 2024 के बीच प्रदेश में 2589 सारस बढ़े। वर्ष 2024 में सारस की ग्रीष्मकालीन गणना में 10 प्रभागों में इनकी संख्या 500 से ऊपर रही। इटावा वन प्रभाग में सर्वाधिक 3289, मैनपुरी में 2945, शाहजहांपुर में 1212, औरैया में 1202, कन्नौज में 786, हरदोई में 735, संतकबीरनगर में 717, कानपुर देहात में 709, गोरखपुर में 675 और सिद्धार्थनगर में 673 सारस पाए गए।

27 वन प्रभागों में सारस की संख्या 100 से 500 के बीच रही। इनमें रायबरेली में 428, सीतापुर में 427, उन्नाव में 426, बरेली में 348, सोहगीबरवा में 339, लुप्तप्राय 306, बांदा में 261, बाराबंकी में 257, फिरोजाबाद में 239,

दक्षिण खीरी में 209, अलीगढ़ व अमेठी में 194-194, बस्ती में 186, गौतमबुद्ध नगर में 171, मथुरा में 166, बिजनौर सामाजिक वानिकी में 143, गोंडा में 142, एटा में 138, सुल्तानपुर में 137, बहराइच में 135, फर्रुखाबाद में 134, कानपुर नगर में 133, राष्ट्रीय चंबल सेंच्युरी में 119, बदायूं में 116, फतेहपुर में 103, चित्रकूट और अवध वन प्रभाग में 102-102 सारस पाए गए। 31 वन प्रभाग ऐसे रहे, जहां 100 से कम सारस मिले। पिछले 10 वर्ष में मऊ में पहली बार दिखे छह सारस दिखे। श्रावस्ती में 99, कासगंज में 95, पीलीभीत सामाजिक वानिकी में 94, हमीरपुर में 86, सोहेलवा में 81, अंबेडकरनगर में 80, अयोध्या में 78, हाथरस में 75, आगरा में 55, कौशांबी व उत्तर खीरी में 54, प्रतापगढ़ में 53, मेरठ में 51, कुशीनगर में 50, बुलंदशहर में 44, मुरादाबाद में 42, कतर्नियाघाट में 36, देवरिया में 34, ललितपुर में 31, मुजफ्फरनगर में 20, महोबा, प्रयागराज और नजीबाबाद में 18-18, संभल में 12, आजमगढ़ और जौनपुर में 11-11, मऊ और रामपुर में छह-छह, उरई में चार, हापुड़ और पलिया-खीरी में दो-दो सारस मिले।

गंगा पथ विस्तार परियोजना में तेजी के लिए सीएम आग्रही

काम जल्दी कराएं, कहिए तो आपके पैर छू लूं : नीतीश

पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को पटना में जेपी गंगा पथ के पटना सिटी के कंगनघाट तक विस्तार का उद्घाटन करने पहुंचे। गंगा पथ को और आगे तक जाना है, इसलिए काम में तेजी की बात करते हुए मुख्यमंत्री अफसरों को ताकीद कर रहे थे। यह सब होते-होते अचानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अगर आप कहें तो हम आपके हाथ जोड़ लेते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने मातहत आईएएस अधिकारी प्रत्यय अमृत की ओर झुकते हुए आगे बढ़ने लगे कि जैसे सचमुच उनके पैर छू लेंगे। प्रत्यय अमृत भी किंकर्तव्यूविमूढ़ होकर हाथ जोड़ते हुए उन्हें रोकते हुए दिखे।

बिहार में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होना है। हर चुनाव के पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तमाम बड़ी परियोजनाओं को पूरा कराने का लक्ष्य रखते हैं। जेपी गंगा पथ को लेकर वह पहले भी अफसरों को ताकीद करते रहे हैं। नीतीश लगातार मातहत अफसरों को सापु शब्दों में कह भी चुके हैं कि किसी हाल में चुनाव से पहले काम पूरा कर लें, ताकि जनता के सामने जाना आसान हो। बुधवार को भी ऐसी ही बात चल रही थी, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेपी गंगा पथ को समय से पूरा करने के लिए अफसरों को ताकीद कर रहे थे। वह निर्माण एजेंसी के इंजीनियरों और प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों से कह रहे कि काम तेजी सके कीजिए। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा कि हम आपके सामने हाथ जोड़ते हैं, कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं, लेकिन काम समय पर पूरा कराइए। सामने खड़े आईएएस प्रत्यय अमृत मुख्यमंत्री को रोकने के लिए हाथ जोड़कर खड़े हो गए।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक बड़ी जनसभा में पिछली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने बिहार के विकास की बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छू लिए थे। नीतीश कुमार ने तब पीएम मोदी से बिहार की उम्मीदें बताई थीं और इसी दौरान जनसभा में वह पैर को छूने पर आ गए थे, जिसपर प्रधानमंत्री ने हाथ पकड़ लिया था।

बांग्लादेशी महिला को जेल, सजा पूरी होते ही की जाएगी डिपोर्ट

सूरत, 10 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में फर्जी आधार कार्ड बनाकर भारत की नागरिकता हासिल करने की कोशिश करने वाली बांग्लादेशी महिला मल्लिका साकिन सरदार को दोषी ठहराया गया है और 14 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। मल्लिका साकिन सरदार को फर्जी आधार कार्ड बनवाकर धोखाधड़ी करने की कोशिश का दोषी पाया गया है। मल्लिका साकिन सरदार को कुल 14 माह की सजा गई है, और उसे 14 महीने की सजा पूरी करते ही बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया जाएगा। हालाँकि सरकारी वकील ने कहा है कि वो सजा को बढ़वाने के लिए उच्च अदालत का रुख करेंगे।

सूरत जिला कोर्ट ने अपने फैसले में मल्लिका साकिन सरदार को दोषी बताया।

मल्लिका साकिन सरकार की उम्र 63 साल है। वह मूल रूप से बांग्लादेश के गोपालगंज जिले की सलाबतपुर इलाके के मंदरवाजा टेनेमेंट की निवासी है। उसके पास से बांग्लादेशी पासपोर्ट, भारत का आधार कार्ड, कोरोना-टीका प्रमाणपत्र भी मिले हैं। बताया जा रहा

है कि वह साल 2020 से सूरत में रह रही थी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विजयकुमार बारोट की अदालत के समक्ष अपनी दलीलों में सरकारी वकील पवन शाह ने कहा कि सरदार ने भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड बनवाया था। सरकारी वकील ने इस मामले को भारत में बढ़ते घुसपैठ से जोड़ा और कहा कि अगर आरोपितों के प्रति नरमी बरती गई, तो इससे अन्य लोग भी अवैध तरीके से भारत में घुसने की कोशिश करेंगे। हालांकि अदालत ने महिला को धारा 465 के तहत 7 माह और आईपीसी की धारा 471 के तहत 7 माह की सजा सुनाई। सरदार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 465 (जालसाजी), 470 (जाली दस्तावेज), 471 (जाली दस्तावेज को असली के रूप में इस्तेमाल करना), 467 (मूल्यवान सुरक्षा के लिए जालसाजी) और 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। वो मौजूदा समय में सूरत सेंट्रल जेल में बंद है। इस मामले में कोर्ट ने कहा कि दोषी महिला को 14 माह की सजा पूरी होते ही बांग्लादेश भेज दिया जाए और इस बात की रिपोर्ट अदालत में जमा कराई जाए। हालाँकि सरकारी वकील पवन शाह ने कहा कि हम अदालत के आदेश को पढ़ने के बाद आगे कदम उठाएंगे।

फुसला कर शादी किया, अब बना रहा ईसाई बनने का दबाव

कानपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से ईसाई धर्मांतरण के प्रयास का मामला सामने आया है। यहां एक दलित लड़की ने पुलिस में ईसाई युवक निखिल कुरील के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में पीड़िता ने निखिल कुरील पर पहले खुद को बहला-फुसला कर शादी करने और अब धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता और आरोपित पड़ोसी हैं। ईसाई न बनने पर लड़की की पिटाई भी की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

निखिल के परिवार ने खुद को दलित बताते हुए उसका प्रमाण पत्र सार्वजानिक किया है और उलटे पीड़िता पर ही खुद को प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। यह घटना कानपुर नगर के थाना क्षेत्र पनकी की है। यहां सोमवार को एक दलित पीड़िता अपनी मां के साथ डीसीपी कार्यालय पहुंची। उन्होंने शिकायत देते हुए बताया कि 2 साल से ईसाई मत का निखिल कुरील पीड़िता के पड़ोस में रह रहा था। आते-जाते उसका पीड़िता से परिचय हुआ और बातचीत होने लगी। यही बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। आखिरकार अलग-अलग मत होने के बावजूद दोनों ने अप्रैल 2024 में शादी कर ली। शादी कुछ दिनों तक तो सही चली लेकिन बाद में पति-पत्नी में विवाद शुरू हो गया।

लड़की का कहना है कि शादी के बाद उनका पति उन्हें ले कर लखनऊ गया। लखनऊ में निखिल के अन्य पारिवारिक सदस्य रहते हैं। आरोप है कि यहां पीड़िता को उसके ससुराल वालों ने अपनाने से इनकार कर दिया। पीड़िता को अपनाने के लिए ईसाई बनने की शर्त रखी गई। जब लड़की ने धर्म-परिवर्तन के लिए मना कर दिया तो उसकी ससुराल वालों ने पिटाई की और वापस भेज दिया। इस प्रताड़ना में निखिल द्वारा भी अपने ही परिवार की तरफ से खड़ा रहने की बात कही गई है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में पुलिस का बयान भी आया है। पनकी की एसीपी श्वेता कुमारी ने बताया कि 18 जून 2024 को पीड़िता और आरोपित आपसी विवाद ले कर पुलिस के पास गए थे।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने दिया सख्त आदेश

एक हफ्ते में शंभू बॉर्डर खुलवाए हरियाणा सरकार

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। फरवरी से पंजाब हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन पर बुधवार को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को आदेश दिया है कि शंभू बॉर्डर पर की गई बैरिकेडिंग एक हफ्ते के अंदर खुलवाई जाए। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी हरियाणा और पंजाब दोनों सरकारों की होगी। आंदोलनकारी किसान प्रशासन की तरफ से चिन्हित जगहों पर आंदोलन कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने किसानों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की नसीहत भी दी। कोर्ट ने कहा कि अब शंभू बॉर्डर पर महज 500 प्रदर्शनकारी हैं, इस लिए अब यह हाईवे खोला जा सकता है। यह हाईवे पिछले पांच महीने से बंद है इसे अब और बंद नहीं रखा जा सकता है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद शंभू बॉर्डर पर किसानों की चहलकदमी बढ़ गई है। किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आ रही है। किसान नेताओं का कहना है कि अगर बॉर्डर खुलता है तो वह दिल्ली जाएंगे। अंबाला प्रशासन का कहना है कि अभी उनके पास आदेश की कॉपी नहीं पहुंची है। अंबाला के व्यापारी संगठनों को भी हाईकोर्ट के आदेश की कापी का इंतजार है।हाईकोर्ट के एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य ने शंभू बॉर्डर खुलवाने के लिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। शांडिल्य ने बताया कि पांच महीने से नेशनल हाईवे 44 बंद है। इससे अंबाला के दुकानदार, व्यापारी, छोटे बड़े रेहड़ी फड़ी वाले भुखमरी के कगार पर आ गए हैं। याचिका में मांग की गई थी कि शंभू बॉर्डर को तुरंत प्रभाव से खोलने के आदेश दिए जाएं। शांडिल्य ने याचिका में पंजाब व हरियाणा सरकार सहित किसान नेता स्वर्ण सिंह पंधेर व जगजीत सिंह डल्लेवाल को भी पार्टी बनाया है। शंभू बॉर्डर पर किसानों के आंदोलन के कारण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 108 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। 13 फरवरी 2024 को किसान आंदोलन के कारण शंभू टोल प्लॉजा को बंद किया गया था।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,060/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,400/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

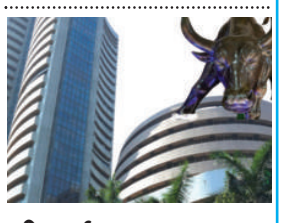

बीएसई : 79,924.77
-426.87 -0.53% ↓
एनएसई :24,324.45
-108.75 (-0.45%) ↓

काला नमक धान का क्रेज बढ़ा, बीज की बिक्री 20% बढ़ी

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर जबसे काला नमक धान को सिद्धार्थनगर का ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) घोषित किया गया है तबसे इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। पिछले साल की तुलना में बीज की बिक्री में करीब 20 फीसदी की वृद्धि इसका सबूत है। यही नहीं स्वाद, सुगंध और पौष्टिकता में बेमिसाल होने के नाते अन्य राज्यों में भी इसका विस्तार हो रहा है। इस साल छत्तीसगढ़, बिहार, एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और हरियाणा से भी बीज की उत्साहजनक मांग आई है।

कालानमक धान पर दो दशक से काम कर रहे पद्मश्री से सम्मानित कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरसी चौधरी के अनुसार उनके पास जितने बीज की मांग जीआई वाले पूर्वांचल के 11 जिलों से आई है लगभग उतनी ही मांग छत्तीसगढ़ से भी निकलने का अनुमान है। बीज की बढ़ी मांग की तस्दीक गोरखपुर के बड़े बीज बिक्रेता उत्तम बीज भंडार के श्रद्धानंद तिवारी भी करते हैं। उनके मुताबिक पिछले साल के मुकाबले कालानमक धान के बीज की मांग अधिक है। इसी नाते आपूर्तिकर्ता कंपनियों की संख्या भी खासी बढ़ी है। प्रतियोगिता के नाते दाम भी वाजिब है। दोनों लोगों का कहना है कि आज कालानमक धान का जो भी क्रेज है उसकी एकमात्र वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निजी प्रयास है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो जीआई वाले जिलों के अलावा बलिया, आजमगढ़, जौनपुर, सुल्तानपुर, प्रयागराज, उन्नाव, प्रतापगढ़ आदि वे जिले हैं जहां से कालानमक धान के बीज की अच्छी मांग निकली है। थोड़ी-बहुत डिमांड तो कई प्रदेशों एवं जिलों से है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरसी चौधरी के मुताबिक पिछले साल कालानमक धान का रकबा सिर्फ जीआई वाले जिलों में करीब 80 हजार हेक्टेयर था। 2024 में बीज बिक्री के अबतक के आंकड़ों के अनुसार यह एक लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। अन्य जिलों और प्रदेशों को शामिल कर लें तो यह रकबा अपेक्षा से बहुत अधिक होगा। मात्र सात साल में इसके रकबे में करीब चार गुना वृद्धि हुई। 2016 में इसका रकबा सिर्फ 2200 हेक्टेयर था, जो 2022 में बढ़कर 70 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गया। 2024 में इसके एक लाख हेक्टेयर से अधिक होने की उम्मीद है। कालानमक धान की इस लोकप्रियता के पीछे योगी सरकार की बड़ी भूमिका है। सिद्धार्थनगर का ओडीओपी घोषित करने के बाद से सरकार ने इसे लोकप्रिय बनाने के लिए कई प्रयास किए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शासन के उच्चाधिकारियों ने किसानों के साथ सिद्धार्थनगर जाकर बैठकों के साथ फील्ड विजिट किया। किसानों से उनकी समस्याएं जानीं। सरकार की ओर से कपिलवस्तु में कालानमक महोत्सव का शुभारंभ खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। कुशीनगर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में आये बौद्ध देश के अतिथियों को गिफ्ट हैंपर के रूप में काला नमक चावल दिया गया।

राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य सम्मानित

आसिफाबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन (टीयूडब्ल्यूजे) के राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए आर. प्रकाश रेड्डी का बुधवार को जिला केंद्र पहुंचने पर टीयूडब्ल्यूजे जिला समिति द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वह जल्द ही योग्य पत्रकारों को घर के भूखंड और स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। कार्यक्रम में टीयूडब्ल्यूजे के जिला अध्यक्ष अब्दुल रहमान, जिला मान्यता समिति के सदस्य प्रकाश गौड़, थारू, अब्दुल हन्नान, आदि उपस्थित थे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Shivani yadav Legally Daughter of Service No :- JC 677033H, Rank :- NBSUB, Name :- Ramesh prasad yadav, UNIT : 554 ASC BN, C/O 56APO, VILL :- DUBARIYAPURWA, POST :- Ranipur, TEH :- BABERU, DIST :- BANDA, STATE :- UTTAR PRADESH, PIN :- 210203,Changed my Daughter Name From **SHIVANI** to **SHIVANI YADAV**, D/O NBSUB Ramesh prasad yadav Aadhar card No :- 9392 5994 1710 Affidavit Signed by Advocata and NOTARY P. Raveendranath B.com, B.L ON 10/07/24

CHANGE OF NAME
I, PATHAN FATHIMA Legally Mother of Service NO : 6396170H, RANK :- HAV/CLK (SD), Name :- Mahaboob Khan Patan, UNIT :- 554 ASC BN,C/O 56 Apo, H.NO :- 1-203P -158, POOLASUBBAIAH Colony, VILL & post : MARKAPUR, TEH-MARKAPUR, DIST : Prakasam, State: Andhra pradesh, PIN - 523316,Changed My name from **FATHIMA** to **PATHAN FATHIMA** Mother of HAV/CLK(SD) mahaboob Khan Patan Aadhar card No :-6357 72657357 Affidavit signed by Advocate and NOTARY P. Raveendranath B.com, B.L ON 27/06/24

CHANGE OF NAME
I, R.INDHUMATHI, Spouse of Service No. 15710200H L/Nk VINAYAGAM S, R/o.Vill:OzhugurKuppam, Street:BajaniKovil, Po:Ozhugur, Teh:Sholinghur, Dist:Ranipet, Tamilnadu-632501 have changed my name from **R.INDHUMATHI** to **INDHUMATHI.R** vide affidavit dt:10-7-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 380946W, Rank:SUB JE SYS, Name:ULAGANATHAN E, R/o.8/11, OlugalPathai Lane No.1, BodinayakkanurBodiTk, TheniDt, Tamilnadu-625513 of Unit:54 IDSR(A) C/o.56 APO hereby declare that my mother name is to be changed from **E MANIAMMAL** to **E MUNIAMMAL** vide affidavit dt:10-7-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15710200H L/Nk Vinayagam S, R/o.Vill:OzhugurKuppam, Street:BajaniKovil, Po:Ozhugur, Teh:Sholinghur, Dist:Ranipet, Tamilnadu-632501 of Unit:54 IDSR(A) C/o.56 APO hereby declare that my son name is to be changed from **JITHESH KUMAR** to **JITHESH KUMAR.V** vide affidavit dt:10-7-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

सीएम रेवंत ने राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए भूमि अधिग्रहण में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का किया आग्रह

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टरों को राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के लिए भूमि अधिग्रहण के मामले में सहानुभूति से काम करने की सलाह दी है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों को नियमों के अनुसार उदारतापूर्वक मुआवजा दिया जाना चाहिए।

बुधवार को मुख्यमंत्री रेड्डी ने डॉ. बीआर अंबेडकर राज्य सचिवालय में समीक्षा की, जिसमें तेलंगाना में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के तहत सड़क निर्माण में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने सरकारी सहयोग के बावजूद भूमि अधिग्रहण में देरी पर सवाल उठाया। कलेक्टरों ने बताया कि उच्च बाजार मूल्यों की तुलना में भूमि के लिए कम सरकारी पंजीकरण मूल्य किसानों को अपनी जमीन छोड़ने से हतोत्साहित करते हैं।मुख्यमंत्री रेड्डी ने स्वीकार किया कि किसान पीढ़ियों से चली आ रही भूमि खो रहे हैं और कलेक्टरों को किसानों को समझाने के लिए सीधे उनसे संपर्क करने की सलाह दी।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के दक्षिणी और उत्तरी दोनों हिस्सों को एक इकाई के रूप में विचार करने का अनुरोध किया था, जिसे सैद्धांतिक रूप से मंजूरी मिल गई।

अधिकारियों को इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक कदम उठाने में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, जिसमें राज्य सरकार, केंद्र सरकार और एनएचएआई के बीच त्रिपक्षीय समझौता शामिल है। मुख्यमंत्री ने आरआरआर के उत्तरी भाग में भूमि अधिग्रहण में बाधाओं के बारे में जानकारी ली। यदाद्री भुवनगिरी कलेक्टर हनमंत के. ज़ेंडगे ने बताया कि सरेखण के मुद्दे के कारण कुछ किसानों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था, और उच्च न्यायालय ने स्थगन दे दिया था। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को स्थगन हटाने के लिए अगले शुक्रवार तक एक काउंटर दाखिल करने की सलाह दी। नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर में खम्मम जिले में भूमि अधिग्रहण की स्थिति के बारे में, राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, जिन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया, ने कहा कि सड़क खम्मम के पास कीमती जमीनों से होकर गुजरती है और किसानों को मुआवजे के बारे में समझाने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने खम्मम से अश्वरावपेट तक राष्ट्रीय राजमार्ग को राज्य राजमार्ग में बदलने के सुझाव का विरोध किया। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने एनएचएआई अधिकारियों से बड़े गांवों में सर्विस रोड और जहां आवश्यक हो वहां अंडरपास बनाने का अनुरोध किया, ताकि किसान नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर के हिस्से के रूप में बनाई जा रही सड़क पर अपने खेतों तक पहुंच सकें। एनएचएआई के परियोजना सदस्य अनिल चौधरी ने आश्वासन दिया कि इन मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। कृषि वाहनों और किसानों के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बजरी वाली सड़कें बनाने के प्रस्ताव की भी समीक्षा की गई।

चौधरी ने कहा कि इस मामले पर विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेड्डी ने बजरी वाली सड़कों के निर्माण का समर्थन करते हुए कहा कि वे किसानों के लिए फायदेमंद होंगी और भविष्य में सड़क विस्तार की सुविधा प्रदान करेंगी। आर्मोर-जगीत्याला-मंचिरयाला और विजयवाड़ा-नागपुर कॉरिडोर सड़कों से संबंधित वन विभाग की भूमि हस्तांतरण मुद्दे की समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री रेड्डी ने निजामाबाद, मंचिरयाला और महबूबाबाद जिलों के कलेक्टरों को वन भूमि के विकल्प के रूप में सरकारी भूमि आवंटित करने की सलाह दी। उन्होंने राजस्व और वन विभागों को इस मामले में समन्वय करने का निर्देश दिया और सुझाव दिया कि सड़क निर्माण के लिए बाधाओं को दूर करने के लिए सरकारी भूमि वन विभाग को हस्तांतरित की जाए। मुख्यमंत्री रेड्डी ने विभिन्न विभागों में उपयोगिताओं को हटाने के लिए शीघ्र भुगतान का भी आग्रह किया, अधिकारियों को किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए एनएचएआई के साथ समन्वय करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को हैदराबाद-मनेगुडा सड़क का काम जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया, जिस पर एनएचएआई के अधिकारियों ने सहमति जताई। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एनएचएआई परियोजना सदस्य अनिल चौधरी से हैदराबाद-विजयवाड़ा विस्तार कार्य तुरंत शुरू करने को कहा, क्योंकि हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के छह लेन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। चौधरी ने जवाब दिया कि काम दो महीने में शुरू हो जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव शांति कुमारी, एनएचएआई के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

तेलंगाना सरकार ने की नए डीजीपी की नियुक्ति

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने बुधवार दि.10 जुलाई को आईपीएस अधिकारी डॉ. जितेन्द्र को तेलंगाना का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया। डॉ. जितेन्द्र दिसंबर 2023 में राज्य में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार द्वारा नियुक्त किए गए पहले डीजीपी हैं। पिछले साल दिसंबर में आईपीएस रवि गुप्ता को अंतरिम डीजीपी नियुक्त किया गया था, जब चुनाव आयोग ने तेलंगाना के पूर्व डीजीपी अंजनी कुमार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए निलंबित कर दिया था।

अंजनी कुमार, जो पहले हैदराबाद के पुलिस आयुक्त थे, को दिसंबर में बीआरएस की निवर्तमान तेलंगाना सरकार द्वारा बड़े फेरबदल में डीजीपी नियुक्त किया गया था। आईपीएस रवि गुप्ता का तबादला कर उन्हें सरकार में विशेष मुख्य सचिव के पद पर तैनात किया गया है।

तीन नाबालिग लड़कों ने आठ वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी

नांदयाल (आंध्र प्रदेश), 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के पगिडयाला मंडल के मुचुमारी गांव में एक चौंकाने वाली घटना में तीन नाबालिग लड़कों ने आठ वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार किया और बाद में उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि नाबालिग बच्ची रविवार को लापता हो गई थी। परिजनों और पड़ोसियों ने बच्ची की तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। माता-पिता ने सोमवार को मुचुमारी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने सुराग जुटाने के लिए खोजी कुत्तों को लगाया। पुलिस को सूचना मिली कि तीन नाबालिग लड़के बच्ची को बाहरी इलाके में ले जाते देखे गए हैं।पुलिस ने नाबालिग बच्ची के लापता होने के सिलसिले में तीन नाबालिग लड़कों को हिरासत में लिया । पुलिस ने बताया कि जब बच्ची गांव के पार्क में अन्य लड़कियों के साथ खेल रही थी, तभी तीनों आरोपी नाबालिग लड़के, जो मृतक बच्ची के परिचित थे, उसे बाहरी इलाके में एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया।बाद में, इस डर से कि वह उनका नाम उजागर कर देगी, नाबालिग लड़कों ने लड़की को सिंचाई नहर में धकेल कर मार डाला। पुलिस ने बताया कि तीनों नाबालिग लड़कों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

विधायक गीता जया सूर्या ने मृतक लड़की के माता-पिता को सांत्वना दी और उन्हें हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया। इस भयावह घटना से स्तब्ध विधायक ने पुलिस अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अपराधियों को अदालत द्वारा दंडित किया जाए।

सरकार ने पांच पद्मश्री पुरस्कार विजेताओं को 25-25 लाख रुपए दिए

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में पांच पद्मश्री पुरस्कार विजेताओं को 25-25 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।बुर्रा वीणा वादक दासारी कोंडप्पा, चिंडू यक्षगानम थिएटर कलाकार गद्दाम सम्मैय्या, मूर्तिकार वेलु आनंद चारी, लेखक केथवथ सोमलाल और डॉ. कुरेला विट्ठलाचार्य ने मुख्यमंत्री से चेक प्राप्त किए।

हैदराबाद में 15 अधिकारियों को नई तैनाती दी गई

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने बुधवार को 15 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर उन्हें नई पोस्टिंग दी। नई पोस्टिंग वाले अधिकारियों में महेश मुरलीधर भागवत - अतिरिक्त डीजीपी (एल एंड ओ) तेलंगाना, स्वाति लाकड़ा - अतिरिक्त डीजी संगठन और होमगार्ड, विजय कुमार - अतिरिक्त डीजी, कार्मिक शामिल हैं और उनके पास अतिरिक्त डीजी खेल और कल्याण का अतिरिक्त प्रभार भी होगा।

इसी तरह, संजय कुमार जैन - अतिरिक्त महानिदेशक टीज-ीएसपी बटालियन, एम स्टीफन रवींद्र - अतिरिक्त महानिदेशक, ग्रेहाउंड्स, जी सुधीर बाबू - पुलिस आयुक्त राचकोंडा, डॉ तरुण जोशी - निदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, एस चंद्रशेखर रेड्डी - महानिरीक्षक मल्टी जोन - 1, के रमेश नायडू - महानिरीक्षक - रेलवे और सड़क सुरक्षा, वी सत्यनारायण - महानिरीक्षक - मल्टी जोन - 2, रक्षिता के मूर्ति - डीसीपी सीएआर मुख्यालय हैदराबाद, डी उदय कुमार रेड्डी - पुलिस अधीक्षक, मेडक, आर गिरिधर - पुलिस अधीक्षक वानापर्थी, बी बाला स्वामी - डीसीपी (पूर्व) हैदराबाद और जी चंद्र मोहन - डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) हैदराबाद।

दक्षिण मध्य रेलवे ने ट्रेन संचालन में फ्रंटलाइन रनिंग स्टाफ को प्राथमिकता दी

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद डिवीजन के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा एम. गोपाल ने घोषणा की है कि दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ट्रेन संचालन में शामिल फ्रंटलाइन रनिंग स्टाफ को प्राथमिकता देता है। दक्षिण मध्य रेलवे ने बुधवार को क्रू बुकिंग लॉबी और रनिंग रूम, सिकंदराबाद में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन प्रबंधकों (रनिंग स्टाफ) को दी जाने वाली सुविधाओं और सुख-सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए मीडिया के लिए एक निर्देशित दौरे का आयोजन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए गोपाल ने ट्रेन संचालन की समयबद्धता और सुरक्षा बनाए रखने में फ्रंटलाइन रनिंग स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रनिंग रूम लोको पायलटों को सुचारू ट्रेन संचालन के लिए अपनी सेहत और सतर्कता बनाए रखने में मदद करने के लिए सुविधाजनक और आरामदायक वातावरण प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, सिकंदराबाद रनिंग रूम में प्रतिदिन विभिन्न दिशाओं से आने वाले 60

कर्मचारियों के लिए आरामदायक आवास उपलब्ध है।कर्मचारियों को रियायती दरों पर स्वस्थ और स्वच्छ नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना उपलब्ध कराया जाता है, साथ ही लाउंज/रीडिंग रूम और ध्यान के लिए योग कक्ष जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।गोपाल ने कहा कि रनिंग रूम में कई अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जिनमें सभी मंजिलों के लिए लिफ्ट, कपड़े धोने की सुविधा, जूते चमकाने की मशीन, साफ-सुथरे वॉशरूम, सोलर वॉटर हीटर, डिजिटल बेड ऑक्यूपेंसी सिस्टम वाला रिसेप्शन, मशीनीकृत धुले हुए लिनन, ब्रांडेड गुणवत्ता वाले खाट और गद्दे, डाइनिंग हॉल, मॉड्यूलर किचन और स्टोर और ताजे पानी की आपूर्ति शामिल है।

एसबी वेंकटेश, डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ने लोको पायलटों की कार्य स्थितियों और क्रू बुकिंग लॉबी और रनिंग रूम में क्रू सदस्यों के लिए प्रदान की जाने वाली सुविधाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर दमरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) ए. श्रीधर ने सुरक्षित परिचालन में लोको-रनिंग स्टाफ की भूमिका और स्टाफ को सर्वोत्तम संभव सुविधाएं प्रदान करने को दी जाने वाली प्राथमिकता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर जाने से पहले आराम करने के दौरान क्रू सदस्यों के लिए आरामदायक माहौल प्रदान करने के लिए बहुत सावधानी बरती जाती है। उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद क्रू बुकिंग लॉबी सबसे व्यस्त कार्यस्थलों में से एक है, जहाँ हर दिन लगभग 800 स्टाफ सदस्य ड्यूटी पर आते/जाते हैं। वे सिकंदराबाद से विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंटकल, बल्हारशाह, शोलापुर और परली तक विभिन्न दिशाओं में ट्रेनें चलाने में शामिल हैं।

नियमों का उल्लंघन करने पर ऑटो-रिक्शा चालकों के खिलाफ 8,930 मामले दर्ज

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद यातायात पुलिस ने पिछले पखवाड़े में बच्चों को स्कूल ले जाने वाले ऑटो-रिक्शा चालकों के खिलाफ विभिन्न उल्लंघनों के लिए 8,930 मामले दर्ज किए। हैदराबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) पी. विश्व प्रसाद ने कहा कि विशेष अभियान ऑटो रिक्शा चालकों के खिलाफ अतिरिक्त बच्चों को ले जाने, बिना वर्दी के चालकों, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के चालकों आदि के उल्लंघन के लिए था। अधिकारी ने कहा, विशेष ध्यान फिटनेस प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस के बिना ऑटो रिक्शा, शराब पीकर गाड़ी चलाने और ओवरलोडिंग पर है।यातायात पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने और ओवरलोडिंग सहित उल्लंघनों के लिए स्कूल बसों और वैन के खिलाफ 390 मामले दर्ज किए। विश्व प्रसाद ने कहा, यातायात पुलिस की विशेष टीमों ने छात्रों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के साथ बैठकें की थीं। साथ ही अभिभावकों को अपने बच्चों को ओवरलोडेड ऑटो रिक्शा में भेजने के परिणामों के बारे में समझाया गया। यातायात पुलिस ने लोगों से स्कूल बसों और ऑटो रिक्शा से संबंधित यातायात उल्लंघनों की रिपोर्ट 9010203626 पर करने को कहा।

चिक्कड़पल्ली में इमारत में आग लगने से लाखों की संपत्ति खाक

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चिक्कड़पल्ली में बुधवार शाम एक इमारत में आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग आरटीसी चौराहे पर एक व्यावसायिक परिसर की चौथी मंजिल पर लगी, जहां बहुत सारा प्लास्टिक का सामान रखा हुआ था। सूचना मिलने पर पड़ोसी दमकल केंद्रों से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल विभाग के उच्च अधिकारियों ने आग पर काबू पाने के लिए चार दमकल गाड़ियां भेजीं। आग बुझाते समय एक दमकलकर्मी बीमार पड़ गया और उसे अस्पताल ले जाया गया।

आग को पड़ोसी इमारतों में फैलने से रोकने के लिए दमकलकर्मियों ने इमारत को चारों तरफ से घेर लिया।आग पर काबू पाने से पहले करीब तीन घंटे तक आग बुझाने का काम जारी रहा।

स्थानीय पुलिस ने भी इस अभियान में दमकल कर्मियों की मदद की। आग लगने के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.